@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 14 मई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 189 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नीट-यूजी पेपर लीक

सीबीआई ने अहिल्यानगर से 3 और पुणे से एक महिला को हिरासत में लिया

एजेंसी

मुंबई। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच बुधवार को और तेज हो गई, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले से पूछताछ के लिए तीन संदिग्धों और पुणे से एक महिला को हिरासत में लिया। आगे की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी गई है। अधिकारियों ने बताया कि तीनों संदिग्धों से इस समय अहिल्यानगर के पुलिस अधीक्षक के दफ़्तर में पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी जिन तीन लोगों से पूछताछ कर रही है, उनमें आरोपी धनंजय लोखंडे भी शामिल हो सकता है। देश भर में हुए परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच के सिलसिले में मुंबई से आई सीबीआई की एक टीम मंगलवार से ही अहिल्यानगर में डेरा डाले हुए है। जांचकर्ता उन कई अन्य लोगों की संभावित भूमिका की भी जांच कर रहे हैं, जो जांच के दौरान एजेंसी की नजर में आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस पूछताछ का मकसद यह पता लगाना है कि लीक हुए 'नीट' परीक्षा पेपर को कथित तौर पर फैलाने और बांटने में इन तीनों संदिग्धों की असल भूमिका क्या थी। अहिल्यानगर में सीबीआई की यह कार्रवाई शुभम खैरनार के कथित खुलासों के बाद हुई।

●अब सीबीआई इस लीक में कथित तौर पर शामिल बड़े नेटवर्क की जांच कर रही है, जिसमें कई राज्यों में फैले संदिग्ध बिचौलिए, वितरक और लाभार्थी शामिल हैं।

खैरनार को इस मामले में पहले नासिक से गिरफ्तार किया गया था। शक है कि खैरनार ने लीक हुए पेपर को हासिल करने और उसे अलग-अलग राज्यों में बांटने में अहम भूमिका निभाई थी। इस बीच, पुणे पुलिस ने पुष्टि की है कि इस मामले में एक महिला को भी हिरासत में लिया गया था, और बाद में उसे आगे की जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया। पुणे शहर के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि महिला को पुणे के बिबवेवाड़ी इलाके से हिरासत में लिया गया था। कुमार ने बताया, 'हमने उससे पूछताछ की और उसे आगे की जांच के लिए सीबीआई को सौंप दिया।'

हालांकि, पुलिस कमिश्नर ने कथित पेपर लीक नेटवर्क में महिला की असल भूमिका के बारे में और ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। ये ताजा घटनाक्रम नीट-यूजी 2026 विवाद की बढ़ती जांच के बीच सामने आए हैं। इस विवाद के चलते 3 मई को देश भर में 22 लाख से ज्यादा छात्रों के लिए हुई परीक्षा रद्द कर दी गई थी, क्योंकि आरोप लगे थे कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्न पत्र लीक हो गया था।

मंत्री और विधायक सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए खरीद रहे इलेक्ट्रिक वाहन : आदित्य ठाकरे

एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण 'ऊर्जा बचत' अपनाने की अपील के बाद कुछ मंत्री और विधायक सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीद रहे हैं। आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पूछा, ''जो लोग ऐसा नहीं कर सकते, उनका क्या? क्या बेस्ट बस का टिकट फिर से सस्ता होगा? क्या दूसरे सार्वजनिक परिवहन पर सब्सिडी मिलेगी? क्या मेट्रो टिकट के दाम कम होंगे?'' उन्होंने आगे कहा, ''हमारी 2021 की ईवी नीति में तय किया गया था कि 2022 के बाद सभी मंत्री, सरकारी विभाग और शहरी स्थानीय निकाय अगर नई गाड़ियां खरीदेंगे या किराए पर लेंगे, तो सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन ही लेंगे। सरकार बदलने के बाद नीति के इस हिस्से को हटा दिया गया। इसके अलावा यह भी जरूरी था कि ईवी के लिए बिजली सस्ती हो और साफ ऊर्जा स्रोत से आए, लेकिन वह भी अब पुरानी बात बन गई है।'' वरिष्ठ एनसीपी (एसपी) नेता और पूर्व मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि मध्यम वर्ग हमेशा अपनी जिम्मेदारी निभाता है, लेकिन सरकार को भी उदाहरण पेश करना चाहिए।

●उन्होंने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों के बड़े-बड़े काफिलों की आलोचना करते हुए कहा कि 'नेशन फर्स्ट' नीति अपनाते हुए उनके निजी और सरकारी काफिलों में गाड़ियों की संख्या कम की जानी चाहिए।

15-20 मई तक पांच देशों की यात्रा पर प्रधानमंत्री मोदी

यूएई के बाद करेंगे यूरोप का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच दिवसीय विदेश यात्रा पर 15 मई को रवाना होंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि दौरे की शुरुआत यूएई से और समापन इटली में होगी। प्रधानमंत्री की यात्रा पर विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 20 मई तक पांच देशों की यात्रा करेंगे, जिसमें यूएई और चार यूरोपीय देश–नीदरलैंड्स, स्वीडन, नॉर्वे और इटली शामिल हैं। 15 मई को यूएई में वे राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान से मुलाकात करेंगे। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों, ऊर्जा सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत और यूएई के बीच एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, और वहां 45 लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं।' इसके बाद प्रधानमंत्री 15 से 17 मई तक, नीदरलैंड्स में रहेंगे। 2017 के बाद यह उनकी दूसरी यात्रा है और यह द्विपक्षीय संबंधों के एक अहम मोड़ पर हो रही है। इसमें तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन भी शामिल है, जिसका मुख्य जोर व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार पर होगा। इन चार यूरोपीय देशों की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब हमने इस साल की शुरुआत में भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप दिया था।' जॉर्ज ने आगे कहा, 'इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नीदरलैंड के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। वे वहां के सम्राट विलेम-अलेक्जेंडर और महारानी मैक्सिमा से भी मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री के भारतीय समुदाय को संबोधित करने और नीदरलैंड के शीर्ष कारोबारी नेताओं से मिलने की भी उम्मीद है।' नीदरलैंड के बाद प्रधानमंत्री स्वीडन जाएंगे। 17 मई को प्रधानमंत्री स्वीडन के गोथनबर्ग की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी की स्वीडन की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले, 2018 में, वह पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के लिए स्वीडन गए थे।

चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड श्रद्धालु, 25 दिनों में 12.60 लाख ने किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की विश्वप्रसिद्ध चारधाम यात्रा इस वर्ष नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। यात्रा शुरू होने के महज 25 दिनों के भीतर ही श्रद्धालुओं की संख्या 12 लाख 60 हजार के पार पहुंच गई है। विशेष रूप से केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ रहा है, जहां 22 दिनों में ही पांच लाख से अधिक भक्त दर्शन कर चुके हैं। राज्य सरकार यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी कर रही है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में मौसम की संवेदनशीलता को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा में 13 मई तक कुल 12,60,478 श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 5,23,582 श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे हैं।

एनआईए की बड़ी कामयाबी

पुर्तगाल से प्रत्यर्पण के बाद हिजबुल का नारको-आतंकवादी शेरा गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने एक बड़ी कूटनीतिक और कानूनी सफलता हासिल करते हुए वांछित नारको-आतंकवादी इकबाल सिंह उर्फ शेरा को गिरफ्तार कर लिया है. शेरा को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित (E&tradition) कर भारत लाया गया है. हिजबुल मुजाहिदीन (HM) के आतंकी वित्तपोषण (Terror Financing) मामले के मास्टरमाइंड शेरा को आज दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही एनआईए की टीम ने हिरासत में ले लिया. वह साल 2020 से फरार था और पुर्तगाल में छिपा हुआ था. **वारंट और नोटिस :** शेरा के खिलाफ अक्टूबर 2020 से गैर-जमानती वारंट और जून 2021 से इंटरपोल नोटिस जारी था.

नारको-टेरर मॉड्यूल : जांच में सामने आया कि शेरा पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी करने वाले मॉड्यूल का मुख्य साजिशकर्ता था।

हवाला नेटवर्क और ड्रग्स का खेल : अमृतसर (पंजाब) का रहने वाला शेरा पाकिस्तान और कश्मीर स्थित हिजबुल मुजाहिदीन के गुर्गों को आतंकी गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराता था.

तस्करी : उसने पाकिस्तान से सीमावर्ती राज्यों में नशीले पदार्थों की तस्करी का समन्वय किया.

हवाला नेटवर्क : ड्रग्स की बिक्री से मिलने वाले पैसे को हवाला नेटवर्क के जरिए आतंकी गतिविधियों के लिए भेजा जाता था.

आतंकी गिरोह : उसने पंजाब में सहयोगियों का एक गिरोह बनाया था जो भारी मात्रा में हेरोइन की तस्करी और धन के लेन-देन में लगा हुआ था।

दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री मान को दिया भरोसा

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 13 मई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और आगामी खरीफ सीजन के दौरान पंजाब में सुचारू खरीद और उठान कार्यों को सुनिश्चित करने के लिए धान के कुछ हाइब्रिड बीजों के नोटिफिकेशन को रद्द करने हेतु उनके हस्तक्षेप की मांग की, साथ ही केंद्र के समक्ष राज्य के किसानों से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। दिल्ली में हुई महत्वपूर्ण बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने निर्बाध उर्वरक आपूर्ति और भूजल संरक्षण का भरोसा दिलाते हुए केंद्रीय बीज समिति में पंजाब के प्रतिनिधित्व की मांग की और 2026-27 के लिए गेहूं बीज सब्सिडी आवंटन पर जोर दिया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के किसानों ने केंद्र के 125 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा अब मक्का, दालें, तिलहन, सूरजमुखी और बाजरा के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि धान की खेती पर निर्भरता कम की जा सके, तेजी से घट रहे भूजल भंडारों को बचाया जा सके और पंजाब को राज्य के कृषि भविष्य के लिए खतरा बने डार्क जोन संकट से बाहर निकाला जा सके। केंद्रीय कृषि मंत्री से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रस्तावित बीज विधेयक-2025 के तहत केंद्रीय बीज समिति में पंजाब के प्रतिनिधित्व की जोरदार पैरवी की और राज्य में फसल विविधीकरण एवं कृषि सुधारों के लिए केंद्र से अधिक समर्थन की मांग की। मुख्यमंत्री ने शिवराज सिंह चौहान को बताया कि यद्यपि पंजाब देश की आबादी का मात्र 2 प्रतिशत है, लेकिन देश के अन्न भंडार में यह सालाना लगभग 185 लाख मीट्रिक टन चावल और 125 लाख मीट्रिक टन गेहूं का योगदान देता है, जिस कारण पंजाब को देश का अन्नदाता कहा जाता है। खरीफ और रबी दोनों फसलों के लिए निर्बाध आपूर्ति के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। बीज विधेयक-2025 का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कृषि प्रधान राज्य होने के नाते, पंजाब राष्ट्रीय खाद्य पूल में बड़ा योगदान देता है, इसलिए केंद्रीय बीज समिति में इसका उचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब में किसानों के हितों और कृषि क्षेत्र की रक्षा के लिए राज्य स्तरीय बीज समिति की वर्तमान भूमिका और शक्तियों में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। हाइब्रिड धान के बीजों पर चिंताएं व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया, धान के कुछ हाइब्रिड बीजों में मिलिंग के दौरान दाना टूटने की उच्च दर देखी गई है और अनुशंसित किस्मों की तुलना में हेड राइस रिकवरी भी कम पाई गई है। **शेष पृष्ठ 3 पर**

आज होगा केरल के नए मुख्यमंत्री का एलान

●कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल में नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी सभी चर्चाएं और आंतरिक बैठकें पूरी कर ली हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने जानकारी दी कि इस मुद्दे पर अब अंतिम निर्णय कल घोषित किया जाएगा। जयराम रमेश ने कहा कि केरल कांग्रेस विधायक दल (CLP) के सदस्यों की मंजूरी के बाद पार्टी हाईकमान ने सभी जरूरी विचार-विमर्श पूरे कर लिए हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे की घोषणा कल सार्वजनिक रूप से की जाएगी। इसके साथ ही केरल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने की संभावना है।

सीएलपी की मंजूरी के बाद हाईकमान का फैसला

कांग्रेस नेतृत्व के अनुसार, केरल में मुख्यमंत्री के चयन को लेकर पार्टी के भीतर व्यापक चर्चा हुई है। अब यह निर्णय पूरी तरह अंतिम चरण में पहुंच चुका है। पार्टी का कहना है कि सभी संबंधित नेताओं से विचार-विमर्श के बाद एक नाम पर अंतिम सहमति बनाई गई है, जिसकी आधिकारिक घोषणा कल की जाएगी।

तीन दिग्गजों में है मुख्य मुकाबला

सीएम की रेस में तीन बड़े नाम सबसे आगे चल रहे हैं। इनमें रमेश चेन्निथला, वीडी सतीशन और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हैं। राहुल गांधी ने इन नामों पर राय जानने के लिए वीएम सुधीरण, एमएम हसन और के सुधाकरण जैसे आठ पूर्व अध्यक्षों से वन-टू-वन बात की है। मुल्लापल्ली रामचंद्रन से फोन पर चर्चा की गई।

प्रतीक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

शरीर पर मिले छह चोट के निशान, जो 5-7 दिन पुराने

एजेंसी

लखनऊ। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में प्रतीक यादव के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि कार्डिएक अरेस्ट से प्रतीक की मौत हुई है। विसरा रिपोर्ट के बाद और चीजें स्पष्ट होंगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक और सामने आई है। जो कई सवाल खड़े कर रही है। प्रतीक की बॉडी पर छह चोट के निशान मिले हैं, इनमें तीन चोट पांच से सात पुरानी है और तीन चोट एक दिन पुरानी है। हालांकि इनका उनकी मौत से कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है। लेकिन, ये चोट उनको कैसे लगी हैं, ये पता नहीं चल सका है।

हार्ट और फेफड़ों से मिले खून के थक्के

लखनऊ मेडिकल कॉलेज ने प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी की है। डॉक्टरों के मुताबिक, मौत की वजह पल्मोनरी एम्बोलिज्म है। फेफड़ों में बड़ी मात्रा में खून के थक्के जम गए थे। इसी वजह से हार्ट और फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे मौत हुई। हार्ट और फेफड़ों से मिले खून के थक्कों के नमूनों को आगे जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। शरीर के अंदरूनी अंगों को भी केमिकल जांच के लिए प्रीजर्व किया गया है। शरीर पर मिले सभी चोट के निशान मौत से पहले के बताए गए हैं। डॉक्टरों के अनुसार, पल्मोनरी थ्रोम्बोएम्बोलिज्म ऐसी गंभीर स्थिति है, जिसमें खून के थक्के फेफड़ों की नसों को ब्लॉक कर देते हैं। इससे सांस लेने और शरीर में खून का प्रवाह बुरी तरह प्रभावित होता है।

●दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम

राजधानी के कुछ हिस्सों में गिरे ओले, आंधी के साथ बारिश

●गर्मी से मिली निजात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में बुधवार देर को मौसम ने अचानक करवट ली। गुरुग्राम में दोपहर बाद तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। इससे दिनभर की भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को काफी राहत मिली। दिल्ली में भी देर शाम कुछ इलाकों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। मौसम में आए इस बदलाव से तापमान में थोड़ी गिरावट आई। लोगों ने उमस भरी गर्मी से निजात पाई। यह बारिश चिलचिलाती धूप के बाद सुकून लेकर आई। दिल्ली के लोगों को कई दिन से गर्मी का टॉर्चर झेलना पड़ रहा है। मौसम शुष्क बने रहने के चलते लगातार तापमान चढ़ रहा है। साथ ही, सूरज अपने कड़े तेवर दिखा रहा है। ऐसे में बुधवार को दिनभर तेज धूप के चलते लोगों को गर्मी का अहसास हुआ। इस दौरान लोग पसीने से तरबतर दिखाई दिए। सुबह से ही निकल रही तेज धूप ने लोगों को खासा परेशान किया हुआ था। साथ ही, गर्म हवाओं ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी थी। इस दौरान अधिकतम तापमान 39.2 और न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 70 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 39 प्रतिशत रही। शाम में अचानक मौसम बदला। देर शाम कुछ इलाकों में ओले गिरे। साथ ही आंधी के साथ बारिश हुई।

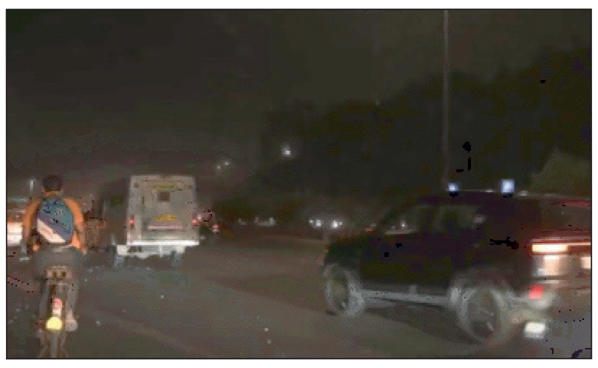

हरियाणा में विकास, सुशासन पर जनता ने लगाई मुहर: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा के नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर राज्य की जनता का आभार जताते हुए कहा कि इस परिणाम से विकास और सुशासन की नीतियों पर लोगों के अटूट विश्वास की पुष्टि हुई है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'हरियाणा के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार विजय के लिए राज्य के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार।' उन्होंने कहा कि इस जीत से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि जनता-जनार्दन का भाजपा-राजग सरकार द्वारा किए जा रहे विकास और सुशासन की नीतियों पर अटूट विश्वास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विजय राज्य की 'डबल इंजन सरकार' पर हरियाणा के लोगों के भरोसे का भी प्रतीक है। उन्होंने इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा की इस जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सभी कार्यकर्ताओं का वह हृदय से अभिनंदन करते हैं।

सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें सभी मंत्री: मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्यों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने शासन में मितव्ययिता, ऊर्जा संरक्षण और जनप्रेरक आचरण की नई कार्यसंस्कृति विकसित करने का संदेश दिया है। उन्होंने मंत्रीगणों से अपनी वाहन फ्लीट को 50 प्रतिशत तक कम करने का भी आह्वान किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने अगले छह माह तक प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर विदेश यात्राओं से परहेज करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद बुधवार को पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, अनुशासित और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन संरक्षण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेट्रोल और डीजल की खपत को न्यूनतम रखने संबंधी आह्वान का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल को स्वयं आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रीगण सप्ताह में एक निर्धारित दिन मेट्रो, बस, ई-रिक्शा, कारपूलिंग अथवा साइकिल जैसी सुविधाओं का उपयोग करें।

●अगले छह माह तक विदेश यात्राओं से परहेज करें मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी-प्रदेश में हर स्तर पर हाइब्रिड बैठकों, डिजिटल कार्यसंस्कृति और 'वर्क फ्रॉम होम' पर जोर-विस्तारित मंत्रिमंडल के साथ मुख्यमंत्री ने की पहली बैठक, नए मंत्रियों ने जताया आभार

श्रीनगर में लश्कर के दो मददगार गिरफ्तार, हथियार और धमकी भरे पोस्टर बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत श्रीनगर के बाबा डेम इलाके में लश्कर-ए-तैयबा के दो सक्रिय मददगारों को गिरफ्तार किया है। रूटीन नाका चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार इन संदिग्धों को रोककर जब तलाशी ली गई, तो उनके पास से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्तौल, तीन मैगजीन, 21 कारतूस, दो मोबाइल फोन और लश्कर-ए-तैयबा के 10 धमकी भरे पोस्टर जब्त किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान फैसल अहमद भट (निवासी मलपोरा हब्बाकदल) और फैसल अहमद गुरू (निवासी राजोरी कदल) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी क्षेत्र में लश्कर के आतंकियों के लिए काम कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घाटी में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पिछले 25 दिनों में कश्मीर के विभिन्न इलाकों से अब तक 16 आतंकी मददगारों को दबोचा जा चुका है। इससे पहले 18 अप्रैल को हवल में चार, 23 अप्रैल को एक महिला समेत चार, और फिर 26 अप्रैल व 2 मई को भी गिरफ्तारियां की गई थीं। सुरक्षाबलों का कहना है कि आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पंजाब के पर्यटकों ने कुल्लू में तलवारों से किया हमला, स्थानीय लोग घायल

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार में पंजाब से आए पर्यटकों द्वारा कथित तौर पर तलवारें लहराने और लोगों पर हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में दो स्थानीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें से एक का हाथ और दूसरे का गाल तलवार से कट गया। वारदात के बाद इलाके में तनाव फैल गया और पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। यह वारदात 10 मई की शाम को तब हुई जब पंजाब के लुधियाना जिले के खन्ना क्षेत्र से आए चार पर्यटक, मंदीप सिंह, प्रदीप सिंह, जश्नप्रीत और प्रीतपाल की गाड़ी से एक व्यक्ति को टक्कर लग गई। इस मामूली बात पर शुरू हुई कहासुनी जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई, जब पर्यटकों ने अपनी गाड़ी से तलवारें निकालकर लोगों पर हमला किया। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि ये पर्यटक चिट्टे (नशीले पदार्थ) के नशे में थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों आरोपियों को हिरासत में लिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाकर थाने का घेराव किया। उनका कहना था कि पुलिस ने पांच लाख रुपये की रिश्वत लेकर आरोपियों को छोड़ने का प्रयास किया, उनका मेडिकल नहीं करवाया, और नशे में धुत होने के बावजूद उन्हें वीआईपी ट्रीटमेंट दिया था। स्थानीय लोग 11 मई की अलसुबह 4 बजे तक थाने में डटे रहे और पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी तीखी बहस जारी रही।

भारत की वैक्सीन मैत्री ने 42 अफ्रीकी देशों तक पहुंचाई कोविड वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड-19 महामारी के सबसे कठिन दौर में भारत ने अपनी वैक्सीन मैत्री पहल के तहत 42 अफ्रीकी देशों को 4 करोड़ से अधिक मेड-इन-इंडिया वैक्सीन खुराकें प्रदान कर वैश्विक एकजुटता का एक उदाहरण पेश किया। इंडियन डिप्लोमेसी के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई पोस्ट में इस मानवीय प्रयास को वसुधैव कुटुंबकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) की भावना का प्रतीक बताया है। साल 2020 में जब पूरी दुनिया वैक्सीन की भारी कमी से जूझ रही थी, तब भारत ने सबसे पहले मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इस पहल ने न केवल भारत की वैश्विक जिम्मेदारी को दर्शाया, बल्कि मानवता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाया। बोत्सवाना, केन्या, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, मिस्र, नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, इथियोपिया, जिम्बाब्वे जैसे देश उन 42 अफ्रीकी राष्ट्रों में शामिल थे, जिन्हें ये जीवनरक्षक खुराकें मिलीं। इस दौरान भारत ने केवल अपने नागरिकों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया, बल्कि अन्य देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी। यह कदम भारत और अफ्रीका के बीच के गहरे और भरोसेमंद संबंधों को भी मजबूत करता है, जो केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्व और विनम्रता व्यक्त कर कहा था कि भारत में बनी वैक्सीन दुनिया भर के देशों तक पहुंच रही है, और इसका उद्देश्य सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि मानवता की मदद करना है।

हिमाचल गवर्नर का ईंधन बचत पर बड़ा फैसला : काफिला आधा, हेलीकॉप्टर का त्याग

शिमला (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की अपील पर अमल करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने अपने आधिकारिक काफिले को तत्काल प्रभाव से कम करने और सरकारी कार्यक्रमों के लिए हेलीकॉप्टर का उपयोग न करने की घोषणा की है। बात दें कि बढ़ती वैश्विक ऊर्जा चुनौतियों के मद्देनजर, राज्यपाल ने हिमाचल को ईंधन बचत की दिशा में एक मॉडल राज्य बनाने का संकल्प लिया है। उनकी घोषणा के बाद अब सबकी निगाहें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर टिकी हैं, जिन्होंने अभी तक ऐसी कोई घोषणा नहीं की है।

इस पहल के तहत, राज्यपाल ने लोक भवन को फ्यूल कंजर्वेशन जोन के रूप में संचालित करने की बात कही है, जहां हर रविवार को पेट्रोल-फ्री संडे मनाया जाएगा। इसका अर्थ है कि रविवार को किसी भी सरकारी वाहन में आयातित ईंधन का उपयोग नहीं होगा, और सभी सरकारी कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या संयुक्त यात्रा व्यवस्था के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने गैर-जरूरी बैठकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित करने के निर्देश दिए हैं ताकि अनावश्यक सड़क यात्रा और ईंधन खर्च को कम किया जा सके। सरकारी कार्यक्रमों और आयोजनों को भी समेकित किया जाएगा, जिससे वाहनों की आवाजाही कम हो। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होने के नाते, राज्यपाल ने कुलपतियों से भी कैंपस में ईंधन और ऊर्जा संरक्षण को संस्थागत रूप से लागू करने की अपील की है। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों को कारपूलिंग, साइकिल चलाने और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश देने को कहा।

ममता ने कहा- अकेले आए थे, अकेले ही जाना है

-हार के बाद टीएमसी प्रमुख ने कविता के जरिए दिया संदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के साथ ही राज्य में ममता बनर्जी का 15 साल पुराना शासन समाप्त हो गया है। तृणमूल कांग्रेस की इस बड़ी हार और सत्ता गंवाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब एक अलग ही भावनात्मक और कूटनीतिक अंदाज में नजर आ रही हैं। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी लिखी एक कविता साझा की है, जिसका शीर्षक है ब्रेव यानी बहादुर। इस कविता के माध्यम से उन्होंने न केवल हार से निराश कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश की है, बल्कि जीवन के शाश्वत सत्य का भी उल्लेख किया है।

ममता बनर्जी ने अपनी कविता में संदेश दिया है कि असली ताकत इंसान के भीतर होती है। उन्होंने लिखा, बहादुर और मजबूत बनो। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो दुनिया की कोई ताकत आपको छू नहीं सकती। आपकी ताकत आपके भीतर है, इसे गरिमा के साथ बनाए रखें। कायर हमेशा कायर ही रहेंगे, लेकिन मजबूत लोग हमेशा टिके रहते हैं। कार्यकर्ताओं को जीवन का दर्शन समझाते हुए उन्होंने आगे लिखा कि मनुष्य इस दुनिया में अकेले आता है और उसे अकेले ही जाना पड़ता है, केवल उसके अच्छे कर्म ही जीवित रहते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बुराई अधिक समय तक नहीं टिक सकती और अंत में जीत अच्छाई की ही होगी।

गौरतलब है कि इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 293 सीटों में से केवल 80 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा ने 207 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। इस करारी हार के बाद तृणमूल खेमे में भारी असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी के कई दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कई नेताओं ने नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिसके जवाब में पार्टी ने कोहिनूर मजूमदार और रिजु दत्ता सहित कई प्रवक्ताओं को छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। ऐसे कठिन समय में ममता बनर्जी की यह कविता बिखरी हुई पार्टी को एकजुट रखने और समर्थकों में नई ऊर्जा फूंकने का एक कूटनीतिक प्रयास मानी जा रही है। राज्य में अब सत्ता परिवर्तन हो चुका है और भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर नई सरकार की कमान संभाल ली है।

सोनिया गांधी रूटीन चेकअप के बाद घर लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को रूटीन चेकअप के लिए गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि जांच के बाद वह घर लौट आई हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी को मंगलवार रात करीब 10:30 बजे मेदांता इंस्टीट्यूट ऑफ डाइजेस्टिव एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इससे पहले 24 मार्च को बुखार और संक्रमण के कारण उन्हें दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहां वह 7 दिन तक डॉक्टरों की निगरानी में रही थीं। राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को जनवरी से अब तक तीसरी बार भर्ती होना पड़ा है। इससे पहले मार्च में उन्हें सर गंगाराम अस्पताल ले जाया गया था। पेट में इंफेक्शन से जुड़ी समस्या बताई थी, जिसके इलाज के लिए वह वहां पहुंची थीं। वहीं जनवरी में उन्हें सांस लेने में समस्या हुई थी। यह भी कहा गया था कि दिल्ली में बढ़े हुए प्रदूषण और सर्दी के चलते भी उन्हें यह परेशानी हुई है। जून 2025 में भी सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया था। तब उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की समस्या बताई थी। बता दें बीते कुछ सालों से सोनिया गांधी का स्वास्थ्य थोड़ा खराब रहा है। माना जाता है कि इसके चलते उन्होंने कांग्रेस में अपनी सक्रियता भी पहले के मुकाबले कम कर दी है। यही नहीं राजनीतिक बैठकों, रैलियों आदि में भी वह पहले के मुकाबले कम ही दिखाई देती हैं। अभी 5 राज्यों के चुनाव प्रचार में भी उनकी सक्रियता नहीं नजर आई। प्रचार की पूरी कमान राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे नेताओं ने ही संभाल रखी थी।

भाई की मौत से दुखी अखिलेश ने कहा- कानून और परिवार जो तय करेगा, वही मानेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। इस दुखद खबर से यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रतीक यादव के निधन के बाद अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे, जहां वह काफी देर तक मौजूद रहे। बाहर निकलने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में गहरा दुख व्यक्त किया। मौत के कारणों को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा प्रमुख ने संयमित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि परिवार और कानून जो तय करेगा, वही स्वीकार किया जाएगा। अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा, कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे, हम उसी बात को मानेंगे। हम पूरी तरह कानूनी रास्ता अपनाएंगे।

अखिलेश यादव ने बताया कि करीब दो महीने पहले हमारी मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे कहा था कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अपने कारोबार को आगे बढ़ाएं। कई बार कारोबार में नुकसान होने पर व्यक्ति अंदर से टूट जाता है। उन्होंने अपने छोटे भाई को याद करते हुए कहा, मैंने प्रतीक को बचपन से देखा है। यह बेहद दुखद है कि वह आज हमारे बीच नहीं हैं। वह जीवन में आगे बढ़कर काम करना चाहते थे। उनके जाने से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। उधर, सैफई स्थित यादव परिवार के पैतृक आवास के बाहर भी सन्नाटा पसरा हुआ है, क्योंकि परिवार के अधिकांश सदस्य लखनऊ रवाना हो गए हैं। इटावा और सैफई क्षेत्र में भी इस दुखद घटना के बाद शोक का माहौल देखा जा रहा है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान भी प्रतीक यादव के आवास पर पहुंचीं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही दुखद घटना हैज ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। भगवान परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। ज्ञात हो कि प्रतीक यादव, समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति थे। उनका पार्थिव शरीर पोस्टमॉर्टम के लिए लखनऊ स्थित केजीएमयू लाया गया है।

सीबीआई डायरेक्टर चयन पर राहुल गांधी की असहमति

बोले- विपक्ष का नेता 'रबर स्टैंप' नहीं, चयन प्रक्रिया को बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए सीबीआई डायरेक्टर के चयन को लेकर अपनी असहमति जताई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया को महज औपचारिकता बनाकर रख दिया गया है और विपक्ष की भूमिका को नजरअंदाज किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और राहुल गांधी शामिल हुए। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पत्र साझा करते हुए चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीआई डायरेक्टर के चयन के लिए सरकार की ओर से 69 उम्मीदवारों की सूची दी गई, लेकिन उनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों की सेल्फ असेसमेंट रिपोर्ट और 360-डिग्री मूल्यांकन रिपोर्ट देने से साफ इनकार कर दिया गया।

राहुल ने अपने पत्र में लिखा कि विपक्ष के नेता को चयन समिति में इसलिए शामिल किया जाता है ताकि संस्थाओं पर किसी एक पक्ष का नियंत्रण न हो और प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक दस्तावेज और मूल्यांकन रिपोर्ट ही साझा नहीं की जाएंगी, तो विपक्ष की भूमिका केवल ÷रबर स्टैंप÷ बनकर रह जाएगी।

उन्होंने केंद्र सरकार पर सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए किया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि बिना किसी कानूनी आधार के जानकारी देने से इनकार करना चयन प्रक्रिया का मजाक उड़ाने जैसा है और इससे यह संदेश जाता है कि सरकार पहले से तय उम्मीदवार को ही चुनना चाहती है। राहुल गांधी ने यह भी बताया कि उन्होंने इससे पहले 5 मई 2025 और 21 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के सुझाव दिए थे, लेकिन अब तक उन पत्रों का कोई जवाब नहीं मिला।

गौरतलब है कि वर्तमान सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है। ऐसे में नए निदेशक के चयन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, सीबीआई निदेशक के चयन की प्रक्रिया में प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। समिति द्वारा नाम तय किए जाने के बाद गृह मंत्रालय की सिफारिश पर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) नियुक्ति का औपचारिक आदेश जारी करता है।

क्लीन पॉलिटिक्स करने वाले अब डर्टी पॉलिटिक्स करने पर उतारु : स्टालिन

-देखना होगा कि अन्नाद्रमुक के विधायकों को क्या मिलता है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में विश्वास मत के बाद नया सियासी घमासान छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार पर गंदी राजनीति (डर्टी पॉलिटिक्स) करने का गंभीर आरोप लगा दिया है। डीएमके नेता स्टालिन ने कहा कि डीएमके ने पहले ही यह रुख अपना लिया था कि वह टीवीके सरकार के गठन या उसके बने रहने में कोई बाधा नहीं डालेगी। इसी के तहत डीएमके विधायकों ने विश्वास मत का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट कर गए। स्टालिन ने बताया कि विधानसभा में उनके गठबंधन सहयोगियों प्रेमलता विजयकांत, प्रोफेसर जवाहरुल्लाह, थमिमुन अंसारी और नित्यानंदन ने भी सदन से वॉकआउट कर उनका साथ दिया। वहीं, सीपीआई, सीपीआई (एम), आईयूएमएल और वीसीके जैसे सहयोगी दलों ने राष्ट्रपति शासन की संभावना को रोकने के लिए सरकार के पक्ष में मतदान किया, जिसके लिए स्टालिन ने दोनों निर्णयों का सम्मान व्यक्त किया। हालांकि, स्टालिन ने आरोप लगाया कि अब टीवीके सरकार उन लोगों का भरोसा तोड़ रही है, जिन्होंने सरकार बनने की मदद की।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में सत्ताधारी दल की गतिविधियों और सहयोगी दलों के बयानों से साफ हो गया है कि सरकार स्वच्छ राजनीति के अपने वादे से भटक चुकी है। डीएमके प्रमुख ने टीवीके पर अन्नाद्रमुक के अंदरूनी विवाद का फायदा उठाकर उसके विधायकों को अपने पक्ष में करने का आरोप लगाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग क्लीन पॉलिटिक्स का नारा देकर सत्ता में आए थे, वे अब डर्टी पॉलिटिक्स में शामिल हुए हैं।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय को संबोधित कर कहा कि तमिलनाडु की जनता सरकार की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है और यह भी देख रही है कि अन्नाद्रमुक से जुड़े विधायकों को किस तरह का रिटर्न गिफ्ट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएमके अपनी विचारधारा से पीछे नहीं हटेगी और राज्य में एक मजबूत व रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाती रहेगी। उनके इस बयान के बाद तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है।

अधिकारी किसानों के लिए सेना की तरह काम करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

-सोरेन सरकार की कृषि मंत्री ने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने के दिए निर्देश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में सोरेन सरकार की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के उत्थान के प्रति गंभीर है और इस दिशा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हित के लिए जो काम करेंगे, उनको सम्मान दिया जाएगा और जो लापरवाही करेंगे उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री तिर्की मंगलवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कर्मशाला 2026 के दूसरे दिन कर्मशाला में कृषि प्रभाग के निदेशकों की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून में कम बारिश के आसार है जिस कारण सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में राज्य सरकार पहले से ही तैयारी कर किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। सुखाड़ की आशंका को देखते हुए सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों को अपने अपने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए समय अहम होता है। उसे यदि सही समय पर बीज न मिले, सिंचाई की सुविधा न मिले तो सारी मेहनत बेकार है।

उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग एक सेना के रूप में किसानों के लिए काम करेंगे। जिला में नोडल पदाधिकारी जिला कृषि पदाधिकारी रहेंगे और कृषि प्रभाग से जुड़े सभी पदाधिकारी मिलकर एक्शन मोड पर काम करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि 15 मई को जिला स्तरीय बैठक बुलाए, जिसमें प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इसकी रिपोर्ट राज्य के नोडल पदाधिकारी को भेजेंगे। 20 मई को हर जिला में खरीफ मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 500 प्रगतिशील किसान भाग लेंगे। इसमें हर प्रखंड से भागीदारी हो इसे तय करेंगे।

मेला में मृदा जांच काउंटर भी उपलब्ध कराएंगे। कर्मशाला में जो बातें आपने सीखी है उसे सरल तरीके से किसानों को समझाना होगा। कृषि विभाग से क्या मदद मिल सकती है उसकी जानकारी भी दें। 22 मई को प्रखंड स्तर भी खरीफ मेला का आयोजन करें और पंचायत स्तर भागीदारी तय करें। हर पंचायत से 50-50 प्रगतिशील किसानों की भागीदारी तय करें। बीज का वितरण एसएचजी और एफपीओ के जरिए हो इसे भी तय करेंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि यह तय किया जाए कि पशुओं के दवाई का वितरण समय पर होने के लिए निविदा समय पर निकाली जाए। मई अंत तक तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य समाप्त हो जाना चाहिए। किसान आय के अन्य उपायों को भी अपनाने पर जोर दें, इसके लिए उन्हें प्रेरित करना होगा। जिला कृषि पदाधिकारी को अपने जिले की कृषि से संबंधित सभी जानकारी रखनी होगी।

पाकिस्तान से बातचीत होते रहना चाहिए : संघ

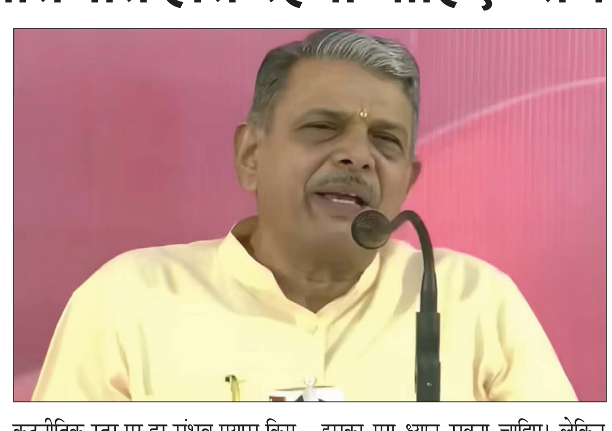

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत और पाकिस्तान के बीच जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए नागरिक समाज की भूमिका और आपसी संवाद पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम लोगों के बीच आपसी संपर्क है और बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए।

होसबाले ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का विश्वास पूरी तरह खो दिया है। ऐसी स्थिति में अब समय आ गया है कि दोनों देशों का नागरिक समाज, शिक्षाविद, खिलाड़ी, वैज्ञानिक और सामुदायिक नेता आगे आएं और नेतृत्व करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अंततः नागरिक समाज के रिश्ते ही काम आएंगे क्योंकि दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं और हम कभी एक ही राष्ट्र रहे हैं।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने 26/11, पुलवामा और पहलगाम जैसे हमलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक स्तर पर हर संभव प्रयास किए जा चुके हैं, लेकिन पाकिस्तान की ओर से उकसावे वाली हरकतें जारी रहती हैं। इसके बावजूद, उन्होंने सुझाव दिया कि व्यापार, वाणिज्य और वीजा जारी करने जैसी प्रक्रियाएं बंद नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, कूटनीतिक संबंधों को बनाए रखने का उद्देश्य यही है कि संवाद के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहे। उन्होंने सरकार को सलाह देते हुए कहा कि किसी भी देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा करना सर्वोपरि है और मौजूदा सरकार को इसका पूरा ध्यान रखना चाहिए। लेकिन सुरक्षा चिंताओं के साथ-साथ ट्रैक टू कूटनीति और जन-संपर्क को और अधिक आजमाया जाना चाहिए। उन्होंने माना कि राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व में भारत के प्रति नकारात्मकता हो सकती है, लेकिन सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर जुड़ाव ही भविष्य की उम्मीद है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पारंपरिक राजनयिक माध्यमों पर काफी समय से चुप्पी छाई हुई है और नागरिक समाज की भागीदारी को लेकर नई बहस शुरू हो गई है।

सोने के बहाने डॉलर की अकड़ कम करना हो सकता है पीएम का दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौक-चौराहों से लेकर सोशल मीडिया तक, इन दिनों हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से सोना खरीदने और विदेश घूमने से मना क्यों किया? दरअसल, मौजूदा समय में पश्चिम-एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 75 डॉलर से उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 85प्रतिशत से ज्यादा तेल आयात करता है और इसका भुगतान डॉलर में करना पड़ता है, इसलिए तेल खरीदना अब देश के लिए बहुत महंगा सौदा साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री जानते हैं कि तेल अनिवार्य है क्योंकि ट्रक चलेंगे तभी अनाज पहुंचेगा और फैक्ट्रियां चलेंगी तभी अर्थव्यवस्था की पहिया घूमेगा। इसलिए उन्होंने उन चीजों पर कटौती की अपील की है जिन्हें टाला जा सकता है, जैसे सोना और पर्यटन।

प्रधानमंत्री ने लगातार दो दिनों तक जनता से अगले एक साल के लिए सोने से दूरी बनाने, पेट्रोल-डीजल और खाद्य तेल की खपत कम करने के साथ-साथ विदेश यात्राओं को फिलहाल टालने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री के इस बयान के अब गहरे आर्थिक और रणनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। असल में, यह पूरी कवायद भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की गिरती कीमत को संभालने की एक बड़ी कोशिश है।

भारत में सोने का मोह जगजाहिर है। आंकड़ों के अनुसार, वित्त-वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने करीब 6,11,830 करोड़ रुपये का 721 टन से अधिक सोना आयात किया। औसतन भारत हर घंटे 82 किलो सोना विदेशों से खरीदता है। जब हम इतनी भारी मात्रा में सोना या अन्य विलासिता की चीजें खरीदते हैं, तो बाजार में डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। वर्तमान में रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर चुका है। यदि यह गिरावट जारी रही, तो डॉलर 100 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे देश में भीषण महंगाई का खतरा पैदा हो जाएगा। प्रधानमंत्री की यह अपील करेंट अकाउंट डेफिसिट को काबू में रखने और डॉलर पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए है। वर्क-फ्रॉम-होम और कारपूलिंग जैसी सलाहों के पीछे का मकसद भी यही है कि इंटरनेट का उपयोग कर पेट्रोल-डीजल की खपत घटाई जाए, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। सरल शब्दों में कहें, तो सरकार चाहती है कि वैश्विक बाजार के उतार-चढ़ाव का असर मध्यम वर्ग की थाली पर न पड़े और भारतीय अर्थव्यवस्था बाहरी झटकों के बावजूद आत्मनिर्भर और मजबूत बनी रहे।

दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री मान को दिया भरोसा

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऐसी उपज भारतीय खाद्य निगम द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है, जिसके कारण खरीद के दौरान किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आगामी खरीफ सीजन-2026 के मद्देनजर, पंजाब में इन हाइब्रिड धान के बीजों में से कुछ बीजों का नोटिफिकेशन रद्द करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि किसान समुदाय के व्यापक हित में सुचारू खरीद और उठान कार्यों को सुनिश्चित किया जा सके। पंजाब द्वारा उठाए गए मुद्दों के जवाब में, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिया कि हाइब्रिड धान के बीजों के मुद्दे की जांच करने और राज्य में सुचारू खरीद कार्यों को सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष समिति बनाई जाएगी। एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, गेहूं के उत्पादन को बनाए रखने के लिए सालाना लगभग 33 प्रतिशत गेहूं के बीज को बदलने की आवश्यकता होती है। पंजाब में कृषि उत्पादकता को बेहतर बनाने के लिए बीज बदलने की दर को बढ़ाना समय की आवश्यकता है। केंद्र से सहायता की मांग करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शिवराज सिंह चौहान से कृषि उन्नति योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्य योजना के लिए गेहूं बीज सब्सिडी की स्वीकृति और वितरण का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा, कृषि क्षेत्र के व्यापक विकास और किसानों के कल्याण के लिए ऐसा करना अत्यंत आवश्यक है। यह वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में मदद करेगा, जिससे उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से पंजाब में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण सहयोग की मांग की, ताकि किसानों को धीरे-धीरे गेहूं-धान के चक्र से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने आगे कहा, विविधीकरण न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने बल्कि पंजाब में तेजी से घट रहे भूजल भंडारों को बचाने के लिए भी आवश्यक है। भूजल की चिंताजनक स्थिति पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब के कुल 150 ब्लॉकों में से 117 ब्लॉकों में भूजल स्तर पहले ही डार्क जोन में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने केंद्र सरकार से वैकल्पिक फसलों पर भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की अपील की, ताकि किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, किसानों के लिए बेहतर आय सुनिश्चित की जा सके और राज्य के जल संसाधनों का संरक्षण किया जा सके।

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एसएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और उसे समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छोड़ेगा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जोड़ती रही। करीब 7:13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढस बंधाया।

बच्चे की चाह में दंपती ने कर लिया आठ माह के मासूम को अगवा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में बच्चे की चाह में एक दंपती ने आठ माह के मासूम को अगवा कर लिया। आरोपी दंपती बच्चा लेकर गायब हो गए। शिकायत मिलते ही पुलिस ने कई टीमों का गठन किया और दो दिन के भीतर मासूम को रूप नगर इलाके से ढूंढ निकाला। मासूम को सकुशल बरामद कर लिया गया। मामले में पुलिस ने दंपती को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान अनीता (30) और इसके पति पवन (31) के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया है कि शादी के तीन साल बाद जब इनके यहां बच्चा नहीं हुआ तो इन लोगों ने बच्चे की चाह में मासूम को अगवा कर लिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि 9 मार्च को खजूरी खास थाने में 45 साल की महिला ने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि वह खजूरी खास फ्लाईओवर के नीचे रहती है। शाम करीब साढ़े चार बजे करीब 35 साल की एक अज्ञात महिला खाने का लालच देकर उसके 8 माह के बेटे को अपने साथ ले गई और मौके से फरार हो गई। फौरन मामला दर्ज कर तीन टीमों का गठन किया गया। टीम ने मौके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके अलावा पीड़ित महिला से बातचीत की गई। उसने बताया कि आरोपी महिला पिछले तीन-चार दिनों से उसके पास आ रही थी। वह कभी बच्चे को चॉकलेट देती तो कभी कुछ खाने-पीने को दे रही थी। 9 मार्च को महिला आई और जन्मदिन का केक देने के बहाने वह बच्चे को अगवा कर साथ ले गई। सीसीटीवी और टेक्निकल सर्विलांस के अलावा लोकल इंटेलिजेंस की मदद ली गई। इसके बाद टीम आरोपी महिला की तलाश करते हुए रूप नगर पहुंच गई। वहां एक कोठी से महिला को हिरासत में ले लिया। उसके पास से मासूम सकुशल बरामद हो गया। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसका पति पवन कोठी में चौकीदार का काम करता है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नामऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

NAME CHANGE
I, Pankaj Kumar S/o Jagdish Kumar residing at House No. 9 and 12, First Floor, Kh. No. 45/2 and 45/12, Teacher Vihar, Nilothi Extn, Nangloi, West Delhi-110041, have changed my name to Pankaj Kumar Dhalore for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Pankaj Dhalore S/o Jagdish Kumar residing at House No. 9 and 12, First Floor, Kh. No. 45/2 and 45/12, Teacher Vihar, Nilothi Extn, Nangloi, West Delhi-110041, have changed my name to Pankaj Kumar Dhalore for all future purpose.

NAME CHANGE
I Neelam w/o Anil Jain R/ o House No. 59, Third floor, Pocket H-34, Near Decent public School, Rohini Sector 3, North West Delhi, 110085, have changed my name to Neelam Jain for all future purpose

सार्वजनिक सूचना
श्रीमती सुमन कंवर ने मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से 162 वर्ग गज (32.5 फीट × 45 फीट) क्षेत्रफल वाले मकान के लिए ऋण लिया था, जिसका आवरण क्षेत्रफल 500 वर्ग फीट है, जो खेवट/खाता संख्या 404/472, खसरा संख्या 716 (5-15) और खसरा संख्या 717/2 (4-4) में स्थित है, जो बसई गांव के राजस्व क्षेत्र में, बसई एन्क्लेव नामक आवासीय कॉलोनी, तहसील कादीपुर, जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है; जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा जाएगा; श्रीमती सुमन कंवर ने हमें बताया है कि उन्होंने निम्नलिखित दस्तावेज खो दिया है या गुम कर दिया है, अर्थात् विक्रय विलेख वासिका संख्या 16435 दिनांक 03.03.2025 जो श्रीमती सुमन कंवर के पक्ष में एलआर संख्या के माध्यम से जारी किया गया था। 132271012600318 कहीं पर है, जिसका पता नहीं लगाया जा सकता है या जिसे खोजा नहीं जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।
मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 09991119392

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Fareed S/O Raisuddeen R/O A-475, BLOCK-A, MEER VIHAR, Madan Pur Dabas, PO: Rani Khera, DIST: North West Delhi, Delhi-110081, declare that name of my father has been wrongly written Rahisuddin in my all educational documents and OBC certificate no 90500000570105.The actual name of my father is RAISUDDEEN, respectively which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राजेश कुमार भल्ला, जो कि संपत्ति एम.सी. नं. B-994, पुराना प्लॉट नं. 63, शास्त्री नगर, दिल्ली-110052 की सम्पूर्ण द्वितीय मंजिल (बिना छत के अधिकार सहित) के मालिक हैं, उक्त स्वामित्व उनके पक्ष में दिनांक 05.06.2018 के पंजीकृत विभाजन विलेख (Partition Deed) द्वारा हस्तांतरित हुआ था, जो दस्तावेज संख्या 6279, पुस्तक-ढ्ढ, वॉल्यूम नं. 7114, पृष्ठ 24-31, एस.आर.ओ.-ढ्ढ, दिल्ली में पंजीकृत है। तथा पूर्व स्वामित्व दिनांक 05.07.2017 के परित्याग विलेख (Relinquishment Deed) द्वारा प्राप्त हुआ था, जो दस्तावेज संख्या 5077, पुस्तक नं. 1, वॉल्यूम नं. 6666, पृष्ठ 159-162, एस.आर.ओ.-I, दिल्ली में विधिवत पंजीकृत है। उक्त संपत्ति के स्वामित्व दस्तावेजों की श्रृंखला (Property Chain) में "Surviving Member Certificate" विक्रेता के पास उपलब्ध नहीं है तथा उक्त संपत्ति इच्छुक उधारकर्ता (Intending Borrower) को बेची जानी प्रस्तावित है। वर्तमान में उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का दावा, अधिकार, बंधक, चार्ज, स्वामित्व, तृतीय पक्ष हित अथवा कोई विवाद हो, तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 14 दिनों के भीतर उचित प्रमाण सहित अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करें। अन्यथा यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति या दावा नहीं है। साथ ही यह भी अवगत कराया जाता है कि बंधक संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की चूक (Default) होने की स्थिति में सभी उधारकर्ता/मालिक स्वयं उत्तरदायी होंगे।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I,TEJENDER PAL SINGH S/o DAMODAR SINGH R/o. B-68/B, GULAB BAGH, NAWADA, NEAR NAWADA METRO STATION, UTTAM NAGAR, DELHI-110059 have changed my name to TEJENDER PAL SINGH SAHNI.

NAME CHANGE
I, PANDAV AMRAPALI NITEEN wife of No-15747881N, Rank- SIGMN, Name-PANDAV NITEEN TRAMBAK Residing at VILL-MANGRUL PR KHERDA, PO-ISRUL, DIST-BULDHANA, MAHARASHTRA-443201, have changed my name from PANDAV AMRAPALI NITEEN to AMRAPALI NITEEN PANDAV for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/07/1994 instead of my correct date of birth as 01/01/1995 Vide Affidavit dated 13/05/2026 before before Notary Public Delh.

NAME CHANGE
I, DEEPANSHU S/O VINOD KUMAR R/O FLAT NO-987,1ST FLOOR, POCKET-3, SECTOR-19, DWARKA, DELHI-110075, HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPANSHU KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Ayush, S/o Rinku, resident of Full Address Block H79 Palam colony Raj Nagar part 2 hereby declare that my name has been incorrectly recorded as Dhola in my Aadhaar card. I further state that my father's name has been incorrectly recorded as Khan instead of Rinku. Therefore, I declare that my correct name is Ayush and my father's name is Rinku for all future purposes. Vide Affidavit IN-DL-75164205447891Y Date 18/03/2026 Before Notary Public Delhi

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Mohit Babbar S/o Mr. Subhash Babbar is the owner and in possession of a Freehold Residential Category LIG Flat No. 71, on First Floor, without roof rights, area measuring 40 Sq. Meters, in Block No. A, Pocket No. 6, Sector 17, situated at Rohini, Delhi- 110089 by virtue of Relinquishment Deed dated 26.12.2019 as Doc. No. 13748, in Book No. 1, Vol. No. 8846, on page No. 119-122, on this dated 26.12.2019, SR- VI Delhi. In the chain of documents, the (1) Death Certificate & SMC of Late Mr. Rakesh Sharma died on 07.08.2015 (2) Death Certificate & SMC of late Mrs. Kiran Babbar died on 01.02.2019 are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold too be Mrs. Seema and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Rohini New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Sarita Kumari, W/O Antim Kumar, R/O RZ-786/B, Gali No-6, Divya Prasta Hospital, Raj Nagar, Part-1, Palam Village, South West Delhi, Delhi- 110045 has changed my name to Sarita Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I sunita W/o Amar Singh Solanki R/o U1,204 Kingsbury TDI City Rasoi (42) Sonipat, Haryana - 131029 have changed my name to Sunita Solanki

NAME CHANGE
I, MANVI SINGH CHAUHAN D/O AMAN SINGH CHAUHAN R/O G-307,HCBS SPORTS VILLE APARTMENT SOHNA, SECTOR-2 AND 35, GHAMROJ(179), GURGAON, HARYANA-122102, HAVE CHANGED MY NAME TO MANVI SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, AMZAD KHAN S/o Md Majid Hussain R/o 2795, Gali No.6, Chandrapuri, Kailash Nagar, Gandhi Nagar, Shahdara, Delhi-110031, have changed my name to AMJAD HUSSAIN permanently

NAME CHANGE
I, PRABHAT S/o ANIL KUMAR R/o. H NO-73, BLOCK G PKT 26, OPP TO BHATIA ELECTRICIAN, SEC-3, PO- ROHINI SEC-7, DELHI-110085. have changed my name to PRABHAT KUMAR.

NAME CHANGE
I, HARI OM S/o KRISHAN CHAND R/o. 151, KHASRA NO-105, CHATTARPUR PHADI, GALI NO-4, 60 FEET ROAD, DELHI-110074 have changed my name to HARI OM SHARMA.

NAME CHANGE
I, DIMPAL W/o HARI OM SHARMA R/o. 151, KHASRA NO-105, CHATTARPUR PHADI, GALI NO-4, 60 FEET ROAD, DELHI-110074 have changed my name to KUMARI DIMPLE.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री चिराग पुत्र श्री भारत भूषण, कॉलोनी लाल डोरा किला मोहल्ला, ग्राम बहादुरगढ़, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा स्थित, क्षेत्रफल 72 वर्ग गज, प्रॉपर्टी आई.डी. नं. 3BBMBzB2 वाले फ्रीहोल्ड आवासीय मकान को श्रीमती रेनुका से क्रय करना चाहते हैं। श्रीमती रेनुका ने उक्त संपत्ति को श्रीमती रीता देवी से विक्रय विलेख दिनांक 22.04.2026 के माध्यम से खरीदा था, जो दस्तावेज संख्या 486 के रूप में पंजीकृत है। उन्होंने हमें सूचित किया है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख, दस्तावेज संख्या 3604, पुस्तक संख्या-I, पंजीकरण दिनांक 27.06.2011, खो गया/गुम हो गया है। उक्त दस्तावेज को खोजने के पर्याप्त प्रयास किए गए, किन्तु वह उपलब्ध नहीं हो सका। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. (LR No- 300906/2026) दिनांक 13.05.2026 दर्ज कराई गई है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण हीरो हाउसिंग फाइनेंस, बहादुरगढ़ शाखा, हरियाणा द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, Naresh Kumar S/o Sh. Shiv Karan Jangir R/o A-62, Near Shesh Nag Mandir, Badli Extention North West Delhi-110042. Have changed my name to Naresh Kumar Jangir for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHARMISTHA MONDAL, w/o Ganesh Mandal residing at A 67 Teacher colony, samaypur , Delhi - 110042, have changed my name to SHARMISTHA MANDAL for all future purpose

PUBLIC NOTICE
This is for the information of general public that my client Mr. Naresh kumar, S/o Mr. Horam Singh, R/o A-1/109, Street No. 1, East Gokalpur, Shahdara, North East New Delhi-110094, do hereby disown their son namely Rahul Kumar and his wife namely Manju from all their moveable and immovable properties and severe their relations and connections with their Son & Daughter-in-law and arnybody dealing with them shall be doing so at his/her/their own cost & risk and my said clients shall not be responsible for the same.
JYOTI SHARMA ADVOCATE
Lawyers Chamber Block, Saket
Court Complex,
New Delhi-110017

NAME CHANGE
It is for general information that I RINKI NAYAK W/o DINESH KUMAR Permanent R/o , Ladhauli Bhaiyan, Iglas, Aligarh, Uttar Pradesh - 202124 , Presently Residing at House No. 234, 2nd Floor, Pocket – 1, Sector-25, Rohini, PO Rohini, Sector – 7, Dist North West Delhi, Delhi - 110085 declare that the name of mine has been wrongly written as KM RINKI NAYAK in my Aadhar Card No. 5510 6706 7863 and in my 10th Class Educational Documents and name of mine has been wrongly written as KM PINKI NAYAK in my 12th Class Educational Documents. The actual name of mine is RINKI NAYAK, Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I LAXMI DEVI W/o Late SHAILENDRA R/o D - 23, Rajeev Nagar Ext. Nithari, PO: Sultanpuri C Block, Dist : North West Delhi , Delhi - 110086 declare that the name of my husband has been wrongly written as SALENDER in my minor daughter namely KHUSHI aged 14 years in her School Record. The actual name of my husband is SHAILENDRA , Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto Known as KM PREMA BISHT alias PREMA MEHRA D/o BISHAN SINGH BISHT W/o ANAND SINGH MEHRA, Residing at BG – 1/33 , Paschim Vihar , West Delhi, Delhi - 110063 have changed my name and shall hereafter be known as PREMA MEHRA .

NAME CHANGE
I hitherto Known as ANAND SINGH alias ANAND SINGH MEHRA S/o BHAWAAN SINGH , Residing at Flat No. – 33 , BG – 1 , SFS Flats , Paschim Vihar , West Delhi, Delhi - 110063 have changed my name and shall hereafter be known as ANAND SINGH MEHRA .

NAME CHANGE
I hitherto Known as LAL SINGH alias LALIT SINGH S/o HUKAM SINGH Residing at F – 56A 1st Floor , Gali No – 8 , Vishwas Park , Uttam Nagar , PO : D.K Mohan Garden , Dist : West Delhi , Delhi – 110059 have changed my name and shall hereafter be known as LALIT SINGH .

Public Notice
It is for general information that I Abdul Kalam S/O: Moti Ur Rehman R/O A 491, Meer Vihar, Madan Pur Dabas, PO: Rani Khera, DIST: North West Delhi, Delhi - 110081, declare that name of my father and my Mother have been wrongly written Moti Rehman and Hafija khatun in my 10th Class educational documents. The actual name of my father and my Mother are Moti Ur Rehman and Lailun Khatun, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mrs. Razuli Devi Negi in respect of **House No. 1/18A, EWS, First Floor without roof rights, Land area measuring 28.56 sq. mtr., situated at Sector 1, Vaishali Ghaziabad, UP ("Hereinafter referred as said property"); for** lost OF Property document IN A-18, Kamna Vaishali, Delhi on 09.01.2018 i.e, **Transfer Deed ated 04.10.2016 executed by Mr. Satpal Singh Negi in favour of Mrs. Razuli Devi Negi in respect of House No. 1/18A, EWS, First Floor without roof rights, Land area measuring 28.56 sq. mtr. (Doc. No. 17431, Book No. 1, Vol. No.32410, Page No. 1-56, dated 04.10.2016, SRO: IV GZB). FIR was registered for the same in Delhi Police vide LR No. 273033/2026.** This property is mortgaged with **SMFG India Home Finance.** Any person(s)/ Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, RAGHUBIR SINGH MALAWLIYA S/O SUA RAM MALAWLIYA resident of H NO-998, BLOCK-B, 1ST FLOOR, SECTOR-43, GATE NO-4, GREENFIELD COLONY, AMARNAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121003. have changed my name to RAGHUBIR SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GOPAL S/O MANNU LAL resident of H NO-C-83, BACK SIDE RAM MANDIR ANAND VIHAR, KARKARDOOMA, DELHI-110092 have changed my name to GOPAL GUPTA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, VIKAS S/o Prithvi Singh R/o 2210, Jawahar Colony, Faridabad Nit Haryana-121001, have changed my name from VIKAS to VIKAS SINGH permanently

NAME CHANGE
I, ARTI W/o Sunil Dhawan R/o R-18, Third Floor, Block-R, Janta Market, Rajouri Garden, Delhi-110027, have changed my name to AARTI DHAWAN permanently

NAME CHANGE
I,SAKUNTALA DEVI W/O BADRI VISHAL DUBEY R/O LAKHAN DIHARA BUXAR LAKHANDIHARA BIHAR 802119, CHANGED MY NAME TO VIDYAPATI DEVI.

NAME CHANGE
I,Parama Roy/Parama W/o. Sajal Kumar R/o. H.No-7/114, Upper Ground Floor, Jheel Kurenja, Geeta Colony, Delhi-110031 have changed my name to Parama Singh.

Public Notice
This is certified that SEEMA RANI W/O JARNAIL SINGH R/o RZF-421, Nihal Vihar, Nangloi, New Delhi - 110041 has approached the Panj Pyaras for baptisation to become AMRITDHARI Sikh. So she was baptized at Gurdwara Rakab Ganj Sahib, New Delhi on 14.04.2026 vide Serial No.44/34/245. From 14.04.2026 onwards, she be known as JASMEET KAUR instead of her previous name SEEMA RANI

NAME CHANGE
I, POORAN SINGH BISHT S/O DURGA SINGH BISHT R/O H.NO-B-158, GALI NO-2 SADATPUR EXTN KARAWAL NAGAR DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO PURAN SINGH BISHT.

NAME CHANGE
I, ANNU BISHT W/O PURAN SINGH BISHT R/O H.NO-B-158, GALI NO 2 SADATPUR EXTN KARAWAL NAGAR DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO KHASTI DEVI.

NAME CHANGE
I hitherto known as AJIT SINGH JAYANT alias AJEET SINGH S/o Nanak Chand, R/o Flat No. 303, Type-D, Block-6, Kendriya Vihar Pocket- P-4, Plot No. 07, Sector-PHI-2, Greater Noida, PO Knowledge Park, Distt. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201310, have changed my name and shall hereafter be known as AJEET SINGH, for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती हरचरन कौर, संपत्ति संख्या 101, खसरा संख्या 60/8, ब्लॉक R-2, क्षेत्रफल 120 वर्ग गज, समस्त भूमि एवं छत/टेरेस अधिकार सहित, स्थित ग्राम हस्तसाल, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली-110059 की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी (1) श्री कृष्ण एवं (2) श्री कृष्ण चंद थे, जिन्होंने दिनांक 20.09.1984 के रजिस्टर्ड GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री राज कली के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री राज कली ने दिनांक 01.06.1987 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री रामा के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री रामा ने दिनांक 15.10.1996 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री कुलदीप के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री कुलदीप ने दिनांक 03.07.1998 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती राजेश कुमारी के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्रीमती राजेश कुमारी ने दिनांक 23.10.2002 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री विनोद के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री विनोद कुमार ने दिनांक 26.08.2003 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री चमन लाल ढल्ल के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री चमन लाल ढल्ल ने दिनांक 01.04.2004 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती हरचरण कौर के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्रीमती हरचरण कौर ने दिनांक 10.11.2005 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती महेंद्र कौर के पक्ष में हस्तांतरित की। दुर्भाग्यवश, श्रीमती महेंद्र कौर का निधन हो गया, जिन्होंने दिनांक 20.11.2009 की वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री ठाकर प्रीत पाल सिंह, श्री अमरजीत सिंह एवं श्री सतवंत सिंह के पक्ष में छोड़ी। तत्पश्चात श्री ठाकर पृथपाल सिंह उर्फ ठक्कर प्रीत पाल सिंह, श्री अमरजीत सिंह उर्फ अमरजीत सिंह एवं श्री सतवंत सिंह ने दिनांक 20.03.2026 के GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री गुरप्रीत सिंह के पक्ष में हस्तांतरित की। अंततः श्री गुरप्रीत सिंह ने दिनांक 27.03.2026 की Gift Deed के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती हरचरन कौर के पक्ष में उपहारस्वरूप हस्तांतरित कर दी। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के बंधक, भार, ग्रहणाधिकार, चार्ज एवं ऋण से मुक्त है तथा संपत्ति का वास्तविक एवं भौतिक कब्जा वर्तमान में श्रीमती हरचरन कौर के पास है। उक्त संपत्ति का वित्तपोषण RBL Bank Ltd, ओखला शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
It is for general information that I, Chaman Khan S/o Jamil Khan R/o Plot No-4, Sector-5, Seema Apartment Top Floor, Rajender Nagar, Near Dominos, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 declare that name of my father has been wrongly written as Mohd Jameel in my 10th, 12th and graduation certificate. The actual name of my father is Jamil Khan.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री पंकज एवं श्री केशव, खसरा नं. 873/4 में से 100 वर्ग गज (लगभग 83.62 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल वाले भूखंड, जो विस्तारित लाल डोरा, ग्राम रिठाला, दिल्ली-110085 में स्थित है, को श्री स्वर्श छारिया एवं श्री हिमांशु छारिया से क्रय करना चाहते हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार, उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री सतीश गोयल एवं श्री कुंदन थे, जिन्होंने दिनांक 23.02.1998 की पंजीकृत GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री नरेश कुमार को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री नरेश कुमार ने दिनांक 04.06.1999 की पंजीकृत GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री कृष्ण गोयल को हस्तांतरित की। इसके बाद, श्री कृष्ण गोयल ने दिनांक 26.04.2000 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री सांवर लाल छारिया एवं श्री हिमांशु छारिया को विक्रय कर दी। दुर्भाग्यवश, श्री सांवर लाल छारिया का दिनांक 22.04.2021 को बिना वसीयत (Intestate) के निधन हो गया, जिनके पीछे उनके विधिक उत्तराधिकारी, अर्थात् श्रीमती विमल छारिया (पत्नी), श्री हिमांशु छारिया (पुत्र) एवं श्री स्वर्श छारिया (पुत्र) हैं। तत्पश्चात, श्रीमती विमल छारिया एवं श्री हिमांशु छारिया ने स्वर्गीय श्री सांवर लाल छारिया के हिस्से में अपने-अपने अधिकारों का त्याग, दिनांक 28.03.2023 की त्याग विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से, श्री स्वर्श छारिया के पक्ष में कर दिया। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के बंधक, भार, ऋण, दावा एवं गिरवी से मुक्त है तथा संपत्ति का कब्जा वर्तमान में श्री स्वर्श छारिया एवं श्री हिमांशु छारिया के पास है। उक्त संपत्ति का वित्तपोषण RBL Bank Ltd, ओखला शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा राज्य कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पांचवें और छठे वेतन आयोग के अनुसार वेतन ले रहे सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी कर दी है। पांचवें वेतन आयोग का लाभ ले रहे कर्मचारियों को अब 474 की बजाय 483 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा, जिनके डीए में कुल नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह छठे वेतन आयोग का लाभ ले रहे कर्मचारियों को 257 की बजाय 262 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। इनके डीए में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। बढ़े महंगाई भत्ते का लाभ विगत पहली जनवरी से मिलेगा। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार गुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। सभी कर्मचारियों को अगले महीने जून में मिलने वाला मई का वेतन बढ़े डीए के साथ मिलेगा। इसके साथ ही जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल का कुल चार महीने का एरियर दिया जाएगा। हाल ही में सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन ले रहे सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इन कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया गया है। हालांकि पांचवें और छठे वेतन आयोग का लाभ ले रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अभी बढ़े महंगाई भत्ते का लाभ नहीं मिल पाएगा।

हरियाणा में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बनेंगी दस मंडियां: श्याम सिंह राणा

कैथल। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों से आह्वान किया कि वे पारंपरिक रासायनिक खेती से आगे बढ़कर प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर होगी बल्कि लोगों का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। डीएपी व रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अधिक उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इससे गंभीर बीमारियां भी बढ़ती हैं। इसलिए किसानों को प्राकृतिक खेती अपनानी चाहिए। उन्होंने देसी गाय पालन को बढ़ावा देने की बात कही और बताया कि सरकार इसके लिए 30 हजार रुपये तक का अनुदान दे रही है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 10 विशेष मंडियां स्थापित करेगी, ताकि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य और सुविधा मिल सके। मंत्री ने बताया कि महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में 17 मई को शहजादपुर अनाज मंडी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में वीके सिंह और नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। गांव अगोंध, कसौर, पीडल, भुना, ककहेड़ी, पाड़ला और गोहरां खेड़ी में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से सीख लेनी चाहिए।

कैथल में बाढ़ से निपटने की तैयारी पर 14 को होगी मॉक ड्रिल

कैथल। मानसून से पहले संभावित बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए कैथल प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में 14 मई को जिले में दो स्थानों पर बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा के समय विभिन्न विभागों के बीच तालमेल, संसाधनों की उपलब्धता और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को परखना है। डीसी अपराजिता ने अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल को गंभीरता से लिया जाए और सभी विभाग इसमें सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने आमजन से अपील की कि यह केवल एक अभ्यास है, इसलिए किसी प्रकार की घबराहट न करें। मॉक ड्रिल सुबह नौ बजे शुरू होगी और इसके लिए कमेटी चौक स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा लघु सचिवालय स्थित सरल केंद्र को इंसिडेंट साइट बनाया गया है। इन दोनों स्थानों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। एडीसी डॉ. सुशील कुमार को मॉक ड्रिल का ओवरऑल इंचार्ज बनाया गया है। जिला स्तर पर समन्वय के लिए लघु सचिवालय के वीसी रूम में अस्थायी जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर स्थापित किया जाएगा, जहां से डीसी सहित वरिष्ठ अधिकारी पूरे अभ्यास की निगरानी करेंगे।

नर्स स्वास्थ्य सेवा की मज़बूत आधारशिला : जनरल डीपी वत्स

हिसार। महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में 'अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नर्सिंग विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और सेवा भावना का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को अस्पताल के ओपीडी क्षेत्र में रंगोली, पोस्टर मेकिंग और मॉडल मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन कलाकृतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य जागरूकता और नर्सिंग पेशे की महत्ता को बखूबी दर्शाया। वहीं, कॉलेज परिसर में 'कुकिंग विद न्यूट्रीशन' प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने पोषण से भरपूर स्वादिष्ट व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई और स्वस्थ खान-पान का संदेश दिया।इस समारोह में पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ संयुक्त सचिव आरसी गुप्ता, महाविद्यालय निदेशक डॉ. अलका छाबड़ा व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

औद्योगिक परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज मंजूर

मुख्यमंत्री ने की हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड की बैठक, ड्रोन, ऑटो कंपोनेंट्स, बैटरी एवं विनिर्माण क्षेत्र में बड़े निवेश को मंजूरी

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड (एचईपीबी) की 19वीं बैठक चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रदेश में औद्योगिक निवेश, विनिर्माण क्षमता तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन पैकेज एवं अन्य राहत प्रदान करने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं से राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है। परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी अधिकार प्राप्त समिति (ईईसी) की सिफारिशों के आधार पर एचईपीबी द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में बीईयूएमईआर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 43.05 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति

प्रदान की गई। कंपनी झज्जर जिले में अत्याधुनिक इंट्रालॉजिस्टिक्स सिस्टम मैन्युफैक्चरिंग सुविधा स्थापित करेगी, जिससे आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना के साथ हरियाणा के 138 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसी प्रकार, एआईटीएमसी वेंचर्स लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 58.51 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी हिसार जिले में ड्रोन एवं ड्रोन कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करेगी, जिससे रक्षा एवं एयरोस्पेस विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा तथा हरियाणा के 800 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बैठक में अभ्युदय प्रिंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 31.68 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। यह परियोजना उन्नत पैकेजिंग सामग्री निर्माण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के साथ हरियाणा के 105 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी। इसी प्रकार, मार्क एग्जॉस्ट सिस्टम्स लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 39.95 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी झज्जर जिले में ऑटो कंपोनेंट्स निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिससे राज्य में ऑटो कंपोनेंट्स विनिर्माण क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी तथा हरियाणा के 123 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बैठक में कैनपैक इंडिया को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 35.21 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी मेवात जिले में एल्युमिनियम कैन निर्माण क्षमता का विस्तार करेगी।

हरियाणा सरकार ने हड़ताली फायर ब्रिगेड व सफाईकर्मियों को वार्ता के लिए बुलाया

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में हड़ताल कर रहे फायर ब्रिगेड तथा सफाई कर्मचारियों को बातचीत के लिए बुलाया है। चंडीगढ़ में स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल की अध्यक्षता में कर्मचारी नेताओं की बैठक होगी। शहरी निकाय विभाग और अग्निशमन विभाग के अधिकारी भी इस बातचीत में शामिल रहेंगे, ताकि लंबे समय से चला आ रहा गतिरोध खत्म किया जा सके। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में सुबह 11 बजे से शहरी निकाय मंत्री आंदोलनकारी कर्मचारी नेताओं के साथ वार्ता करेंगे। इस हड़ताल की वजह से पिछले लंबे समय से सफाई व्यवस्था ठप पड़ी है और गर्मी के सीजन के बावजूद आग बुझाने की प्रक्रिया बंद है। विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला और हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला कर्मचारियों की हड़ताल का समर्थन करते हुए राज्य सरकार से इसे खत्म कराने व कर्मचारियों की मांगें मानने का आग्रह कर चुके हैं। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा ने सोमवार को 14 मई तक हड़ताल बढ़ाने की घोषणा की थी। 16 फरवरी की आगजनी में घायल होने के बाद भावी चंद व रणबीर सिंह की मृत्यु हो गई थी। कालकाजी स्टील कंपनी के मजदूर प्रदीप कुमार व बृजपाल भी हादसों का शिकार हो चुके हैं। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सुभाष लांबा व राष्ट्रीय महासचिव ए श्रीकुमार पालिका एवं फायर कर्मियों की हड़ताल का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि सभी विभागों के काम का ठेका खत्म तो सफाई कर्मचारियों का ठेका क्यों चल रहा है।

हरियाणा रोडवेज बेड़े में शामिल होंगी पांच सौ ईवी सहित एक हजार नई बसें: विज

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य परिवहन विभाग जल्द ही एक हजार नई बसों की खरीद करेगा, जिनमें 500 इलेक्ट्रिक बसें और 500 सामान्य बसें होंगी। चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में अनिल विज ने कहा कि परिवहन विभाग की सभी बसों में अत्याधुनिक ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे बसों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी। इसके साथ ही एयरपोर्ट की तर्ज पर बस अड्डों पर डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को बसों के आगमन और प्रस्थान की सटीक जानकारी समय पर मिल सके। परिवहन मंत्री ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए एक आधुनिक मोबाइल ऐप भी विकसित किया जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से यात्री अपनी बस की लोकेशन, समय-सारणी और रूट संबंधी पूरी जानकारी मोबाइल पर ही प्राप्त कर सकेंगे तथा अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना पाएंगे। विज ने कहा कि नई तकनीक के माध्यम से बसों के निर्धारित रूटों पर भी निगरानी रखी जाएगी। यदि कोई चालक बस को गलत रूट पर ले जाता है या निर्धारित बस अड्डे पर नहीं पहुंचता, तो सिस्टम में तुरंत अलर्ट जारी होगा और संबंधित चालक से स्वतः स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। इससे परिवहन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि इस आधुनिक प्रणाली का ट्रायल वे स्वयं देख चुके हैं और जल्द ही इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में किसी एक जिले में शुरू किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। विज ने कहा कि हरियाणा सरकार परिवहन सेवाओं को तकनीक से जोड़कर यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

गुरुग्राम में भविष्य की जरूरतों के हिसाब से जल पुनर्भरण पर विशेष ध्यान दे प्रशासन: राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी
गुरुग्राम। केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं योजना राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गुरुग्राम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और गति दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सुविधाओं को पहुंचाना है, इसलिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ कार्य करें। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। वे गुरुग्राम में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक ले रहे थे। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित इस बैठक में विभिन्न विभागों की विकास परियोजनाओं

और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तेजी से बढ़ती आबादी वाले गुरुग्राम में जल संरक्षण और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि बरसाती तथा उपचारित पानी का पुनः उपयोग बढ़ाने के साथ-साथ भूजल रिचार्ज की दिशा में भी गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने बैठक में एंबियंस मॉल के नजदीक बरसाती नालों तथा सड़क पर कब्जे के संदर्भ में कमेटी के माध्यम से जांच करने के निर्देश भी दिए। बैठक में नरसिंहपुर में बनाई जा रही पक्की ड्रेन की प्रगति की जानकारी भी सांझा की गई। केंद्रीय मंत्री ने शहर में सड़क सौंदर्यीकरण और सार्वजनिक सुविधाओं की समीक्षा के दौरान सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिन एजेंसियों के कारण पूर्व में रखरखाव कार्य प्रभावित हुए हैं और व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं रही हैं, उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। साथ ही नई एजेंसियों को चिन्हित कर कार्य में तेजी लाई जाए। केंद्रीय मंत्री ने गुरुग्राम-फरीदाबाद मार्ग पर बढ़ रहे सीएंडडी (कंस्ट्रक्शन एंड डेमोलिशन) वेस्ट पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को इसके स्थायी समाधान के निर्देश दिए।

बहादुरगढ़, बावल, मानेसर और रोहतक में आधुनिक ईएसआई अस्पतालों का निर्माण तेजी पर : अनिल विज

एजेंसी
चण्डीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों को बेहतर, सुलभ और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि श्रमिक देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य के तहत केन्द्र सरकार के सहयोग से प्रदेश के 34 स्थानों पर ईएसआईसी अस्पतालों एवं औषधालयों का निर्माण एवं विस्तार कार्य तेजी से किया जा रहा है, ताकि श्रमिकों को उनके नजदीक आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस संबंध में आज श्रम मंत्री अनिल विज ने ईएसआईसी विभाग के अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और सभी परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ईएसआईसी के माध्यम से संचालित सभी निर्माण कार्यों और

परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि श्रमिकों को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके। विज ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन परियोजनाओं में किसी प्रकार की बाधा, देरी या लंबित कार्य हैं, उनकी विस्तृत सूची तैयार की जाए और नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि इन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा अब प्रत्येक माह स्वयं उनके द्वारा की जाएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिला झज्जर के बहादुरगढ़ में 100 बिस्तरों वाले ईएसआई अस्पताल का 98 प्रतिशत से अधिक सिविल कार्य पूरा हो चुका है। वहीं, जिला रेवाड़ी के बावल में बन रहे 150 बिस्तरों के ईएसआई अस्पताल का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है तथा शेष कार्य भी शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि रोहतक में 150 बिस्तरों वाला ईएसआई अस्पताल तथा मानेसर में 500 बिस्तरों का अत्याधुनिक ईएसआई अस्पताल स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिनका कार्य जल्द शुरू होगा। इसके अतिरिक्त सोनीपत के बारही और राई स्थित ईएसआई डिस्पेंसरियों का लगभग 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि पंचकूला की ईएसआई डिस्पेंसरी को संचालित भी कर दिया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि अंबाला में 100 बिस्तरों का ईएसआई अस्पताल, हिसार में 100 बिस्तरों का अस्पताल, सोनीपत में 150 बिस्तरों का ईएसआई अस्पताल तथा करनाल में 30 बिस्तरों के अस्पताल के कार्य प्रगति पर हैं।

तमन्ना ने 494 अंकों के साथ कॉमर्स संकाय में पाया प्रदेश में प्रथम स्थान, सीए बनने की इच्छा

एजेंसी
जींद। कॉमर्स संकाय में नरवाना के हरि नगर की रहने वाली तमन्ना ने 494 अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। तमन्ना एसडी कन्या महाविद्यालय नरवाना की छात्रा है। उनके पिता अनिल दुकानदार हैं और मां बबीता गृहणी हैं। तमन्ना सीए बनना चाहती हैं। जब परीक्षा परिणाम जारी हुआ तब बबीता हिसार गई हुई थी। जैसे ही परिवार को कामर्स संकाय में तमन्ना के प्रदेश में टॉप करने की सूचना मिली तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

तमन्ना ने कहा कि उन्हें अध्यापकों द्वारा जो पढाया गया, उसका उन्होंने घर पर ही रिवीजन किया। अभिभावकों ने भी पढाई में पूरा साथ दिया। उन्हें उम्मीद थी कि उनके कॉमर्स संकाय में बहुत अच्छे नंबर आएंगे। उन्होंने परीक्षा के लिए बहुत मेहनत की थी। अब जब रिजल्ट घोषित हुआ तो उनकी मेहनत सफल हो गई। गांव धमतान साहिब की मुस्कान ने हरियाणा भिवानी बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में 497 अंक लेकर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। मुस्कान के पिता कृष्ण खेतीबाड़ी करते हैं। जबकि मां गुड्डी साधारण

गृहणी है। बड़ा भाई अजय बीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। मुस्कान की उपल्बधि पर पर बधाई देने वालो का तांता लगा रहा। मुस्कान का लक्ष्य सिविल सर्विस में जाने का है। जिस समय परीक्षा परिणाम घोषित हुआ उस दौरान मुस्कान के पिता खेत मे काम कर रहे थे। पड़ोसियो के माध्यम से मुस्कान को परिणाम के बारे मे पता चला। मुस्कान मे बताया कि वह गांव के ही ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल मे पढ़ती है।

बैंक घोटाला: मैनेजर ने चालक, पत्नी, निजी सचिव व रिश्तेदारों के नाम पर बनाई तीन शेल कंपनियां

एजेंसी
चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा में हुए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले की अब तक की जांच में भारी फर्जीवाड़ा उजागर किया है। पंचकूला की विशेष पीएमएलए अदालत को ईडी ने जानकारी दी कि बैंक घोटाले का मास्टरमाइंड बैंक का पूर्व शाखा प्रबंधक रिभव ऋषि था, जिसने अपने ड्राइवर, निजी सहायक और रिश्तेदारों के नाम पर शेल कंपनियां बनाई और उनके जरिये 570.82 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार रिभव ऋषि ने सरकारी खातों से धन निकालने के लिए तीन फर्में बनाई थीं। इनमें एक फर्म उसके ड्राइवर हेमराज के नाम पर, दूसरी हेमराज की पत्नी सपना और रिभव ऋषि के निजी सहायक भूपिंदर सिंह के नाम पर बनाई गई, जबकि तीसरी फर्म में रिभव ऋषि की मां कमलेश कुमारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट अंकुर शर्मा को निदेशक बनाया गया था। हरियाणा सरकार के विभागों के अलावा नगर निगम चंडीगढ़, रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक प्रमोशन सोसायटी (क्रिस्ट) चंडीगढ़ तथा पंचकूला के दो निजी स्कूलों के साथ भी धोखाधड़ी की गई। अदालत ने रिभव ऋषि और उसके रिलेशनशिप मैनेजर अभय कुमार को 10 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। हालांकि उसके वकीलों को प्रतिदिन एक घंटे मुलाकात की अनुमति दी गई है। ईडी का आरोप है कि अप्रैल 2023 से अगस्त 2025 तक चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित आइडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा में शाखा प्रबंधक रहे रिभव ऋषि द्वारा शेल कंपनियां बनाकर वित्तीय हेराफेरी करने की प्रक्रिया पूर्व नियोजित थी। ईडी के अनुसार, एमएस कैपको फिनटेक सर्विसेज नामक फर्म को सीधे सरकारी विभागों तथा पंचकूला स्थित डीसी माडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल और डीसी मांटेसरी स्कूल से 471.69 करोड़ रुपये मिले। इस फर्म से जुड़े मोबाइल नंबर रिभव ऋषि के थे। कैपको फिनटेक का कोई वास्तविक कार्यालय नहीं था और अधिकतर राशि सावन ज्वैलर्स, मलिक ज्वैलर्स तथा केएलजी ज्वैलर्स को ट्रांसफर की गई, जिसके बाद नकद राशि एकत्र कर आपस में बांटी गई। कैपको फिनटेक की एक साझेदार सपना (ड्राइवर हेमराज की पत्नी) ने ईडी को बताया कि रिभव ऋषि ने एलआइसी पालिसी खुलवाने के बहाने उसके दस्तावेज और फोटो लिए थे तथा उसे यह जानकारी नहीं थी कि उसे फर्म में पार्टनर बनाया गया है। एक अन्य शेल कंपनी एमएस आरएस ट्रेडर्स ड्राइवर हेमराज के नाम पर बनाई गई थी, जिसे 43.80 करोड़ रुपये मिले। इनमें हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद से 23.07 करोड़ रुपये, चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड से 16.23 करोड़ रुपये और क्रिस्ट से 4.5 करोड़ रुपये शामिल हैं। तीसरी कंपनी एमएस एसआरआर प्लानिंग गुरुस को 55.33 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। जुलाई 2024 में गठित इस कंपनी में रिभव ऋषि की मां और सीए अंकुर शर्मा निदेशक थे तथा इसका उपयोग नकदी जमा और वितरण के लिए किया गया।

जनता से त्याग की अपील आर्थिक प्रबंधन की कमजोरी का संकेत: कुमारी सैलजा

एजेंसी
चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, सीडब्ल्यूसी सदस्य एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि देश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रही है, लेकिन केंद्र सरकार समाधान प्रस्तुत करने के बजाय लोगों से बार-बार त्याग और समझौते की अपील कर रही है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि सरकार आर्थिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सफल नहीं रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कभी पेट्रोल और डीज़ल का कम उपयोग करने की सलाह दी जाती है, कभी घरेलू खर्च सीमित रखने की बात कही जाती है और कभी रोजमर्रा की आवश्यकताओं में कटौती का संदेश दिया जाता है। लगातार इस प्रकार की अपीलें यह दर्शाती हैं कि आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व जनता को राहत देना, स्थिर आर्थिक वातावरण तैयार करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना होता है। कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी। उनका कहना है कि अब हिसाब-किताब का समय आ गया है और आने वाले दिनों में महंगाई, ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी तथा खर्चों में कटौती जैसे सख्त कदम देखने को मिल सकते हैं, जिनके लिए माहौल तैयार किया जा रहा है। पेपर लीक युवाओं के भविष्य पर सीधा हमलाः सैलजा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि एनईईटी-2026 पेपर लीक की खबर देश के लाखों युवाओं के भविष्य और उनकी मेहनत पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि जब परीक्षाएं पारदर्शिता और ईमानदारी के बजाय भ्रष्टाचार और पेपर लीक की भेंट चढ़ने लगें, तो सबसे बड़ा नुकसान गरीब और मध्यम वर्ग के उन छात्रों का होता है जो वर्षों तक कठिन परिश्रम करके अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करते हैं।

पेपरलेस रजिस्ट्री, इंतकाल व निशानदेही के लंबित मामले तय समय में निपटाएं अधिकारी : डीसी

एजेंसी
कैथल। डीसी अपराजिता ने राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर पेपरलेस रजिस्ट्री, इंतकाल, निशानदेही, कोर्ट केस, टोकन तथा अन्य लंबित राजस्व मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निपटान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

डीसी अपराजिता ने नागरिकों को पेपरलेस रजिस्ट्री प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री स्तर पर डैशबोर्ड के माध्यम से लंबित मामलों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें।

निशानदेही मामलों की समीक्षा के दौरान डीसी ने निर्देश दिए कि लंबित मामलों में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित किया जाए। वहीं इंतकाल के पुराने लंबित मामलों का जल्द निपटान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीएम को इन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा तय समय सीमा में लंबित मामलों का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता बेहद जरूरी है। लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सभी प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाया जाए। इस मौके पर कैथल एसडीएम संजय सिंह, गुहला एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, डीआरओ चंद्र मोहन, डीएसपी गुरविंदर सिंह के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे ग्रामीण सफाई कर्मी, आंदोलन तेज करने की चेतावनी, ज्ञापन भी दिया

एजेंसी
झज्जर। झज्जर जिले के ग्रामीण सफाई कर्मी सैकड़ों की संख्या में सीटू ऑफिस में इकट्ठा हुए। वहां से प्रदर्शन करते हुए निगम कार्यालय पहुंचे और 12 दिनों से मांगों को लेकर धरने पर बैठे निगम सफाई कर्मियों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। इसके बाद नगर पालिका कार्यालय से अंबेडकर चौक तक सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया गया। प्रेस बयान जारी करते हुए ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला सचिव संदीप कुमार मारौत ने कहा कि सफाई कर्मी रोजाना गंदगी के ढेर के बीच काम कर लोगों को स्वच्छता प्रदान करते हैं, लेकिन बदले में उन्हें सम्मानजनक वेतन, सुरक्षा उपकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि सीवरों व गंदगी की सफाई करते समय कई सफाई कर्मियों की मौत हो जाती है, लेकिन सरकार की ओर से उनके परिवारों को कोई आर्थिक सहायता या परिवार के सदस्य को नौकरी नहीं दी जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सफाई कर्मियों को ठेकेदारी, पार्ट टाइम और डोर-टू-डोर जैसे अलग-अलग नाम देकर पूरी उम्र कच्चे रोजगार पर पक्का काम करवाने के लिए मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि अब यह अन्याय बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संदीप मारौत ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 24 नवंबर 2025 को शहरी सफाई कर्मियों को 27 हजार और ग्रामीण सफाई कर्मियों को 26 हजार रुपये वेतन देने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा जून 2025 में 2100 रुपये वेतन बढ़ोतरी और हर साल तीन प्रतिशत बढ़ोतरी का भी ऐलान किया गया था, लेकिन आज तक इन्हें लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 2000 की आबादी की बजाय 1000 की आबादी पर सफाई कर्मचारी नियुक्त करने और 9795 नए कर्मचारियों की भर्ती की घोषणा भी केवल कागजों तक सीमित है। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2025 को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने आदेश दिए थे कि 10 साल की सेवा पूरी कर चुके सफाई कर्मियों को नई नीति बनाकर 28 फरवरी तक पक्का किया जाए।

लाइसेंस राज होगा खत्म, सरकार लाएगी अगली पीढ़ी के बड़े सुधार- नीति आयोग

अनावश्यक परमिट व निरीक्षण होंगे खत्म, 42,000 से अधिक अनुपालन समाप्त

नई दिल्ली ।

नीति आयोग के एक सदस्य ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन में घोषणा की कि सरकार लाइसेंस राज के नए अवतारों को समाप्त करने और व्यापार सुगमता के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 1991 के सुधारों ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म किया, लेकिन लाइसेंस राज को नहीं। आज किसी भी कारोबार के लिए आवश्यक हर अनावश्यक परमिट लाइसेंस राज का ही एक रूप है। सरकार अब जब तक मना न हो तब तक अनुमति है के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगी। सुधारों का उद्देश्य नियामक हस्तक्षेप से व्यवस्था को मुक्त करना है। इसके तहत, लाइसेंसिंग की आवश्यकता केवल राष्ट्रीय सुरक्षा या गंभीर स्वास्थ्य/पर्यावरण खतरों वाली गतिविधियों के लिए होनी चाहिए, और स्वचालित स्वतः पंजीकरण सामान्य नियम होगा। उन्होंने यह भी सुझाया कि आवश्यक लाइसेंस की वैधता स्थायी या लंबी अवधि की होनी चाहिए और बार-बार नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

पश्चिम एशिया संकट से भारत के भुगतान संतुलन पर बढ़ा दबाव

तेल कंपनियों के भारी नुकसान और पर्याप्त ईंधन भंडार पर दिया जोर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संकट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक वास्तविक दबाव परीक्षण है, जिसका भुगतान संतुलन, मुद्रास्फीति और चालू खाते पर सीधा असर पड़ रहा है। यह बात वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने आज कही। उन्होंने इस स्थिति को अस्थायी नहीं बल्कि ढांचागत बताया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नागेश्वरन ने कहा कि चालू खाते का विश्वसनीय प्रबंधन, वित्तपोषण और विनिमय दर में गिरावट रोकना वित्त वर्ष 2026-27 की प्रमुख आर्थिक अनिवार्यताएं होंगी। उन्होंने बताया कि यह संकट दुनिया के अहम ऊर्जा गलियारों में लगातार आ रही रुकावट का नतीजा है। अधिकतर अर्थशास्त्रियों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत के चालू खाते के घाटे का अनुमान सकल घरेलू उत्पाद के 1.5 फीसदी से 2.4 फीसदी तक बढ़ा दिया है। हालांकि, भारत की मजबूत राजकोषीय नीति और बुनियादी ढांचा निवेश मौजूदा संघर्ष से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। एक अलग सत्र में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिया कि ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन किसी भी बढ़ोतरी का फैसला चुनावों से जुड़ा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के कारण तेल मार्केटिंग कंपनियों को प्रतिदिन 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जिससे इस तिमाही में उनकी अंडर-रिकवरी 2 लाख करोड़ रुपये और नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह नुकसान पिछले साल के पूरे मुनाफे को खत्म कर सकता है। हालांकि, पुरी ने आश्वस्त किया कि भारत के पास पर्याप्त ईंधन भंडार है, जिसमें 60 दिनों का कच्चा तेल, 60 दिनों की एलएनजी और 45 दिनों की एलपीजी शामिल है। देश में एलपीजी उत्पादन भी संघर्ष-पूर्व स्तर से बढ़कर 54,000 टन प्रतिदिन हो गया है।

कोल इंडिया करेगी वैश्विक खनिज का विस्तार

सरकारी कंपनी महत्वपूर्ण खनिजों की पूरी मूल्य श्रृंखला संभालेगी

नई दिल्ली ।

सरकारी खनन दिग्गज कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) अपने पारंपरिक कोयला कारोबार से आगे बढ़कर वैश्विक महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में एक बड़ी तैयारी कर रही है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में चिली और सिंगापुर में सहायक इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसका लक्ष्य लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे रणनीतिक खनिजों में अवसरों की तलाश करना है। सीआईएल कध्कि अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने चिली में एक लीथियम ब्लॉक की पहचान की है और वह चिली सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रही है। मंजूरी मिलने पर, अगले 2-3 वर्षों में वहां खनन कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही इस सप्ताह की शुरुआत से ही जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। बाजार में बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने 74,134.48 का निचला और 75,191.57 का ऊपरी स्तर छुआ जिससे उतार-चढ़ाव का अंदाज होता है। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.05 अंक ऊपर आकर 23,412.60 अंक पर बंद हुआ। बाजार में मेटल, ऑयल एंड गैस सेक्टर में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी और ऑटो शेयर दबाव में रहे।

सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व, इटरनल, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस और मारुति सहित 16 शेयर नीचे आये जबकि एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.37 फीसदी तेजी

आई। इसके अलावा टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, बीईएल, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, इंडिगो, आईटीसी और ट्रेंट के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी से शुरुआत हुई। सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 74,586 के स्तर पर और निफ्टी 23,468 के आसपास कारोबार करते दिखे।

ब्लैक बॉक्स ने 2एस इनोवाकोएस का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

एस्सार ग्रुप की आईटी कंपनी ब्लैक बॉक्स ने बुधवार को ब्राजील स्थित सिस्टम इंटीग्रेटर 2एस इनोवाकोएस टेक्नोलॉजियास एसए के अधिग्रहण को पूरा करने की घोषणा की। कंपनी को उम्मीद है कि इस अधिग्रहण से उसके वार्षिक राजस्व में 500 करोड़ रुपए का इजाफा होगा, जो वैश्विक विकास और लातिन अमेरिकी बाजार में उसकी स्थिति को मजबूत करेगा। ब्लैक बॉक्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस सौदे को कंपनी की वैश्विक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिग्रहण उच्च-विकास वाले लातिन अमेरिकी बाजार में ब्लैक बॉक्स की रणनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि इस सौदे से कंपनी को करीब 500 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व हासिल होने की उम्मीद है, जिससे उसकी वित्तीय स्थिति में भी सुधार आएगा। यह विस्तार ब्लैक बॉक्स को उभरते बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद करेगा।

भारत में डीएपी खाद 40 फीसदी हुई महंगी, किसानों पर बढ़ा बोझ

उर्वरक की कीमतों में भारी उछाल, सरकार पर सब्सिडी बढ़ाने का दबाव

मुंबई ।

मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय कृषि पर दिखने लगा है। देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण उर्वरक डायअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की खरीद लगभग 40 प्रतिशत अधिक कीमत पर करनी पड़ रही है, जिससे मानसून से पहले किसानों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। फरवरी में करीब 667 डॉलर प्रति टन मिलने वाला डीएपी अब भारत को 930 से 935 डॉलर प्रति टन की दर से खरीदना पड़ रहा है। इंडियन पोटाश लिमिटेड ने पश्चिमी और पूर्वी तटों के लिए कुल 13 लाख टन से अधिक डीएपी खरीदने का समझौता किया है। इस भारी मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित आपूर्ति बाधा है, क्योंकि फॉस्फेट उर्वरकों में इस्तेमाल होने वाले सल्फर की बड़ी आपूर्ति इसी क्षेत्र से होती है। उर्वरकों की बढ़ती कीमत सीधे खेती की लागत बढ़ाएगी। यदि सरकार सब्सिडी में पर्याप्त वृद्धि नहीं करती है, तो धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों की बुवाई की तैयारी कर रहे किसानों को बड़ा झटका लगेगा। गौरतलब है कि भारत ने हाल ही में लगभग 25 लाख टन यूरिया भी दोगुनी कीमत पर खरीदा है। यदि उर्वरकों की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो आने वाले समय में आटा, चावल और दाल जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे आम उपभोक्ता भी प्रभावित होगा। हालांकि, अंतिम प्रभाव सरकारी सब्सिडी और वैश्विक हालात पर निर्भर करेगा।

एआई की चुनौतियों के बीच आईटी कंपनियों का शेयरधारकों को रिकॉर्ड भुगतान

वित्त वर्ष 2026 में 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और पुनर्खरीद की घोषणा

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इटेलिजेंस (एआई) के विकास से पारंपरिक कारोबार को संभावित खतरे और धीमी मुनाफा वृद्धि के बावजूद, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग अपने शेयरधारकों पर जमकर मेहरबान हुआ है। देश की शीर्ष 16 सूचीबद्ध आईटी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड 1.3 लाख करोड़ रुपये के लाभांश और शेयर पुनर्खरीद की घोषणा की है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025 के कुल भुगतान से 36.3 फीसदी अधिक है, जो पिछले 9 सालों में सबसे तेज वृद्धि दर्शाता है। यह भारी-भरकम भुगतान मुख्य रूप से शेयर पुनर्खरीद के कारण संभव हुआ है, जिसमें इन्फोसिस और विप्रो की भूमिका अहम रही है। इन्फोसिस ने नवंबर में 18,000 करोड़ रुपये की अपनी सबसे बड़ी पुनर्खरीद पूरी की, जबकि विप्रो ने 15,000 करोड़ रुपये की पुनर्खरीद की घोषणा की है। कुल मिलाकर, आईटी उद्योग ने वित्त वर्ष 2026 में पुनर्खरीद पर 33,895 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की है, जो वित्त वर्ष 2024 के बाद दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके विपरीत, इक्विटी लाभांश भुगतान में केवल 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई है। यह रिकॉर्ड भुगतान ऐसे समय में आया है जब वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों का शुद्ध मुनाफा केवल 3.5 फीसदी बढ़ा, जो बीते आठ साल में सबसे धीमी वृद्धि है। हालांकि, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने डेटा सेंटर और एआई कारोबार में निवेश की योजना के तहत अपने लाभांश भुगतान में 12.7 फीसदी की कटौती की है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि कंपनियां भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहते हुए भी शेयरधारकों को पुरस्कृत करने को प्राथमिकता दे रही हैं।

सोने पर शुल्क वृद्धि से तस्करी बढ़ेगी, निर्यात घटेगा जीजेईपीसी

आयात शुल्क बढ़ने पर उद्योग ने जताई आपत्ति, कहा- एमएसएमई पर पड़ेगा गंभीर असर

नई दिल्ली ।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने सरकार द्वारा सोने, चांदी और प्लेटिनम पर आयात शुल्क में की गई हालिया वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। परिषद ने बुधवार को कहा कि यह कदम न केवल कीमती धातुओं की कीमतें बढ़ाएगा, बल्कि तस्करी को बढ़ावा देगा और देश के निर्यात कारोबार के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को गंभीर नकदी संकट में धकेल देगा। जीजेईपीसी ने सरकार से इस मुद्दे पर उद्योग के हितधारकों के साथ तत्काल बातचीत कर एक स्थायी समाधान खोजने की अपील की है। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है, जबकि प्लेटिनम पर यह कर 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 15.4 प्रतिशत हो गया है।

जीजेईपीसी ने इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अतीत में यह देखा गया है कि आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है; इसके बजाय यह केवल कीमतें बढ़ाता है। परिषद ने इस बात पर जोर दिया कि हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में कम नहीं हुआ है। जीजेईपीसी ने आशंका जताई है कि उच्च शुल्क से तस्करी को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात की लागत में वृद्धि होगी। परिषद के अनुसार, निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना लेने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है, जिससे उनकी कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इस निर्णय का सबसे गंभीर असर एमएसएमई विनिर्माताओं पर पड़ेगा, जो परिषद के 80 प्रतिशत सदस्य हैं और पहले से ही गंभीर नकदी संकट का सामना कर रहे हैं। सरकार के इस फैसले पर परिषद ने प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और विनिर्माताओं के साथ बैठकें की हैं। जीजेईपीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सोने के आयात को नियंत्रित करने के

वैकल्पिक उपाय भी सुझाए हैं। परिषद ने सरकार से आग्रह किया है कि वह राजकोषीय लक्ष्यों को निर्यात वृद्धि के साथ संतुलित करने वाले स्थायी समाधानों पर विचार-विमर्श के लिए उद्योग के साथ बातचीत करे, ताकि यह महत्वपूर्ण क्षेत्र प्रभावित न हो।

सोने-चांदी पर बढ़ाई सरकार ने कस्टम ड्यूटी

सोने-चांदी के आभूषण 15 फीसदी महंगे

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने सोने-चांदी और ज्वेलरी से जुड़े आयातित सामानों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, सोने-चांदी से संबंधित कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क 4.35 फीसदी से बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। वहीं, आभूषण निर्माण में इस्तेमाल होने वाले छोटे पार्ट्स और फाइंडिंग्स पर 5 फीसदी आयात शुल्क लगाया जाएगा। सरकार के इस फैसले के बाद विदेशों से आने वाला सोना-चांदी और ज्वेलरी का कच्चा माल महंगा हो जाएगा। इसका असर बाजार में आभूषणों की कीमतों पर भी देखने को मिल सकता है। व्यापारियों के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी के आभूषण करीब 15 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं।

सरकारी बैंकों का वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ का मुनाफा

एसबीआई समेत प्रमुख बैंकों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, एनपीए में भी ऐतिहासिक गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन 12 सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.12 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार चौथा वित्त वर्ष है जब सरकारी बैंकों ने मुनाफा कमाकर अपनी वित्तीय स्थिरता और क्षमता का प्रदर्शन किया है।

वित्त मंत्रालय ने इस उपलब्धि को बेहतर कारोबारी विस्तार और सुधरी हुई परिसंपत्ति गुणवत्ता का परिणाम बताया है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, सरकारी बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2024-25 में 1.78 लाख करोड़ रुपये था, जिसमें अब और भी बढ़ोतरी हुई है। यह लाभप्रदता का सिलसिला वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये के लाभ के साथ शुरू हुआ था और लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के सबसे बड़े बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), ने वित्त वर्ष 2026 में अभी तक का सर्वाधिक शुद्ध सालाना लाभ 80,032 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा ने 20,021 करोड़ रुपये और पंजाब नेशनल बैंक ने 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। मंत्रालय ने बताया कि यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन निरंतर व्यावसायिक वृद्धि, बेहतर संपत्ति गुणवत्ता, रिकॉर्ड लाभप्रदता और मजबूत पूंजी स्थिति का प्रतीक है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी से बढ़ती ऋण जरूरतों को पूरा करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की मजबूती प्रदर्शित होती है। देश के 12 सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.98 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है।

वित्त मंत्रालय ने बयान में बताया कि सरकारी बैंक लगातार चौथे साल लाभप्रदता में रहे। सरकारी बैंकों की लाभप्रदता सालाना आधार 11.12 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये हो गई। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में इनकी लाभप्रदता 1.78 लाख करोड़ रुपये थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 23 में 1.04 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2022 में 66,543 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

पाम तेल की अगुवाई में भारत का वनस्पति तेल आयात 13 फीसदी उछला

तेल वर्ष की पहली छमाही में 79.4 लाख टन पहुंचा आयात

नई दिल्ली ।

दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल उपभोक्ता भारत का वनस्पति तेल आयात तेल वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (नवंबर-अप्रैल) में 13 प्रतिशत बढ़कर 79.4 लाख टन हो गया है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पाम तेल की खेप में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 70.4 लाख टन से अधिक है। इस अवधि में आयात का कुल मूल्य सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 87,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 73,000 करोड़ रुपये था। कुल आयात में 78.2 लाख टन खाद्य तेल और 1.21 लाख टन गैर-खाद्य तेल शामिल है। एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम तेल का आयात लगभग दोगुना होकर 27.4 लाख टन से 39.7 लाख टन पर पहुंच गया। वहीं, सोया तेल और सूरजमुखी तेल जैसे नरम तेलों की खेप 41.3 लाख टन से घटकर 38.5 लाख टन रह गई। इंडोनेशिया और मलेशिया पाम तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि अर्जेंटीना व ब्राजील सोया तेल तथा रूस व यूक्रेन सूरजमुखी तेल के मुख्य स्रोत बने हुए हैं। पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में 14 से 22 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये में 9.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने आयात लागत को और बढ़ा दिया है, जिसे आयातकों और रिफाइनरों के लिए चिंता का विषय बताया गया है। इसी अवधि में नेपाल ने भी भारत को लगभग 2.17 लाख टन परिष्कृत तेल, मुख्य रूप से सोया तेल, निर्यात किया। मई 2026 तक कुल वनस्पति तेल भंडार बढ़कर 21.2 लाख टन हो गया है, जो तेल वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर आपूर्ति का संकेत देता है।

आधार नियमों में बड़ा बदलाव, अब दस्तावेज़ों की लंबी सूची मान्य, सत्यापन सख्त

यूआईडीएआई ने नए संशोधन विनियम, 2026 लागू किए

नई दिल्ली।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इनका उद्देश्य आधार बनवाने और अपडेट करने की प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित, आधुनिक और पारदर्शी बनाना है। नए नियमों के तहत, आधार के लिए स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची का व्यापक विस्तार किया गया है। अब ई-वोटर आईडी, ई-राशन कार्ड, बैंक पासबुक, मैरिज सर्टिफिकेट, यूटिलिटी बिल और रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट जैसे कई अन्य दस्तावेज़ भी मान्य होंगे। इससे उन लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी जिन्हें पहले सीमित दस्तावेज़ों के कारण परेशानी होती थी। हालांकि, दस्तावेजों की जांच अब पहले से अधिक सख्ती से की जाएगी। केवल वैध, एक्सपायर न हुए और आवेदक के नाम पर दर्ज दस्तावेज़ ही स्वीकार्य होंगे। पहचान प्रमाण में नाम और फोटो दोनों का होना अनिवार्य है। यदि परिवार आधारित आवेदन किया जाता है, तो परिवार प्रमुख और आवेदक दोनों का नाम संबंध प्रमाण पत्र में होना आवश्यक होगा।

बच्चों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य कर दिया गया है, साथ ही माता-पिता या अभिभावक के दस्तावेज भी देने होंगे। वहीं, 5 से 18 साल तक के बच्चों के लिए परिवार प्रमुख के जरिए आधार बनवाने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर दस्तावेज आधारित आवेदन भी स्वीकार किया जाएगा।

रेलवन एप का एआई फीचर अब बताएगा, वेटिंग टिकट कन्फर्म होगी या नहीं

एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलेंगी सभी रेलवे सेवाएं, अनरिजर्व्ड टिकट पर मिलेगी 3 फीसदी की छूट

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे में कन्फर्म सीट की बढ़ती किल्लत और यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेल मंत्रालय ने एक नया डिजिटल समाधान पेश किया है। रेलवन नामक यह मोबाइल ऐप यात्रियों को न सिर्फ एक ही प्लेटफॉर्म पर ढेरों सुविधाएं देगा, बल्कि इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित फीचर से अब यह भी जानना संभव होगा कि आपकी वेटिंग लिस्ट टिकट कन्फर्म होने की कितनी संभावना है। यह अभिनव सुविधा यात्रियों को टिकट बुक करने से पहले ही वेटिंग लिस्ट टिकट के कन्फर्म होने का अनुमान देती है। शुरुआत में 53 फीसदी की सटीकता के साथ शुरू हुआ यह एआई-आधारित सिस्टम अब 94 फीसदी तक की विश्वसनीयता के साथ काम करता है, जिससे यात्री सोच-समझकर अपनी यात्रा योजना बना सकते हैं। यह एआई पुराने डेटा और बुकिंग पैटर्न का विश्लेषण कर सटीक भविष्यवाणी करता है। रेलवन ऐप सिर्फ आरक्षण टिकटों के लिए ही नहीं, बल्कि एक ऑल-इन-वन समाधान के तौर पर काम करेगा। इसमें जनरल/अनरिजर्व्ड टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने की सुविधा, ट्रेन का लाइव लोकेशन ट्रैक करना और रेलवे हेल्पलाइन पर सीधे शिकायत दर्ज करना जैसी सेवाएं शामिल हैं। पहले इन सुविधाओं के लिए अलग-अलग ऐप्स का इस्तेमाल करना पड़ता था। ऐप के जरिए अनरिजर्व्ड टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3 फीसदी की छूट भी मिल रही है, जो डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देगा।

मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों?

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है।

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आह्वान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

लीक नहीं ठीक

हमारे तंत्र की नाकामी और परीक्षा तंत्र में भ्रष्टाचारियों की बढ़ती सेंध का ही नतीजा है कि पेपर लीक के बाद नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट यानी नीट परीक्षा 2026 रद्द कर दी गई। भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में दाखिले के लिए तीन मई को परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब पौने तेईस लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। ये परीक्षाएं देश के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में 5400 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं। दरअसल, पेपर लीक होने के आरोपों के बाद जांच एजेंसियों की सिफारिश पर परीक्षा रद्द की गई है। केंद्र सरकार ने कथित रूप से डेटा लीक और धांधली की व्यापक जांच के लिए सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने कहा है कि व्यवस्था में विश्वास बहाली के लिए फिर से परीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। कहा जा रहा है कि एनटीए ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा साझा निष्कर्षों की प्रारंभिक जांच के आधार पर परीक्षा स्थगन का फैसला लिया। निस्संदेह, इस फैसले ने उन लाखों छात्रों को निराश ही किया है जो महीनों से परीक्षा की तैयारी में लगे थे। अब उन्हें नये सिरे से परीक्षा की तैयारी करनी होगी। नीट प्रवेश परीक्षा स्थगित किए जाने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने एनटीए व केंद्र सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। कहा जा रहा है कि एनटीए में सुधार नहीं, अब पूरी संरचना बदलने की जरूरत है। एक संसदीय समिति की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि एनटीए के बुनियादी पुनर्गठन की जरूरत है। राजनेता पीपर लीक व प्रश्नपत्रों में गलती सामने आने को छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बता रहे हैं। साथ ही पूरी परीक्षा प्रणाली को बदलने की मांग की जा रही है। साथ ही एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता को लेकर शंका जतायी जा रही है। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि एनटीए द्वारा आयोजित 14 राष्ट्रीय परीक्षाओं में से पांच में पेपर लीक और अनियमितताओं के मामले उजागर हुए हैं। इनमें जेईई मेन्स 2025 उत्तर कुंजी के दोषपूर्ण होने पर प्रश्नपत्र में 12 प्रश्न वापस लेने पड़े थे। मांग है कि एनटीए को केंद्रीयकृत करने के बजाय संसद के प्रति जवाबदेह बनाया जाए। वहीं एनटीए कह रहा है कि छात्रों को नया आवेदन नहीं करना होगा, न ही कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क लगेगा। यह भी कि एनटीए अपने संसाधनों का प्रयोग करके दोबारा परीक्षा आयोजित करेगी। साथ ही एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी की जवाबदेही स्वीकारी है। दरअसल, आरोप है कि नीट का पेपर ह्यक्वेश्चन बैंकह्न के जरिये लीक किया गया, जिसमें फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी के तीन से ज्यादा सवाल थे। जिसमें आधे हूबहू परीक्षा में आए। आशंका है कि सोशल मीडिया के जरिये ये प्रश्नपत्र लाखों तक पहुंचे। हालांकि, इस मामले का खुलासा सीकर से हुआ, लेकिन कहते हैं कि पेपर पहले केरल से एक मई को आया और उसके तार नासिक से लेकर उत्तराखंड तक जुड़े थे।

चिंतन-मनन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा- जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिदता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे।

उन्हें भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेस बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थीं कि पता नहीं कहां से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिदता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा मांगी।

क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या हल हो जायेगी?

सौरभ वार्ष्णेय

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट हर वर्ष लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। ऐसे में यदि परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, पेपर लीक या धांधली की आशंका सामने आती है, तो छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश स्वाभाविक है। इसी संदर्भ में यह सवाल उठ रहा है कि क्या नीट परीक्षा दोबारा कराने से समस्या का समाधान हो जाएगा? या इस पर केंद्र सरकार कड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे सिस्टम के नकारा लोगों पर हंटर चलायेगी जिससे इस लीक माफिया पर ऐसा करना भूल जायें।

पहली दृष्टि में पुनर्परीक्षा एक न्यायसंगत कदम प्रतीत होता है। जिन छात्रों ने ईमानदारी से मेहनत की और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी के कारण स्वयं को ठगा हुआ महसूस किया, उनके लिए दोबारा परीक्षा एक अवसर बन सकती है। इससे यह संदेश भी जाएगा कि सरकार और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्षता के प्रति गंभीर हैं तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

लेकिन समस्या केवल पुनर्परीक्षा तक सीमित नहीं है। यदि व्यवस्था की खामियां जस की तस बनी रहती हैं, तो दोबारा परीक्षा भी नए विवादों को जन्म दे सकती है। लाखों छात्रों पर मानसिक दबाव, अतिरिक्त आर्थिक बोझ और तैयारी की अनिश्चितता का प्रभाव पड़ता है। कई विद्यार्थी पहले ही अत्यधिक तनाव में रहते हैं; पुनर्परीक्षा उनकी मानसिक स्थिति को और कठिन बना सकती है।

असल प्रश्न यह है कि बार-बार परीक्षा कराने की नौबत क्यों आती है? जब तक परीक्षा प्रणाली में तकनीकी सुरक्षा, प्रश्नपत्र की गोपनीयता, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और जवाबदेही मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल पुनर्परीक्षा स्थायी समाधान नहीं बन सकती। आवश्यकता इस बात की है कि परीक्षा संचालन में आधुनिक तकनीक, सख्त निगरानी और पारदर्शी जांच व्यवस्था लागू की जाए।

साथ ही, दोषियों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है। यदि पेपर लीक या भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण मिलता रहेगा, तो छात्रों का विश्वास लगातार कमजोर होगा। शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बनाए रखना किसी भी लोकतंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

यदि व्यापक स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो पुनर्परीक्षा आवश्यक कदम हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम समाधान नहीं माना जा सकता। वास्तविक समाधान परीक्षा प्रणाली में सुधार, जवाबदेही तय करने और छात्रों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निहित है। केवल परीक्षा दोबारा कराने से नहीं, बल्कि व्यवस्था को ईमानदार और मजबूत बनाने से ही भविष्य सुरक्षित होगा।

नीट पेपर लीक करने वालों पर कार्रवाई कब?

लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की मेहनत पर पानी फेरने वाले पेपर लीक गिरोहों के खिलाफ आखिर ठोस कार्रवाई कब होगी, यह सवाल आज पूरे देश में गूंज रहा है। हर वर्ष परीक्षा के बाद पेपर लीक, धांधली और नकल माफिया की खबरें सामने आती हैं, लेकिन कार्रवाई की गति इतनी धीमी रहती है कि लोगों का भरोसा व्यवस्था पर कमजोर पड? लगता है।सरकार और जांच एजेंसियां दावा करती हैं कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कई राज्यों में गिरफ्तारियां भी हुई हैं, कुछ कोचिंग सेंटरों और दलालों पर छापेमारी भी हुई। लेकिन असली चिंता यह है कि क्या केवल छोटे एजेंटों को पकड़ लेने से समस्या खत्म हो जाएगी? जब तक इस पूरे नेटवर्क के बड़े सरगनाओं, भ्रष्ट अधिकारियों और तकनीकी मिलीभगत करने वालों तक जांच नहीं पहुंचेगी, तब तक ऐसे अपराध रुकना मुश्किल है।पेपर लीक केवल एक परीक्षा में गड़बड़ी नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। एक मेहनती छात्र वर्षों तक तैयारी करता है, जबकि कुछ लोग पैसे और पहुंच के दम पर व्यवस्था को कमजोर कर देते हैं। इससे प्रतिभाशाली छात्रों का मनोबल टूटता है और शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।जरूरत केवल कार्रवाई की घोषणा करने की नहीं, बल्कि त्वरित और उदाहरण प्रस्तुत करने वाली सजा देने की है। यदि पेपर लीक मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बनें, डिजिटल सुरक्षा मजबूत हो, परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी बने और दोषियों की संपत्ति जब्त करने जैसे कठोर कदम उठाए जाएं, तभी वास्तविक डर पैदा होगा। सरकार को यह समझना होगा कि युवाओं का विश्वास किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्न उठते रहे, तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं, बल्कि देश की प्रतिभा और भविष्य दोनों के लिए गंभीर खतरा बन जाएगा।

ईरानी विमानों को अपने यहाँ छिपा कर पाकिस्तान ने उतार दिया 1971 का कर्ज

नीरज कुमार दुबे

1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान जब भारतीय हमलों से बचाने के लिए ईरान ने पाकिस्तानी सैन्य विमानों और संसाधनों को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराया था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि पांच दशक बाद पाकिस्तान उसी एहसान का बदला चुकाता दिखाई देगा। अब आरोप लग रहे हैं कि अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई और क्षेत्रीय तनाव के बीच पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को अपने सैन्य ठिकानों पर सुरक्षित शरण दी। इस तरह इस्लामाबाद ने तेहरान का पुराना कर्ज तो उतार दिया है लेकिन अब वह खुद संकट में फंसता दिखाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की जटिल कूटनीतिक राजनीति को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि इस तरह के दावे वास्तविकता से परे हैं, क्योंकि नूर खान वायुसेना अड्डा राजधानी के अत्यंत व्यस्त और आबादी वाले हिस्से में स्थित है। पाकिस्तान का कहना है कि वहां किसी भी बड़े सैन्य बेडे या विमानों को छिपाकर रखना संभव ही नहीं है। दूसरी ओर अमेरिकी प्रशासन ने भी अब तक सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है, जिससे स्थिति और अधिक जटिल दिखाई दे रही है।

सूत्रों के अनुसार ईरान ने संभावित खतरे को देखते हुए अपने कुछ नागरिक विमानों को पड़ोसी अफगानिस्तान की ओर भेजा। अफगान नागरिक उड्डयन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि महान एयर का एक विमान संघर्ष तेज होने से पहले काबुल पहुंचा था और बाद में सुरक्षा कारणों से उसे हेरात स्थानांतरित कर दिया गया। बताया गया कि अफगान क्षेत्र में पाकिस्तानी हवाई हमलों की खबरों के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि काबुल हवाई अड्डा भी संभावित निशाना बन सकता है। इन घटनाओं ने दक्षिण एशिया के जानकारों को 1971 के दौर की याद दिला दी है। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी के नेतृत्व वाला ईरान पाकिस्तान का प्रमुख समर्थक बनकर सामने आया था। तेहरान ने इस्लामाबाद को हेलिकाप्टर, ईंधन, गोला बारूद और सैन्य उपकरणों के कलपुर्जे उपलब्ध कराए थे। कई रिपोर्टों में यह भी उल्लेख मिलता है कि पाकिस्तान के कुछ सैन्य विमानों ने ईरानी वायुसेना अड्डों पर शरण ली थी।

बाद में सार्वजनिक हुए अमेरिकी दस्तावेजों से पता चला था कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन प्रशासन ने पर्दे के पीछे ईरान को पाकिस्तान की सहायता के लिए प्रोत्साहित किया था। उस दौर में अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान को कमजोर होने से बचाना चाहते थे। शीत युद्ध के समय ईरान और पाकिस्तान दोनों सोवियत विरोधी सैन्य गठबंधन सेन्टो के सदस्य थे और निक्सन प्रशासन इन्हें क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को रोकने वाले महत्वपूर्ण साझेदार मानता था।

पांच दशक बाद वैश्विक राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। आज ईरान अमेरिका का प्रमुख पश्चिम एशियाई प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, जबकि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में चीन का सबसे करीबी सुरक्षा सहयोगी बन चुका है। चीन ने हाल के समय में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष संपर्क स्थापित कराने में पाकिस्तान की भूमिका की सार्वजनिक सराहना भी की है। इस बदलती परिस्थिति में पाकिस्तान का संतुलन साधना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

पाकिस्तान एक ओर चीनी सैन्य उपकरणों पर अत्यधिक निर्भर है। रिपोर्टों के अनुसार 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के प्रमुख हथियार आयात का लगभग अस्सी प्रतिशत हिस्सा चीन से आया। वहीं दूसरी ओर इस्लामाबाद अमेरिका के साथ अपने सैन्य और खुफिया संबंधों को फिर से मजबूत करने की कोशिश भी कर रहा है, जो बराक ओबामा प्रशासन के दौरान काफी कमजोर पड़ गए थे।

पाकिस्तानी अधिकारी लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि तेहरान के साथ उनके संबंध किसी गुप्त सैन्य सहयोग की बजाय क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रचनात्मक कूटनीति का हिस्सा हैं। पाकिस्तान समय समय पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश भी करता रहा है। उसका दावा है कि दोनों देशों के साथ कार्यकारी संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता क्षेत्रीय तनाव कम करने में सहायक हो सकती है।

इसके बावजूद अमेरिकी सुरक्षा प्रतिष्ठान के एक प्रभावशाली हिस्से में पाकिस्तान को लेकर संदेह अब भी गहराई से मौजूद है। अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन की पाकिस्तान में मौजूदगी की स्मृति आज भी अमेरिका पाकिस्तान संबंधों पर भारी पड़ती है। अमेरिकी अधिकारी और सांसद लंबे समय से पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था के कुछ तत्वों पर इस्लामी उग्रवादी संगठनों के साथ चयनात्मक संबंध रखने के आरोप लगाते रहे हैं, हालांकि पाकिस्तान इन आरोपों को लगातार नकारता आया है।

ताजा आरोपों ने अमेरिकी संसद में भी नई बहस छेड़ दी है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने चेतावनी दी है कि यदि पाकिस्तान द्वारा ईरान को सैन्य सहायता या शरण देने की खबरें सही साबित होती हैं, तो अमेरिका को ईरान और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थ के रूप में इस्लामाबाद की भूमिका का पूरी तरह पुनर्मूल्यांकन करना पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया की राजनीति में पुराने रिश्ते, सामरिक हित और बदलते वैश्विक गठबंधन आज भी गहराई से प्रभाव डाल रहे हैं।

बहरहाल, विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान पर आंख मूंदकर भरोसा करना अमेरिका सहित कई देशों के लिए पहले भी भारी पड़ चुका है। हाल के वर्षों में अमेरिकी रणनीतिक और सुरक्षा रिपोर्टों में भी यह संकेत दिया गया था कि पाकिस्तान की नीतियां भविष्य में अमेरिका के लिए प्रत्यक्ष चुनौती बन सकती हैं। कुछ विश्लेषणों में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को भी ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा गया है जिनके फैसले क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ा सकते हैं और अमेरिकी हितों के लिए संकट खड़ा कर सकते हैं। यही कारण है कि वाशिंगटन में यह राय मजबूत होती जा रही है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी सामरिक या कूटनीतिक साझेदारी में अमेरिका को अत्यंत सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड में सत्ताधारी पार्टी के दफ्तर पर बम हमला, आतंकवादी मंशा का आरोप

हेग , एजेंसी। नीदरलैंड की राजधानी हेग में सत्ताधारी पार्टी डी66 के मुख्यालय पर हुए बम हमले को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। अधिकारियों ने कहा है कि इस मामले में गिरफ्तार 37 वर्षीय आरोपी पर आतंकवादी मंशा से हमला करने का आरोप लगाया गया है। अदालत ने आरोपी को दो सप्ताह की अतिरिक्त हिरासत में भेज दिया है। यह धमाका 8 मई को उस समय हुआ जब एक व्यक्ति ने पार्टी कार्यालय के लेटर बॉक्स के जरिए बम अंदर फेंक दिया। उस समय इमारत में पार्टी की युवा शाखा के लगभग 30 सदस्य बैठक कर रहे थे। धमाके से वहां अफरा-तफरी मच गई, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डच प्रधानमंत्री रोब जेट्टेन ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से नेताओं को डराने की कोशिश बेकार है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, किसी राजनीतिक दल के कार्यालय को निशाना बनाना लोगों में भय पैदा करता है, इसलिए इसे आतंकवादी गतिविधि माना गया है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह दूसरी बार है जब इस कार्यालय को निशाना बनाया गया। इससे पहले सितंबर में भी चुनावों से पहले हिंसक प्रदर्शन के दौरान दफ्तर में तोड़फोड़ की गई थी।

अमेरिका में सामूहिक गोलीबारी का आरोपी किशोर गिरफ्तार

आयोवा, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा सिटी में पिछले महीने हुई सामूहिक गोलीबारी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अमेरिकी मार्शलों ने 17 वर्षीय आरोपी डामारियन एम. जोन्स को जॉर्जिया के अटलांटा के पास गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पांच लोगों की हत्या की कोशिश समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 19 अप्रैल की रात यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा के पास स्थित एक व्यस्त इलाके में बड़ी लड़ाई हुई थी। वहां कई दुकानें, बार और रेस्टोरेंट मौजूद हैं। इसी दौरान आरोपी ने भीड़ की ओर छह गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गया। इस गोलीबारी में पांच लोग घायल हुए थे। एक व्यक्ति के सिर में गोली लगी, जबकि अन्य लोगों के हाथ, पैर, छाती और पेट में गोलियां लगीं। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से एक अब भी अस्पताल में भर्ती है। आरोपी को फिलहाल जॉर्जिया की जेल में रखा गया है और जल्द ही उसे आयोवा लाया जाएगा। पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि आरोपी को कैसे पकड़ा गया। मामले की जांच जारी है और पुलिस इस हमले के पीछे की पूरी साजिश पता लगाने में जुटी है।

ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक जमीन संरक्षण से जुड़ा बड़ा नियम खत्म किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लेते हुए उस नियम को खत्म कर दिया है, जिसमें सार्वजनिक जमीनों के संरक्षण को विकास कार्यों के बराबर महत्व दिया गया था। यह नियम पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में 2024 में लागू किया गया था। इस नियम के तहत सरकारी जमीनों को पर्यावरण संरक्षण और बहाली के लिए भी लीज पर दिया जा सकता था, ठीक वैसे ही जैसे तेल कंपनियों को ड्रिलिंग के लिए जमीन दी जाती है। लेकिन ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इससे ऊर्जा उत्पादन, लकड़ी उद्योग और पशुपालन पर असर पड़ रहा था। अमेरिकी गृह मंत्री डौग बर्गम ने कहा कि यह नियम लाखों एकड़ जमीन तक उद्योगों की पहुंच रोक सकता था। रिपब्लिकन नेताओं और उद्योग समूहों ने भी इसका विरोध किया था। अमेरिका की बड़ी सरकारी जमीनें अलास्का, कैलिफोर्निया, यूटा और वायोमिंग जैसे राज्यों में फैली हैं। ट्रंप प्रशासन अब इन इलाकों में तेल, गैस, खनन और लकड़ी उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कदम उठा रहा है।

नेपाल :भारत की सहायता से बनने वाले स्कूल की रखी नींव

कैलाली , एजेंसी। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत के कैलाली जिले में सोमवार को सिद्धनाथ माध्यमिक विद्यालय के निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। काठमांडो स्थित भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव नारायण सिंह ने स्कूल की आधारशिला रखी। भारत सरकार इस सामुदायिक विकास परियोजना के लिए 3.6 करोड़ नेपाली रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। यह परियोजना नेपाल के विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पाकिस्तान : खाई में गिरी वैन शादी में जा रहे 11 की मौत

स्वात , एजेंसी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के स्वात जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। मलम जबा के पहाड़ी इलाके में शादी समारोह में जा रही एक वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। बचाव अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में दूल्हे की मां सहित कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान शुरू किया, जिसके बाद घायलों को सैदू शरीफ अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने की जांच शुरू कर दी है।

नूर खान एयरबेस का सीक्रेट खुला! ईरान के विमानों को छिपा रहा था पाकिस्तान, भड़का अमेरिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध के दौरान पाकिस्तान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ताजा अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक, एक तरफ जहां पाकिस्तान दोनों देशों के बीच शांति के लिए 'मध्यस्थ' होने का दिखावा कर रहा था, वहीं दूसरी तरफ उसने ईरानी सैन्य विमानों को संभावित अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए अपने एयरबेस पर छिपने की जगह दी। इस खुलासे के बाद वाशिंगटन में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है।

नूर खान एयरबेस पर उतारे गए ईरानी विमान : सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि 8 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा करने के कुछ ही समय बाद, ईरान ने अपने कई विमानों को पाकिस्तान के 'नूर खान एयरबेस' पर शिफ्ट कर दिया था। इन विमानों में ईरानी वायुसेना का एक आरसी-130 टोही और खुफिया जानकारी जुटाने वाला विमान भी शामिल था। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था।

भड़का अमेरिका, सीनेटर ने की पाकिस्तान के रोल की समीक्षा की मांग

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अमेरिकी सांसदों ने इस्लामाबाद की तटस्थता पर सवाल उठाए हैं। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने इस संकट में पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका का फिर से आकलन करने की मांग की है।

सीनेटर ग्राहम की दो टूक: उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा- अगर यह रिपोर्ट सही है, तो अमेरिका, ईरान और अन्य पक्षों के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थ की भूमिका का पूरी तरह से पुनर्मूल्यांकन करना होगा। इजरायल का किया जिक्रः उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल को लेकर पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों के पहले के बयानों को देखते हुए, अगर यह खबर सच साबित होती है तो उन्हें कोई हैरानी नहीं होगी।

पाकिस्तान ने दावों को किया खारिज : दूसरी ओर, एक वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी ने इन आरोपों को पूरी तरह से नकार दिया है। छछ्क्रन्यूज से बात करते हुए पाकिस्तानी अधिकारी ने कहा कि नूर खान बेस शहर के बिल्कुल बीचों-बीच और घनी आबादी वाले इलाके में स्थित है। अधिकारी के मुताबिक, वहां विमानों के एक बड़े बेड़े को खड़ा करना और उसे आम जनता की नजरों से छिपाना नामुमकिन है।

क्या अफगानिस्तान में भी छिपाए गए नागरिक विमान : रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि युद्ध के दौरान ईरान ने अपने नागरिक विमानों को पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी भेजा था। एक अफगान नागरिक उड्डयन अधिकारी के अनुसार, युद्ध शुरू होने से ठीक पहले महान एयर का एक ईरानी विमान काबुल में उतरा था और ईरानी हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद वहीं रुक गया। अफगान अधिकारियों के मुताबिक, बाद में जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर हमले किए, तो इस विमान को ईरानी सीमा के पास हेरात में शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि, तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने इन दावों को झूठा बताते हुए कहा, 'नहीं, यह सच नहीं है और ईरान को ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है।'

शांति प्रस्ताव पर ट्रंप बोले- ईरान लाइफ सपोर्ट पर है : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब पाकिस्तान वाशिंगटन और तेहरान के बीच अपने रिश्ते संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। सीजफायर के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी चरम पर है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने युद्ध समाप्त करने के तेहरान के ताजा प्रस्ताव को 'उचित' बताया। लेकिन, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल ऑफिस से बोलते हुए इस ईरानी प्रतिक्रिया को 'कचरा' करार देकर सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप ने कहा, 'उनके भेजे गए उस कचरे को पढ़ने के बाद, मैंने उसे पूरा भी नहीं पढ़ा। वे (ईरान) लाइफ सपोर्ट पर हैं। यह सीजफायर भी भारी लाइफ सपोर्ट पर है।' ईरान ने भी साफ कर दिया है कि भविष्य की किसी भी बातचीत में यूरेनियम संवर्धन और परमाणु तकनीक पर कोई समझौता नहीं होगा।

चीन के लिए जासूसी कर रहीं थी कैलिफोर्निया शहर की मेयर, एफबीआई की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

वाशिंगटन, एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया, कैलिफोर्निया के अर्काडिया शहर की मेयर ईलिग वांग पर संघीय अदालत में चीन की अवैध एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगा है।

एफबीआई के ने क्या कहा : साल 2020 के अंत से 2022 तक ईलिग वांग और याओनिंग माइक सन ने चीनी सरकार के अधिकारियों के निर्देशों पर काम किया। इन लोगों ने अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों को अंजाम दिया। उन्होंने यूएस न्यूज सेंटर नाम की एक वेबसाइट के माध्यम से अमेरिका में चीन के समर्थन वाला प्रोपेगेंडा फैलाया। यह वेबसाइट खुद को स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक समाचार स्रोत बताती थी। असल में, वांग और उनके साथी चीनी अधिकारियों से निर्देश लेते थे और वेबसाइट पर उनके मनमुताबिक सामग्री पोस्ट करते थे।

न्याय विभाग ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग और अन्य लोगों से संपर्क किया था। यह संपर्क वीचैट नाम के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए किया गया था। उस अधिकारी ने उन्हें पहले से लिखे हुए समाचार लेख भेजे थे ताकि उन्हें वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सके।

दस साल तक हो सकती है सजा : रिपोर्टों के अनुसार, 58 वर्षीय वांग ने गंभीर अपराध के आरोप में दोषी ठहराए जाने पर सहमति जताई है, जिसके लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। न्याय विभाग के बयान के अनुसार, वांग आज दोपहर लॉस एंजिल्स की जिला अदालत में पेश होंगी। उम्मीद है कि वह आने वाले हफ्तों में आधिकारिक तौर पर अपना गुनाह कबूल कर लेंगी। वांग नवंबर 2022 में अर्काडिया सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं। इस पांच सदस्यीय परिषद में मेयर का पद बारी-बारी से मिलता है। अब उन्होंने सिटी काउंसिल और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। नेशनल सिक्योरिटी के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल जॉन ए ईसेनबर्ग ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि सार्वजनिक भरोसे वाले पद पर बैठा व्यक्ति विदेशी सरकार के निर्देशों का पालन कर रहा था। फर्स्ट असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी बिल एसायली ने कहा कि जो लोग गुप्त रूप से विदेशी सरकारों के इशारे पर काम करते हैं, वे हमारे लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। यह चीन की उन कोशिशों के खिलाफ हमारी जीत है, जिनके जरिए वह हमारे संस्थानों को भ्रष्ट करना चाहता है।

स्कॉटलैंड में भारतीय ने रचा इतिहास: छात्र वीजा पर पहुंचे क्यू मणिवन्नन बने संसद सदस्य, पहचान पर छिड़ी बहस

एडिनबर्ग, एजेंसी। महज चार वर्ष पूर्व छात्र वीजा पर स्कॉटलैंड पहुंचे तमिलनाडु के एक भारतीय डॉक्टरेट छात्र क्यू मणिवन्नन ने स्थानीय चुनाव में अपनी जीत को ब्रिटेन की राजनीति में आप्रवासन, पहचान और प्रतिनिधित्व के व्यापक मुद्दे में बदल दिया है। वह खुद को नॉन-बाइनरी मानते हैं और सत्ता में विविधता का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। क्यू मणिवन्नन, स्कॉटिश संसद (होलीरूड) के नए सदस्यों में से एक हैं। डॉक्टरेट छात्र मणिवन्नन को स्कॉटिश ग्रीन्स की एडिनबर्ग और लोथियंस ईस्ट क्षेत्रीय सूची से स्कॉटिश संसद के लिए चुना गया। अपने समर्थकों के बीच खड़े मणिवन्नन ने कहा, मैं एक ट्रांसजेंडर तमिल अप्रवासी हूं। इस देश में कुछ लोगों के लिए मैं वह सब कुछ हूं जिससे नफरत करने वाले घृणा करते हैं और मैं आज यहां आपके एमएसपी (स्कॉटिश संसद सदस्य) के रूप में पूरी सावधानी के साथ खड़ा हूं। उनके चुनाव की आप्रवासन विरोधी आवाजों ने उन नियमों को लेकर आलोचना की है जो स्कॉटलैंड में रहने वाले कुछ विदेशी नागरिकों को चुनाव लड़ने की अनुमति देते हैं। नियम परिवर्तन के तहत संभव हुआ उम्मीदवारी राष्ट्रमंडल नागरिक होने के नाते नियम परिवर्तन के तहत संभव हुई, जो अल्पकालिक वीजा पर रहने वाले या स्थायी निवास वालों को भी स्कॉटलैंड में चुनाव के योग्य बनाता है। आप्रवासन पर अंकुश लगाने को अभियान चलाने वाले माइग्रेशन वॉच ने कहा, राजनेताओं को ब्रिटिश चुनावों में राष्ट्रमंडल नागरिकों के स्वतः मतदान के अधिकार व गैर-ब्रिटिश नागरिकों के चुनावों में खड़े होने की क्षमता खत्म करना चाहिए। स्कॉटिश ग्रीन्स की सह-नेता, गिलियन मैके ने कहा, पार्टी नए वीजा आवेदन की प्रक्रिया में मणिवन्नन का समर्थन करेगी। ग्रीन्स पार्टी ने कहा, इस प्रक्रिया को संसद के सत्र के दौरान पूरा करना होगा। मणिवन्नन के चुनावी पर्चे में उन्हें राजनीति में पीएचडी छात्र, कला कार्यकर्ता, स्कॉटिश ग्रीन पार्टी के फलस्तीन एकजुटता समूह के सह-संयोजक, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में वर्णित किया है।

युद्ध में यूएई भी कर रहा था ईरान पर हमला, तेल ठिकानों को बनाया निशाना: रिपोर्ट से सनसनी

अबू धाबी, एजेंसी। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद शुरू हुए हालिया युद्ध के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। बीते फरवरी महीने में शुरू हुआ युद्ध अब तक खत्म नहीं हो पाया है। अमेरिका और इजरायल के बीच कुछ हफ्तों के लिए लागू हुआ सीजफायर टूटने की कगार पर है। ऐसे में खाड़ी में एक बार फिर जंग छिड़ सकती है। इस बीच एक रिपोर्ट में हुए खुलासे ने सनसनी मचा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने जंग के दौरान यूएई ने ईरान पर हमला किया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की इस रिपोर्ट में और भी कई खुलासे किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अमीरात ने ईरान पर गुप्त तरीके से यह हमला किया था। इसमें कहा गया है कि यूएई ने ईरान के 'लवन द्वीप' स्थित एक प्रमुख तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया था।

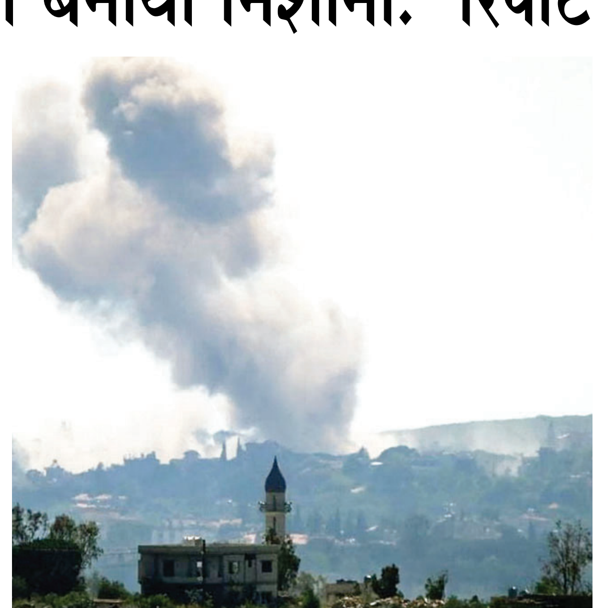

यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर की घोषणा करने वाले थे। बता दें कि यह रिफाइनरी ईरान की 10वीं सबसे बड़ी रिफाइनरी है और रोजाना करीब 60,000 बैरल कच्चे तेल का उत्पादन होता है। जानकारी के मुताबिक हमला 8 अप्रैल की सुबह हुआ था। ईरानी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने एक बयान में बताया था कि लवन द्वीप के तेल ठिकानों पर कायराना हमला हुआ है। हालांकि यह नहीं कहा गया था कि हमले किसने किए थे, लेकिन ईरान ने पलटवार की धमकी दी थी। इसके कुछ ही घंटों बाद ईरान ने यूएई और कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। यूएई ने तब दावा किया था कि उस पर 17 ईरानी मिसाइलों और 35 ड्रोनों से हमला किया गया है। यह इसीलिए अहम है क्योंकि यह अब तक इस युद्ध में यूएई की सीधी एंट्री की जानकारी दुनिया को नहीं थी। ईरान ने अपने ऊपर हुए हमलों के बाद से खाड़ी देशों को लगातार निशाना बनाया है। ईरान ने यूएई, कतर, सऊदी अरब, कुवैत जैसे देशों पर ड्रोन और मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि इन देशों ने पलटवार नहीं किया था।

ट्रंप कराएंगे सालाना मेडिकल चेकअप, सेना के जवानों और कर्मचारियों से भी करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 26 मई को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर जाएंगे। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस दौरे के दौरान ट्रंप अपना सालाना डेंटल और मेडिकल चेकअप करवाएंगे। इसके साथ ही वह अमेरिकी सेना के जवानों और वहां के कर्मचारियों से भी मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस के अनुसार, यह दौरा राष्ट्रपति की नियमित स्वास्थ्य देखभाल का हिस्सा है। ट्रंप की सामान्य मेडिकल और डेंटल जांच की जाएगी, ताकि उनकी सेहत पर नजर रखी जा सके। बयान में कहा गया कि ट्रंप वॉल्टर रीड में तैनात सैनिकों और स्टाफ के साथ समय बिताएंगे और देश के लिए उनकी सेवा, पेशेवर कामकाज और समर्पण की सराहना करेंगे। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि राष्ट्रपति वहां कितनी देर रहेंगे। यह भी साफ नहीं किया गया कि जांच के बाद राष्ट्रपति के डॉक्टर उनकी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे या नहीं। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम से जुड़ी बाकी जानकारी बाद में साझा की जाएगी। मैरीलैंड के बेथेस्डा शहर में स्थित वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर अमेरिकी सेना का प्रमुख अस्पताल माना जाता है। यहां अक्सर अमेरिकी राष्ट्रपतियों और बड़े सरकारी अधिकारियों की मेडिकल जांच और इलाज होता है। यह अस्पताल युद्ध क्षेत्रों से लौटने वाले घायल सैनिकों के इलाज के लिए भी जाना जाता है। इसके अलावा यहां पूर्व सैनिकों, सक्रिय सैन्य कर्मियों और उनके परिवारों को भी चिकित्सा सेवाएं दी जाती हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति की मेडिकल जांच हमेशा चर्चा का विषय रहती है, क्योंकि इससे लोगों को देश के सर्वोच्च नेता की सेहत और फिटनेस के बारे में जानकारी मिलती है। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि वॉल्टर रीड में उनकी मेडिकल जांच उनकी नियमित स्वास्थ्य प्रक्रिया का हिस्सा है। पिछले साल इसी अस्पताल में जांच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा था, 'मुझे लगता है कि मैं बहुत अच्छी शारीरिक स्थिति में हूं, लेकिन मैं आपको इस बारे में बाद बताऊंगा। शारीरिक रूप से, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मानसिक रूप से भी, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। पिछले साल जारी एक मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया था कि ट्रंप की एडवांस इमेजिंग, लैब टेस्ट और कई स्वास्थ्य जांच की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि उनके मेटाबॉलिक, हेमेटोलॉजिक और कार्डियक पैरामीटर्स (हृदय संबंधी मानक) स्थिर पाए गए। राष्ट्रपति के डॉक्टर कैप्टन सीन बारबाबेला की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि ट्रंप की कुल स्वास्थ्य स्थिति काफी अच्छी है।

होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर, रुबियो ने की यूके और ऑस्ट्रेलिया से बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग बातचीत की। इन चर्चाओं में मुख्य रूप से ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित और खुला बनाए रखने पर जोर दिया गया। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसकी जानकारी दी है। मार्को रुबियो ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर से बातचीत की। अमेरिका इस समय अपने करीबी सहयोगी देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री स्थिरता को लेकर लगातार चर्चा कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट के मुताबिक, रुबियो और पेनी वोंग ने 'स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र' को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि रुबियो ने अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया गठबंधन को क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। दोनों नेताओं ने ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को सामान्य और सुरक्षित बनाए रखने की कोशिशों पर भी चर्चा की।

इसके अलावा, रुबियो ने ब्रिटेन की विदेश सचिव इवेट कूपर से भी अलग से बात की। इस बातचीत में भी ईरान और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री मार्गों को खुला रखने का मुद्दा प्रमुख रहा। हालांकि, अमेरिकी विदेश विभाग ने यह नहीं बताया कि इन बैठकों में कौन-कौन से सैन्य या कूटनीतिक कदमों पर चर्चा हुई।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे

अहम समुद्री रास्तों में गिना जाता है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया भर में भेजे जाने वाले तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। अगर इस समुद्री रास्ते में किसी तरह की रुकावट आती है, तो उसका असर दुनिया के तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर तेजी से पड़ सकता है। भारत भी इस क्षेत्र पर करीबी नजर रखता है, क्योंकि यह अपनी जरूरत का काफी कच्चा तेल खाड़ी देशों से आयात करता है।

ऑस्ट्रेलिया इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका का बड़ा सहयोगी माना जाता है। वह क्वाड समूह का भी सदस्य है, जिसमें भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। वहीं, ब्रिटेन ने भी पिछले कुछ वर्षों में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक मौजूदगी बढ़ाई है और वह अमेरिका का अहम सुरक्षा साझेदार बना हुआ है। इसी बीच, मार्को रुबियो ने इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस से भी मुलाकात की। यह बैठक अमेरिका-इथियोपिया द्विपक्षीय वार्ता के दौरान हुई। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, रुबियो ने पूर्वी अफ्रीका में संघर्ष कम करने और विवादों के समाधान में इथियोपिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। दोनों देशों के बीच सुरक्षा साझेदारी और व्यापारिक अवसरों को बढ़ाने के मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

मैंने नहीं की ट्रंप की हत्या की कोशिश, आरोपी का साफ इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाइट हाउस संवाददाताओं के रात्रिभोज समारोह में हथियारों के साथ घुसने के आरोपी ने ट्रंप की हत्या के प्रयास के आरोप से इनकार किया है। साथ ही उसने यह भी मानने से मना किया है कि उसने खुफिया सेवा के एक अधिकारी पर गोली चलाई। कोल थॉमस एलन को सोमवार को एक संघीय अदालत में पेश किया गया। एलन ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान कुछ नहीं कहा। उसके एक वकील ने उसकी ओर से याचिका दायर की। इससे पहले एलन पर एक नए आरोप में अभियोग दर्ज किया गया। दावा किया जा रहा था कि हमलावर ने हमले के दौरान सीक्रेट सर्विस के एक अधिकारी पर शॉटगन से गोली चलाई थी और इसी दावे के आधार पर यह नया अभियोग लगाया गया है।

क्या हुआ था उस रात : बता दें कि हिल्टन होटल में 25 अप्रैल को हुए हमले में सीक्रेट सर्विस के बुलेटप्रूफ जैकेट पहने एक अधिकारी को गोली लगी। इस हमले के कारण संवाददाताओं के रात्रिभोज का कार्यक्रम बाधित हुआ और आखिरकार उसे समय से पूर्व समाप्त करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि एलन बंदूकों और चाकुओं से लैस था। वह एक सुरक्षा चौकी से भागा और उसने एक अधिकारी पर अपनी बंदूक तान दी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 31 वर्षीय एलन पर कई आरोप हैं। इनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास करना, कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला करना, राज्य सीमाओं के पार अपराध करने के इरादे से हथियार ले जाना और हिंसक अपराध के दौरान हथियार चलाना शामिल हैं। एलन पर आरोप साबित होते हैं तो उसे अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

अधिकारियों ने जारी किया था वीडियो

बता दें कि बाद में संघीय अभियोजकों ने उस घटना का वीडियो जारी किया था। इसमें एक व्यक्ति बंदूक और चाकू के साथ 'व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन' के डिनर में घुसने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास करने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वीडियो में कथित रूप से एलन को मेटल डिटेक्टर (मैग्नेटोमीटर) से गुजरते हुए और एक अधिकारी की ओर हथियार तानते हुए दिखाया गया है, जिसके बाद अधिकारी ने पांच गोलियां चलाईं। वीडियो में यह स्पष्ट नहीं है कि एलन ने कब गोली चलाई।

कौन है एलन : कैलिफोर्निया के टॉरेंस का निवासी एलन एक टेस्ट प्रेप कंपनी में अंशकालिक ट्यूटर के रूप में काम करता था। इसके अलावा वीडियो गेम तैयार करना उसका शौक है। अभियोजकों के अनुसार, एलन (31 वर्ष) ने हमले से कुछ मिनट पहले अपने होटल के कमरे में तस्वीर ली थी और उसके पास हथियार, गोला-बारूद बैग, शोल्डर गन होल्स्टर और चाकू मौजूद था। अधिकारियों के अनुसार, संदेशों में उसने खुद को 'फ्रेंडली फेडरल एसेसिन' बताया और ट्रंप प्रशासन की नीतियों को लेकर नाराजगी का संकेत दिया। एलन को घटना के दौरान चोट लगी लेकिन उसे गोली नहीं लगी।

शतावरी

रोग भगाए, सौंदर्य निखारे, शक्ति बढ़ाए

- शतावरी में विटामिन 'ए' होता है जो त्वचा की सुंदरता को निखारता है साथ ही यह चेहरे की झुर्रियों को मिटाता है
- आयुर्वेद में शतावरी की पत्तियों और जड़ों को शुक्रजनन, शीतल, मधुर एवं दिव्य रसायन माना गया है, यह दमा, खांसी, दिल के रोग के लिए कारगर है
- शुगर में शतावरी चूर्ण का सेवन दूध के साथ नियमित करने से काफी फायदा पहुंचता है
- यदि मूत्र में खून आने की समस्या है तो शतावरी का सेवन नियमित रूप से करें

शतावरी का पौधा हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है। इसका चूर्ण दूध के साथ लेने से हड्डियों को शक्ति प्रदान करता है व दर्द को तेजी से दूर करने में मदद करता है। शतावरी एक औषधीय पौधा है जिसका उल्लेख आयुर्वेद में किया गया है। इसका वनस्पतीय नाम है 'स्पारॅगस रेसमोसस' है। शतावरी में ऐसे अनेक गुण छुपे हुए हैं जो आपकी हर एक बीमारी को यूं गायब कर सकते हैं। इसको गुणों की खान कहना गलत न होगा।

स्त्री रोगों में लाभकारी - यह पौधा तमाम तरह के स्त्री रोगों जैसे बांझपन, गर्भपात या नई नवेली मां में दूध की कमी को पूरा करता है। आयुर्वेद में शतावरी की पत्तियों और जड़ों को शुक्रजनन, शीतल, मधुर एवं दिव्य रसायन माना गया है। यह दमा, खांसी, दिल के रोग के लिए कारगर है। परंपरागत रूप से शतावरी को महिलाओं की जड़ी बूटी माना गया है, हालांकि यह पौधा पुरु षों के हार्मोन लेवल को बढ़ा कर उनकी कामुकता में भी इजाफा कर सकता है।

शतावरी से अन्य लाभ

1. **अतिरिक्त वजन कम करे :** महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान अतिरिक्त पानी की वजह से जो वजन बढ़ता है शतावरी उसे कम करता है।
2. **ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाए :** प्रसूता माता को यदि दूध नहीं आ रहा हो या कम आता हो तो शतावरी की जड़ों के चूर्ण का सेवन दिन में कम से कम चार बार करना चाहिए।
3. **मधुमेह में फायदेमंद :** शतावरी की जड़ों के चूर्ण का सेवन बगैर शक्करयुक्त दूध के साथ नियमित किया जाए तो यह काफी फायदेमंद होता है।
4. **शक्तिवर्धक :** अगर शतावरी के पत्तों के रस को दो चम्मच दूध में मिला कर दिन में दो बार लें, तो यह शक्ति प्रदान करता है।
5. **यूरीन में खून में लाभकारी :** अगर मूत्र में खून आने की समस्या है तो शतावरी का सेवन नियमित रूप से करें।
6. **अल्सर दूर करे :** शतावरी काफी ठंडा होता है इसलिए यह बुखार, जलन और पेट के अल्सर को दूर कर सकता है।
7. **बीमारियों का नाश करे:** यह जड़ी-बूटी हैजा, टाइफाइड बुखार, ई.कोलाई आदि से लड़ सकता है।
8. सुंदरता बढ़ाए: शतावरी में विटामिन 'ए' होता है जो कि त्वचा की सुंदरता को निखारता है। यह चेहरे से झुर्रियों को मिटाता है।
9. **माइग्रेन दूर करे :** शतावरी की ताजी जड़ को मोटा-मोटा कूट लें, इसका रस निकालें और इसमें बराबर मात्रा में तिल का तेल मिलाकर पका लें। इस तेल को सिर में लगाएं और लाभ देखें।
10. **प्रजनन छमता बढ़ाए :** यह गर्भ को पूरी तरह से पोषण पहुंचा कर प्रजनन दर को बढ़ाता है।

मध्य आयु में हाई बीपी तो बुढ़ापे में स्मृति लोप

बोस्टन। वैज्ञानिकों ने कहा कि 50 वर्ष के आसपास की अवस्था में उच्च रक्तचाप का कई वर्षो बाद आपके दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई अध्ययनों से यह पता चलता है कि मध्य आयु में हृदय संबंधी जोखिम खासकर रक्तचाप का संबंध स्मृति लोप से है।फ्रेमिंघम हार्ट स्टडी (एफएचएस) के आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के अनुसंधानकर्ताओं ने एफएचएस के 378 लोगों पर यह अध्ययन किया है। इसमें 50-60 वर्ष की आयु में इन लोगों के रक्तचाप और 30 साल बाद 80 या उससे अधिक आयु की अवस्था में इनके दिमाग के काम करने की क्षमता पर अध्ययन किया गया। मध्य आयु में जिन लोगों को उच्च रक्तचाप था, उनके दिमाग ने बहुत बाद ज्यादा खराब प्रदर्शन किया। इस अध्ययन का प्रकाशन ''जर्नल ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज' में हुआ है।

ज्यादा कॉफी पीना पिता बनने में हो सकता है बाधक

एक दिन में 200 मिली ग्राम से ज्यादा कॉफी पीने से शरीर में एस्ट्रोजन का उत्पादन बढ़ जाता है। एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ने से महिला और पुरुषों दोनों में प्रजनन संबंधी विकार और नपुंसकता पैदा होती है। कामकाजी लोगों के कॉफी, चाकलेट और कोला एक मजबूत तनावरोधी का काम करते हैं और युवा पीढ़ी खासतौर से उत्तेजना के लिए इनका इस्तेमाल करती है, लेकिन जब इसकी तलब लत में बदल जाती है तो यह नपुंसकता पैदा करने लगता है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि बहुत ज्यादा कॉफी पीने से पुरुषों की प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है. जो पुरुष रोजाना दो कप या उससे ज्यादा कॉफी पीता है उसमें बाप बनने की संभावना बहुत कम होती है। जबकि लड़कियों में कैफीन फेलोपियन ट्यूब में पेसमेकर कोशिकाओं की प्रणाली को बाधित कर देता है.ये कोशिकाएं ट्यूब संकुचन का काम करती हैं और अंडों को ट्यूब में नीचे जाने से रोकती है। लेकिन जब महिलाएं बहुत ज्यादा कैफीन लेती हैं। उन्हें गर्भधारण करने में कैफीन नहीं लेनेवालों की अपेक्षा ज्यादा समय लगता है.इसलिए, अगर आप कुछ महीनों से परिवार को बढ़ाने की तैयारी में लगे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है तो चाय, कॉफी, कोला और कोकोआ में पाए जानेवाले कैफीन की मात्रा कम से कम ले, खासतौर पर तब जब आप रोजाना 200 मिली ग्राम से ज्यादा कैफीन का उपभोग कर रहे हों।

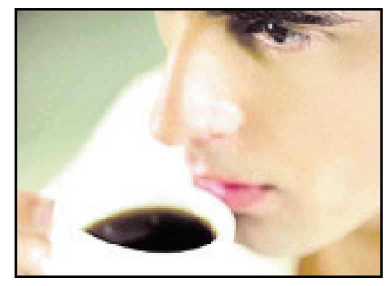

एक अन्य विशेषज्ञ का कहना है कि कैफीन की ज्यादा मात्रा का सेवन करने वालों को प्रजनन संबंधी समस्याओं से लेकर गर्भपात तक की समस्या हो सकती है। इसलिए महिलाओं को उन खाने-पीने की उन चीजों का कम सेवन करना चाहिए, जिसमें ज्यादा मात्रा में कैफीन पाया जाता है, खासतौर पर जब वे गर्भधारण की अवस्था में हो या गर्भधारण करने की कोशिश कर रही हों। विशेषज्ञ कि गर्भवती महिलाओं को न सिर्फ कैफीन के सेवन से बचना चाहिए, बल्कि इसकी जगह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक चीजों जैसे शराब या चीनी से भरपूर सॉफ्ट ड्रिंक आदि से भी बचना चाहिए।

रात को ज्यादा रोशनी भी नींद न आने की वजह

अगर आपके आस-पड़ोस में रात में खूब रोशनी रहती हो तो आप अच्छी तरह सो नहीं पाएंगे, जिससे दिन में भी आपकी कार्यक्षमता प्रभावित होगी। एक नए शोध में इसकी जानकारी मिली है। कनाडा के वेंकुवर में 68वें अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी में अप्रैल 2016 में इस शोध को प्रस्तुत किया जाएगा जो रात में रोशनी से नींद प्रभावित होने के बारे में की गई है।कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिर्वसटी के शोधकर्ता मौरिस ओहैयन ने बताया, ''हमारी दुनिया 24 घंटे काम करने वाला समाज बन गया है। हम बाहर खूब उजाला रखते हैं जैसे स्ट्रीट लाइटों के माध्यम से ताकि हमें कामकाज में आसानी हो और सुरक्षा का मसला भी है।' ओहैयन ने बताया, ''चिंता की बात यह है कि हमने अपने आसपास अंधेरे के आवरण को कम कर दिया है जिससे हमारी नींद प्रभावित हो रही है।'

ग्रामीण इलाकों और छोटे शहरों की तुलना में बड़े शहरों के लोग तीन से चार गुना अधिक रात के प्रकाश में रहते हैं। इस शोध के लिए 15 हजार 863 लोगों का फोन द्वारा 8 सालों तक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें निद्रा से जुड़ी आदतों और नींद की गुणवत्ता जैसे सवाल किए गए थे। निष्कर्षो के अनुसार, कम प्रकाश में रहने वाले लोगों की तुलना में जो लोग अधिक प्रकाश में रहते थे वह नींद की कमी से ग्रसित थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

हंसी के फव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज, ''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

काकुरो पहेली - 4053

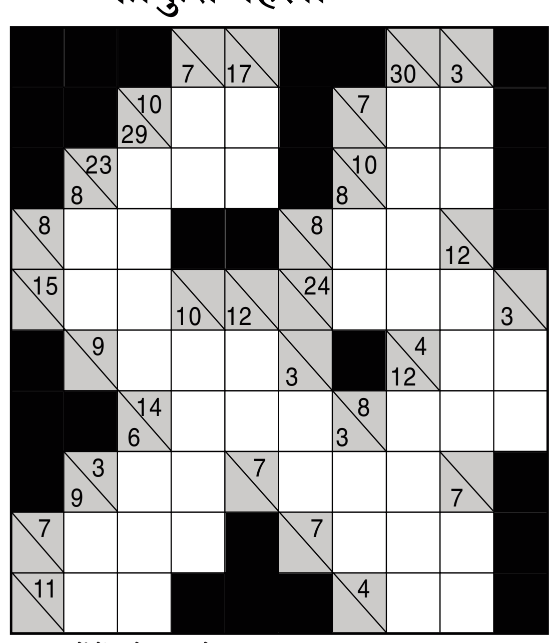

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

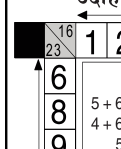

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4052 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 4053

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4052

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

4053

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4052

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 4053

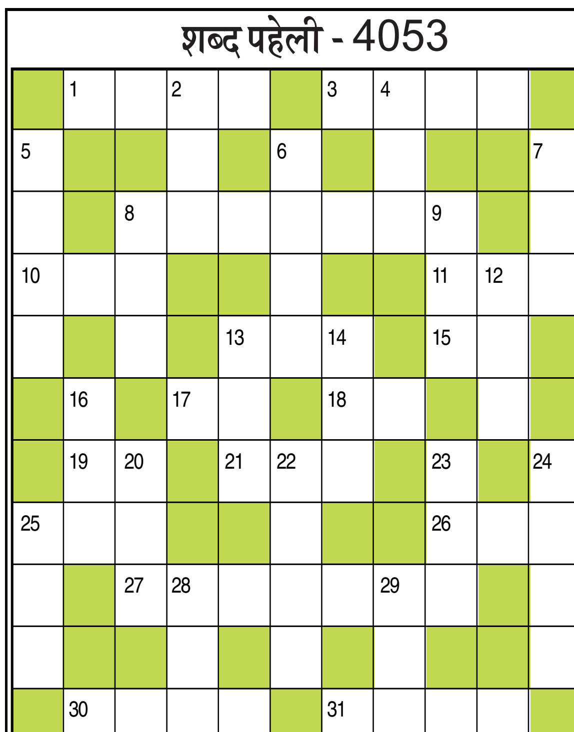

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -4052 का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	रा		त		का	म	ना		दा	वा
न		बे	र	ह	म		ना	रा		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		रा	हु		ब	क	वा	स
ति		दा	स		बे	क	रा	र		न्द
का	न		चि	रा	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

तमिलनाडु के तिरुपुर में सड़क हादसा, पुलिसकर्मी समेत छह की मौत

एजेंसी

तिरुपुर (तमिलनाडु)। तिरुप्पुर जिले के वेल्लाकोविल-करूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुलिस चेक पोस्ट के पास आज तड़के सड़क हादसे में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी समेत 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क के डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को पुलिसकर्मी रविचंद्रन हटा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार एक कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और ट्रक से टकरा गई। हादसे में पुलिसकर्मी रविचंद्रन , ट्रक चालक और कार में सवार चार लोगों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची। सभी के शव सरकारी अस्पताल भेजे गए हैं। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। वेल्लाकोविल पुलिस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची

नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची आगामी ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत दौरे पर आएंगे। भारत में स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। दूतावास के अनुसार, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली इस बैठक के दौरान अराघची भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत ब्रिक्स देशों के अन्य विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और बहुपक्षीय साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की यह अहम बैठक 14 और 15 मई को भारत की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। इस वर्ष ब्रिक्स समूह की मेजबानी भारत कर रहा है और इसी क्रम में सितंबर में नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन भी प्रस्तावित है। विदेश मंत्रियों की यह बैठक आगामी शिखर सम्मेलन की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसमें सदस्य देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। ब्रिक्स समूह में सदस्य देशों के रूप में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं, जबकि हाल के विस्तार के बाद ईरान समेत कुछ नए देशों को भी इसमें शामिल किया गया है। ऐसे में ईरान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा को ब्रिक्स के भीतर बढ़ते सहयोग और पश्चिम एशिया से जुड़े मुद्दों पर संवाद के दृष्टिकोण से भी अहम माना जा रहा है।

इंडो फ्रेंच कॉन्क्लेव के लिए मप्र आए फ्रेंच डेलिगेशन ने किया विश्व धरोहर भीमबेटका का भ्रमण

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रवास पर भोपाल में आयोजित इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए आए फ्रेंच डेलिगेशन ने विश्व धरोहर भीमबेटका शैलाश्रय का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल ने विश्व धरोहर स्थल के रूप में पहचान रखने वाले भीमबेटका के शैलाश्रयों, प्राचीन शैलचित्रों और प्राकृतिक संरचना को करीब से देखा तथा इसकी ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी माथउसहित फ्रेंच प्रतिनिधियों ने भ्रमण के दौरान यहां संरक्षित प्राचीन चित्रों और मानव सभ्यता से जुड़े साक्ष्यों में रुचि दिखाई। अधिकारियों द्वारा प्रतिनिधिमंडल को भीमबेटका के इतिहास, यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में इसकी मान्यता तथा यहां मिलने वाले शैलचित्रों की विशेषताओं के बारे में जानकारी दी गई।

बालोद में सीवरेज पाइपलाइन कार्य के दौरान धंसी मिट्टी, महिला समेत तीन की मौत

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में शाम सीवरेज पाइपलाइन विस्तार कार्य के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई, जिससे तीन मजदूर नाली में दब गए। हादसे में तीनों मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक महिला मजदूर भी शामिल है। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। बताया जा रहा है कि दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के फुटबॉल ग्राउंड के सामने निर्माण कार्य के दौरान बीएसपी की सीवरेज पाइपलाइन विस्तार परियोजना के तहत कार्य चल रहा था। इसी दौरान जेसीबी और चेन माउंट मशीन की मदद से खुदाई की जा रही थी। अचानक मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। पुलिस और बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। हादसे में दबे तीनों शव बरामद कर लिया गया है। हादसे के पीछे निर्माण कार्य में लापरवाही को वजह माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इधर, कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

खपरी में गैस सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत, आर्थिक सहायता की घोषणा

रायपुर। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 4 खपरी में गैस सिलेंडर ब्लास्ट की घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों होमदास वैष्णव (40 वर्ष), लक्ष्मी वैष्णव (18 वर्ष), चांदनी वैष्णव (17 वर्ष) एवं मासूम गोपिका वैष्णव (2 वर्ष) की मौके पर ही दुखद मृत्यु हो गई। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। उन्होंने प्रत्येक चार मृतक को 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन द्वारा आरबीसी 6-4 के तहत प्रत्येक चार मृतक के परिजन को 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

बंगाल में सत्ता बदलने के बाद माओवादी ऑपरेटिव ने किया आत्मसमर्पण, साथियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक माओवादी ऑपरेटिव ने राज्य पुलिस प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने और सामान्य जीवन जीने की इच्छा जताई। आत्मसमर्पण करने वाले ऑपरेटिव की पहचान हुगली जिले के जंगीपाड़ा निवासी मधाई पात्र के रूप में हुई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार आत्मसमर्पण के समय उसके पास से किसी हथियार या विस्फोटक की बरामदगी की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है। आत्मसमर्पण के बाद मधाई पात्र ने कहा कि खराब स्वास्थ्य के कारण उसने उग्रवादी रास्ता छोड़ने का फैसला किया। उसने बताया कि पुलिस के समक्ष आने से पहले उसने अपने 'इंचार्ज' से अनुमति ली थी। मधाई पात्र ने कहा, 'मेरी शारीरिक स्थिति ठीक नहीं है। इसी वजह से मैंने आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन में लौटने का निर्णय लिया है।' उसने अपने पूर्व साथियों और अन्य माओवादी कार्यकर्ताओं से भी हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की।

उसने दावा किया कि वह लंबे समय से बिहार, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल में सक्रिय कई माओवादी संगठनों से जुड़ा था। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने के बाद उसने भूमिगत गतिविधियों से दूरी बनाने का फैसला किया। मधाई पात्र के अनुसार, उसने अपने इंचार्ज बताए जा रहे मिहिर बेसरा से इस विषय पर चर्चा की थी, जिसके बाद उसने पुलिस से संपर्क कर कोलकाता पुलिस के समक्ष औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण किया। मुख्यधारा में लौटने के बाद उसने सामान्य रोजगार के जरिए जीवनयापन करने और आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों के लिए उपलब्ध सरकारी पुनर्वास योजनाओं का लाभ उठाने की इच्छा जताई। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब केंद्र सरकार देशभर में माओवाद विरोधी अभियान चला रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले घोषणा की थी कि 31 मार्च 2026 तक देश से माओवाद का सफाया कर दिया जाएगा। हालांकि समयसीमा बीत जाने के बावजूद हाल के महीनों में विभिन्न राज्यों में कई माओवादी ऑपरेटिव के आत्मसमर्पण की खबरें सामने आई हैं। मधाई पात्र ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री की घोषणा से पहले ही वह मुख्यधारा में लौटने पर विचार कर रहा था। उसने बताया कि मिहिर बेसरा ने उन्हें आश्वस्त किया था कि निर्धारित समयसीमा के बाद भी आत्मसमर्पण संभव होगा। इसी बीच, एक अन्य महत्वपूर्ण कार्रवाई में कोलकाता पुलिस ने उत्तर काशीपुर थाना क्षेत्र से एक महिला माओवादी नेता को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिला की पहचान श्रद्धा विश्वास उर्फ बेला के रूप में हुई है, जो झारखंड में दर्ज कई मामलों में वांछित बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसकी गिरफ्तारी पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतीक यादव के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, 'पद्म विभूषण', स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पुत्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा प्रतीक यादव का निधन अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि।मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने भी प्रतीक यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रतीक यादव का लखनऊ में निधन हो गया। अभी उनकी उम्र महज 38 वर्ष थी।सिविल अस्पताल के चिकित्सकों के मुताबिक प्रतीक यादव को सिविल अस्पताल प्रातः 6:00 बजे लाया गया था। अस्पताल पहुंचने से पहले उनकी मृत्यु हो गई थी।पुलिस उनके शव को लेकर पोस्टमार्टम कराने गई है।प्रतीक फिटनेस के प्रति काफी गंभीर रहते थे। वह समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। उनकी पत्नी अपर्णा यादव बीजेपी की नेता हैं और उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं। वे समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सौतेले भाई हैं।

मणिपुर में पूर्वी इंफाल जिले के अलग-अलग हिस्सों से चार उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में शांति व्यवस्था को कायम करने के लिए पुलिस एवं सुरक्षा बलों का अभियान लगातार जारी है। इस कड़ी में राज्य के अलग-अलग हिस्सों में चलाए गये बीते 24 घंटों के दौरान चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने जारी आधिकारिक बयान में बताया कि 12 मई को सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (प्रीपाक) के एक सक्रिय कैडर नेप्रम दिजामणि मैतेई (52) को गिरफ्तार किया गया। वह इंफाल पूर्वी जिले के बाशिखोंग तोरबन लेइकाई का रहने वाला है और उसे इंफाल पश्चिमी जिले के सिंगजामेई पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कांचीपुर सुपर मार्केट इलाके से पकड़ा गया। उसके पास से प्रीपाक के 11 मांग पत्र बरामद किए गए, जिन पर प्रीपाक के वित्त विभाग के स्वयंभू 'राजस्व प्रमुख' चांगखोनबा मैतेई के हस्ताक्षर थे; साथ ही उसके पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। इसी कड़ी में 12 मई को ही सुरक्षा बलों ने मणिपुर राष्ट्रीय क्रांतिकारी मोर्चा (एनआरएफएम) नामक संगठन के

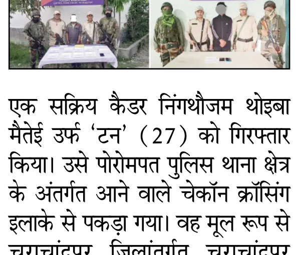

एक सक्रिय कैडर निंगथौजम थोइबा मैतेई उर्फ 'टन' (27) को गिरफ्तार किया। उसे पोरोमपत पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चेकॉन क्रॉसिंग इलाके से पकड़ा गया। वह मूल रूप से चुराचांदपुर जिलांतर्गत चुराचांदपुर पुलिस थाना क्षेत्र के खुमुजंबा लेइकाई का रहने वाला है और वर्तमान में इंफाल पूर्वी जिले के न्यू चेकॉन में रह रहा था। एक अन्य अभियान में 12 मई को सुरक्षा बलों ने कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी -पीपुल्स वॉर ग्रुप (केसीपी-पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर खुलेम श्याम सिंह (23) को गिरफ्तार किया। वह इंफाल पूर्वी जिले के कोंगपाल चिंगांगबम लेइकाई का रहने वाला है और उसे इंफाल पश्चिमी जिले के लाम्फेल पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लांगोल लाइमनाई से पकड़ा गया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक आधार रसीद जब्त की गई। सुरक्षा बलों ने 12 मई को एक अन्य अभियान में उग्रवादी संगठन कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के एक सक्रिय कैडर तोइजम सनमणि मैतेई (48) को गिरफ्तार किया। वह इंफाल पूर्वी जिले के नोंगदा अवांग लेइकाई का रहने वाला है और उसे इंफाल पूर्वी जिले के लामलाई पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नोंगदा माखा लेइकाई इलाके से पकड़ा गया।

म्यांमार में जलाए गये कुकी गांव को मणिपुर का बताने वाले पोस्ट का पुलिस ने किया पर्दाफाश

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक पोस्ट को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिस घटना को मणिपुर से जोड़कर प्रचारित किया जा रहा है, वह वास्तव में पड़ोसी देश म्यांमार की है और उसका भारत से कोई संबंध नहीं है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 12 मई की दोपहर करीब 3 बजे मोलनोई कुकी गांव में घरों में आग लगाए जाने की खबरें विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से प्रसारित की गईं। मामले की जांच के बाद प्रशासन ने बताया कि मोलनोई कुकी गांव म्यांमार में स्थित है। यह गांव मणिपुर के कामजोंग जिला में सीमा स्तंभ (बीपी) संख्या 113 से लगभग 2 किलोमीटर दूर है।

पुलिस मुख्यालय ने कहा कि इस घटना को मणिपुर से जोड़कर भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की

है कि वे किसी भी खबर या पोस्ट को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें।

बयान में यह भी कहा गया कि राज्य में सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार भ्रामक और असत्य सूचनाएं फैलाकर शांति व्यवस्था बिगाड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए राज्य सरकार, पुलिस प्रशासन और सुरक्षा बल सतर्कता के साथ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।

सीबीआई निदेशक चयन प्रक्रिया पर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखा असहमति पत्र, बोले- विपक्ष 'रबर स्टांप' नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) के नए निदेशक के चयन को लेकर शाम प्रधानमंत्री आवास पर हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने बैठक की कार्यवाही पर असहमति जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'डिसेंट नोट' सौंपा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि सरकार ने सीबीआई जैसी प्रमुख जांच एजेंसी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि चयन समिति में नेता प्रतिपक्ष को शामिल करने का उद्देश्य संस्थागत कब्जे को रोकना था, लेकिन उन्हें प्रक्रिया में कोई सार्थक भूमिका नहीं दी जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने पात्र उम्मीदवारों की स्वमूल्यांकन रिपोर्ट और '360 डिग्री' मूल्यांकन रिपोर्ट उपलब्ध कराने का कई बार लिखित अनुरोध किया था,

लेकिन उन्हें यह दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि समिति की बैठक के दौरान पहली बार 69 उम्मीदवारों के मूल्यांकन रिकॉर्ड देखने के लिए दिए गए, जबकि '360 डिग्री' रिपोर्ट पूरी तरह से देने से इनकार कर दिया गया। उन्होंने पत्र में कहा कि उम्मीदवारों के कार्यकाल और प्रदर्शन का निष्पक्ष आकलन करने के लिए इन दस्तावेजों की विस्तृत समीक्षा आवश्यक थी। बिना किसी कानूनी आधार के जानकारी रोककर चयन प्रक्रिया को औपचारिकता तक सीमित कर दिया गया और इससे सरकार के पूर्वनिर्धारित उम्मीदवार के चयन का रास्ता साफ किया गया।राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वह इससे पहले पांच मई 2025 की बैठक में भी अपनी असहमति दर्ज करा चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 21 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री को निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सुझाव भी भेजे थे, लेकिन उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला।कांग्रेस नेता ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष 'रबर स्टैंप' नहीं है और वह पक्षपातपूर्ण प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकते। उन्होंने चयन प्रक्रिया पर कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए औपचारिक असहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि सीबीआई निदेशक के चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनके द्वारा नामित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश शामिल होते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने फखरुद्दीन अली अहमद को अर्पित की श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस सांसद डॉ सैयद नसीर हुसैन ने एक्स पोस्ट में उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा गया कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को उनकी जयंती पर राष्ट्रपति भवन में पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में जयंती पर विनम्र अभिवादन किया। वहीं, कांग्रेस सांसद डॉ सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि फखरुद्दीन अली अहमद का राष्ट्र के प्रति समर्पण और संवैधानिक मूल्यों व लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि फखरुद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति थे। उनका जन्म 13 मई 1905 को दिल्ली में हुआ था और निधन 11 फरवरी 1977 को कार्यकाल के दौरान ही नई दिल्ली में हुआ। वह पेशे से वकील थे और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई थी। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। जवाहरलाल नेहरू के करीबी सहयोगी रहे अहमद ने असम से राजनीति की शुरुआत की और कई बार सांसद चुने गए। उन्होंने केंद्र सरकार में शिक्षा, सिंचाई एवं ऊर्जा, उद्योग और कृषि जैसे मंत्रालयों का दायित्व संभाला। वह 1974 से 1977 तक राष्ट्रपति रहे और उनके कार्यकाल में ही 1975 में आपातकाल लागू हुआ था। वह भारत के दूसरे राष्ट्रपति थे जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ।

जयराम रमेश ने मंत्री ओराम को लिखा पत्र, ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना में वन अधिकार अधिनियम उल्लंघन का आरोप जड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने केंद्रीय जनजातीय कार्यमंत्री जुएल ओराम को पत्र लिखकर ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के कथित उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए आदिवासी समुदायों के अधिकारों और कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई है।

पत्र में कहा गया कि इसी साल 01 मई को केंद्र सरकार ने 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट : एफएक्यू' में दावा किया गया था कि परियोजना में आदिवासी समुदायों की सुरक्षा के लिए सभी वैधानिक प्रक्रियाओं और नीतिगत प्रावधानों का पालन किया गया है। उन्होंने इसे पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि जनजातीय कार्य मंत्रालय को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत ग्राम सभा की सहमति अनिवार्य है। ग्राम सभा को वन भूमि डायवर्जन से जुड़े प्रस्तावों पर विचार करना होता है, यह प्रमाणित करना होता है कि संबंधित समुदायों के अधिकारों का निपटारा हो चुका है और उसके बाद ही सहमति दी जा सकती है। उच्चतम न्यायालय ने

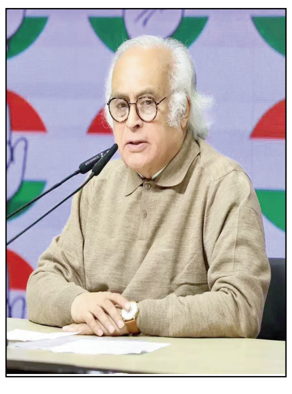

भी नियामगिरि मामले में इस प्रक्रिया को अनिवार्य माना था। रमेश ने कहा कि इस परियोजना के लिए 13 हजार हेक्टेयर से अधिक वन भूमि के डायवर्जन के मामले में केवल कैंपबेल बे, लक्ष्मी नगर और गोविंद नगर में बसे गैर-आदिवासी समुदायों की ग्राम सभाएं आयोजित की गईं और इन्हीं प्रस्तावों को आदिवासी समुदायों की सहमति के रूप में प्रस्तुत कर दिया गया। यह प्रक्रिया वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि निकोबारी और शोम्पेन समुदायों को ही पारंपरिक और सामुदायिक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन उनकी वास्तविक सहमति नहीं ली गई। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि 13 अगस्त 2022 को लिटिल और ग्रेट निकोबार ट्राइबल काउंसिल के अध्यक्ष द्वारा दिए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र को पूरे निकोबारी समुदाय की सहमति के रूप में पेश किया गया, जबकि बाद में स्वयं अध्यक्ष ने इस अनापत्ति प्रमाण पत्र को वापस ले लिया था। उन्होंने कहा कि शोम्पेन समुदाय की ओर से अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति के एक अधिकारी द्वारा सहमति देना कानून सम्मत नहीं है। उन्होंने अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति और परियोजना प्रस्तावक अंडमान एवं निकोबार द्वीप विकास निगम के बीच हितों के टकराव का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 18 अगस्त 2022 को निकोबार जिले के उपायुक्त द्वारा जारी प्रमाणपत्र में यह दावा किया गया कि वन अधिकार अधिनियम के तहत सभी अधिकारों का निपटारा हो चुका है, जबकि वास्तविकता यह है कि अधिनियम के तहत समितियों का गठन भी जुलाई 2022 में पहली बार हुआ था और अधिकारों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू तक नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि एफएक्यू में जरावा नीति का उल्लेख किया गया, जबकि जरावा समुदाय ग्रेट निकोबार द्वीप में रहता ही नहीं है। सुनामी राहत कॉलोनियों में रह रहे निकोबारी समुदाय के लोग लगातार अपनी पारंपरिक जमीनों पर लौटने की मांग कर रहे हैं।

फ्रांस और भारत के बीच भरोसेमंद साझेदारी हो रही है मजबूत : फ्रांसीसी राजदूत

एजेंसी

भोपाल। भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मथाउ ने कहा कि फ्रांस और भारत के बीच दीर्घकालिक एवं भरोसेमंद साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है तथा दोनों देश आर्थिक सहयोग, नवाचार और तकनीकी विकास के क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। फ्रांसीसी राजदूत मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इंडो-फ्रेंच कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव भारत और फ्रांस के बीच मजबूत होते आर्थिक एवं रणनीतिक संबंधों का महत्वपूर्ण मंच है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने अपनी उद्योग अनुकूल नीतियों और निवेश समर्थक वातावरण के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए नई संभावनाएं निर्मित की हैं। उन्होंने बताया कि भारत में 700 से अधिक फ्रांसीसी कंपनियां कार्यरत हैं, जो रोजगार सृजन, नवाचार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स,

ऑटोमोबाइल, कृषि, अधोसंरचना, रिटेल, जैव विविधता, शिक्षा और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में फ्रांस की कंपनियां मध्य प्रदेश के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के साथ फ्रांस के सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले समय में शिक्षा, पर्यटन, अकादमिक आदान-प्रदान और संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग और अधिक विस्तारित होगा। कार्यक्रम में इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महानिदेशक पायल एस. कंवर ने कहा कि मध्यप्रदेश फ्रांसीसी निवेश के लिए तेजी से उभरता हुआ विकास केंद्र है और यह कॉन्क्लेव व्यापार, नवाचार और सतत विकास के नए अवसरों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच व्यापारिक संबंधों को और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न राज्यों में निवेश कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं तथा मध्य प्रदेश संस्करण राज्य स्तरीय सहयोग को नई मजबूती प्रदान करेगा।भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर में आयोजित इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव-2026 में भारत और फ्रांस के बीच औद्योगिक, आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने पर व्यापक मंथन हुआ। इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम तथा भारत स्थित फ्रांस दूतावास के सहयोग से आयोजित कॉन्क्लेव में फ्रांस की प्रमुख कंपनियों, निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं तथा शासकीय अधिकारियों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में ऊर्जा, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय, स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा, संचार, सतत विकास, हरित ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण तथा सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों में निवेश एवं साझेदारी की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

देश में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण पर पांच थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगी केंद्र सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण को बढ़ावा देने और इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस के उद्देश्यों को सामने रखने के लिए पांच बिंदुओं की थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों में बाघ, एशियाई शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता संरक्षण से जुड़े प्रयासों, उपलब्धियों और चुनौतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ये कार्यक्रम इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन-2026 से पहले देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों का आयोजन गुजरात के गिर, मध्य प्रदेश के भोपाल, ओडिशा के भुवनेश्वर, सिक्किम के गंगटोक और महाराष्ट्र के चंद्रपुर में किया जाएगा। गिर में एशियाई शेर संरक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रोजेक्ट लायन, वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली, आवास सुधार और

मालधारी समुदाय की भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। चंद्रपुर में बाघ संरक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रोजेक्ट टाइगर, वन्यजीव गलियारों की सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली और मानव-बाघ संघर्ष कम करने के प्रयासों को प्रदर्शित किया जाएगा। भुवनेश्वर में तेंदुआ संरक्षण और जैव विविधता अंतरराष्ट्रीय दिवस से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने, बचाव तंत्र मजबूत करने और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। गंगटोक में हिम तेंदुआ संरक्षण कार्यक्रम के दौरान हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर जोर दिया जाएगा। भोपाल में चीता संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के पुनर्वास, घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली पर चर्चा होगी। मंत्रालय के अनुसार, इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस भारत की पहल पर शुरू किया गया वैश्विक मंच है, जिसका उद्देश्य दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है।

मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनो क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा।

टीम का अब तक का सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उसे शुरुआत में लगातार जीत मिली पर फिर टीम एकाएक हारने लगी।

टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां नजर नहीं आई पर बल्लेबाजी के असफल होने ही टीम हारने लगी। दिल्ली के खिलाफ मैच में टीम जीत के करीब पहुंच गई थी पर अंतिम पांच ओवरों में तेज गेंदबाज अपनी लेंथ बरकरार नहीं रख पाये। अर्शदीप सिंह सहित अन्य गेंदबाजों का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा है। जहां पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया। वहीं लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बेन ड्वार्शियस सहित बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा पर ये सभी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं।

इसके अलावा टीम की फील्डिंग भी खराब रही है। वहीं अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को निरंतरता रखते हुए लंबी पारी खेलनी होगी जिससे वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य के साथ बड़ी साझेदार कर सकें। टीम ने पिछले मैचों में काफी कैच

छोड़े हैं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ है।

वहीं दूसरे और मुंबई इंडियंस पहले ही पलेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह इस मैच में बिना किसी दबाव के उतरेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करने उतरनेंगे। ऐसे में वह बेहतर प्रदर्शन कर पंजाब के प्लेऑफ का समीकरण बिगाड़ सकती है। जिसको ध्यान में रखते हुए पंजाब को सतर्क रहना होगा।

मुम्बई के कप्तान हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे और इस मैच में उनके उतरने की संभावना है। वहीं आंकड़ो पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक 34 मैच हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 17 जबकि पंजाब ने 16 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रियान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डीकॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, एएम ग़ज़नफ़र, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाउद्दीन इज़हार, रॉबिन मिंज।

थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे श्रीकांत और सिंधु

बैंकाक (एजेंसी)। भारत के किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधु यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। पुरुष एकल में पूर्व विश्व नंबर-1 श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से सीधे सेटों में हराया। श्रीकांत ने अपनी आक्रामक शैली से लो कीन यू को वापसी का कोई अवसर नहीं दिया। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा। वहीं महिला एकल में, भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। सिंधु ने अपने स्मैश और तेज रिटर्न से विरोधी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। अब उनका मुकाबला डेनमार्क की अमेली शूल्ज से होगा।

वहीं युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13-21, 21-17, 4-21 से हार का सामना करना पड़ा है। इसी तरह, तरुण मन्नेपल्ली भी जापान के कोकी वातानाबे से 12-21, 16-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिला एकल में भी भारत की उन्नति हुड्डा को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने 11-21, 21-17, 21-16 से हराया। भारत के ही अनमोल खरब का मुकाबला चीन के चेन यू फेई के खिलाफ 19-21, 21-13, 21-18 से हार का सामना करना पड़ा है।

सुदर्शन ने लगातार तीसरे आईपीएल सत्र में 500 से अधिक रन बनाये

-विराट के रिकार्ड की बराबरी पर आये

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। सुदर्शन आईपीएल सत्र में लगातार तीसरी बार 500 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही सुदर्शन ने आईपीएल में विराट कोहली के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। विराट ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीबी) की ओर से लगातार तीन सत्र में 500 से अधिक रन बनाये हैं।

सुदर्शन ने 2024 और 2025 के बाद अब 2026 में यह शानदार कारनामा किया है। है। इसी के साथ ही वह विराट के साथ तीसरे पायदान पर संयुक्त रूप से आ गये हैं। विराट ने साल 2023, 2024 और 2025 में यह रिकार्ड बनाया था। वहीं वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने साल 2011, 2012, 2013 और पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने साल 2019, 2020 और 2021 में भी लगातार तीन बार 500 से अधिक रन बनाये हैं।

हालांकि, आईपीएल में सबसे ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वॉर्नर के नाम दर्ज है, जिन्होंने छह बार यह उपलब्धि हासिल की है।

इस सत्र में साई सुदर्शन का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अब तक 12 मैचों में 41.75 की शानदार औसत से कुल 501 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वह ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी दूसरे पायदान पर हैं, जहां सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 12 मैचों में 50.80 के औसत से 508 रन बनाकर उनसे थोड़ा आगे हैं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में 13वें स्थान पर हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 42.11 के औसत से 379 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 क्रिकेट में बल्लेबाज हो रहे हावी, गेंदबाजों को करने होंगे बदलाव : द्रविड़

डबलिन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि आजकल के क्रिकेट जिस दौर में पहुंच गया है वहां बल्लेबाज हावी नजर आते हैं और गेंदबाजों की भूमिका उनके मुकाबले कमजोर नजर आती है। द्रविड़ के अनुसार इस प्रकार के हालातों में अपना दबदबा फिर से बनाने के लिए गेंदबाजों को अपने में बदलाव करना होगा। तभी वे बदलते हुए दौर में टिक पायेंगे। इस पूर्व कप्तान मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में बल्लेबाजों ने खेल को पूरी तरह से बदल दिया है, जबकि गेंदबाज अभी भी उस स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डबलिन में यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान द्रविड़ ने कहा कि टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी का स्तर लगातार ऊंचा होता जा रहा है। साथ ही कहा, पिछले दो-तीन साल में बल्लेबाजी में जिस तरह का बदलाव आया है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि गेंदबाजों को उस स्तर तक पहुंचने के लिए अब

काफी मेहनत करनी होगी। द्रविड़ ने विशेष रूप से युवा भारतीय बल्लेबाजों की भी प्रशंसा करते हुए कहा है कि इन लोगों ने पावरप्ले में बल्लेबाजी के अंदाज को ही बदल दिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, आयुष मात्रे और प्रियांश आर्य जैसे खिलाड़ियों का जिक्र किया, जो अब मैदान के हर हिस्से में बड़े शॉट खेलते हैं।

द्रविड़ ने साथ ही कहा कि आजकल बल्लेबाजी कौशल, छक्के लगाने की क्षमता और मैदान के अलग-अलग हिस्सों में शॉट खेलने की कला पहले से कहीं बेहतर हुई है, जिसने गेंदबाजों को परेशानी में डाल दिया है। साथ ही कहा कि आज के इस दौर में गेंदबाजों को भी विविधता लानी होगी । उन्होंने कहा, अगर संतुलन की बात करें तो फिलहाल बल्लेबाज, गेंदबाजों की तुलना में टी20 क्रिकेट की मांगों के हिसाब से ज्यादा बेहतर तरीके से ढले हैं। हालांकि, द्रविड़ को उम्मीद है कि आने वाले समय में गेंदबाज इसका सामना बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

द्रविड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि सपाट पिचों पर गेंदबाजों के लिए लगातार सफल होना आसान नहीं है और उन्हें कुछ अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसके लिए विकेट को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बनाना होगा ताकि गेंदबाजों को भी सहायता मिले। साथ ही कहा कि कोई भी ऐसा बदलाव जो गेंदबाजों की सहायता करें वह किया जाना चाहिये। तभी गेंद और बल्ले में संतुलन आयेगा।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पक्ष में झुका नजर नहीं आना चाहिये। उन्होंने खेल में संतुलन के महत्व पर बल दिया और कहा, हम नहीं चाहते कि संतुलन किसी एक तरफ बहुत ज्यादा झुक जाए। खेल तभी रोमांचक होगा जब दोनो के बीच संतुलन रहेगा।

बीसीसीआई ने कमिंस पर जुर्माना लगाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में धीमी ओवर गति के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर जुर्माना लगाया है। कमिंस पर बोर्ड ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। कमिंस पर ये जुर्माना मंगलवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। बोर्ड ने इसे आईपीएल नियमों का उल्लंघन करार दिया है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, यदि क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने 20 ओवर पूरे नहीं कर पाती है, तो उसे धीमी ओवर गति का दोषी माना जाता है। आईपीएल ने भी कमिंस पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि धीमी ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का यह पहला अपराध था, जिसके कारण कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में सनराइजर्स की पहली गलती थी। आईपीएल में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना कप्तानों पर लगाया जाता है जिससे खेल की गति बनी रहे। इस सत्र में अबतक दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के अक्षर पटेल पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के श्रेयस अय्यर और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अजिंक्य रहाणे पर भी जुर्माना लगा है।

जीत से उत्साहित शुभमन बोले हालातों के अनुसार बनाते हैं रणनीति

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 मुकाबले में मिली जीत पर खुशी जतायी है। शुभमन ने कहा कि टीम को ये शानदार जीत गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन से मिली है। गुजरात ने जिस प्रकार से इस सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद शीर्ष पर स्थान बनाया है उससे भी प्रशंसकों ने उसकी सराहना की है। वहीं शुभमन ने कहा कि उनकी टीम ने किसी खासा शैली को नहीं अपनाया है, उनकी टीम हालातों के अनुसार रणनीति बनाती है। इसी के साथ ही गुजरात ने लगातार पांचवां मुकाबला जीता। मैच के बाद शुभमन ने कहा, हमें अच्छी तरह पता था कि इस विकेट पर 170 का स्कोर बनाना काफी कठिन होगा और उसका बचाव करना उससे भी मुश्किल रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने इस दौरान जबरदस्त खेल दिखाया। हमने मैच से पहले अपनी गेंदबाजी रणनीति को लेकर एक स्पष्ट योजना बनाई थी, जिसपर अमल करने में हम सफल रहे। विशेष रूप से देखा जाये तो हमारी गेंदबाजी बेहतीन रही। उन्होंने बल्लेबाजों साई सुदर्शन 61 और वाशिंगटन सुंदर 50 के अर्धशतकों की भी प्रशंसा की है। शुभमन के अनुसार इन शानदार पारियों से ही टीम 170 रन के अच्छे स्कोर तक पहुंची। साथ ही कहा, उनके बिना, 170 तक पहुंचना वाकई मुश्किल होता। अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचने के बारे में कप्तान ने बताया कि यह लगातार अच्छे प्रदर्शन से संभव हुआ है। अपनी टीम की पहचान को लेकर उन्होंने कहा, हम उस तरह की टीम नहीं हैं जो किसी खास स्टाइल या ब्रांड का क्रिकेट खेलती हो। हम एक ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो हालातों का आंकलन करते हुए खेले। होल्डर के योगदान को लेकर उन्होंने कहा, वह बेहद अनुभवी खिलाड़ी हैं। जिस लेंथ पर वह गेंद फेंकते हैं, वह हमारे लिए बेहतरीन साबित होती है। होल्डर ने लगभग हर मैच में चार ओवर की गेंदबाजी की है, जो इस मौसम में बिल्कुल भी आसान नहीं है, लेकिन वह टीम के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन कर

पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले से पहले अकेले अभ्यास करते दिखे पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस टीम का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। टीम को अब गुरुवार को बचे हुए लीग मैच में पंजाब किंग्स से खेलना है। मुम्बई की टीम इस मैच में जीत के साथ ही अपना खोया मनोबल हासिल करने का प्रयास करेगी। टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी इस सत्र में अच्छा नहीं रहा और वह आलोचकों के निशाने पर हैं। पांड्या फिट नहीं होने के कारण पिछले दो मैचों से बाहर थे। अब उनका लक्ष्य गुरुवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। इसी को देखते हुए पांड्या अकेले ही नेट्स में अभ्यास करते दिखे। इससे साफ है कि वह पंजाब के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। इससे टीम और प्रशंसकों के बीच उम्मीदें जगी हैं। हालांकि फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। पांड्या ने अभ्यास का एक वीडियो

भी सोशल मीडिया पर जारी कर अपने फिट होने के संकेत दिये हैं।

हार्दिक इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में नहीं उतरे थे। पीठ की समस्या के कारण उनकी अनुपस्थिति ने टीम के संतुलन और प्रदर्शन को काफी प्रभावित किया है, खासकर जब टीम इस सीजन में लगातार संघर्ष कर रही है। अब, पंजाब किंग्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनके नेट्स में बल्लेबाजी अभ्यास करते हुए देखा जाना उनके फिटनेस हासिल करने का एक सकारात्मक संकेत है। मुंबई पहले ही आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, जिसके बाद टीम के भीतर और बाहर कई सवाल उठे हैं। इन हालातों के बीच, पांड्या ने टीम के भविष्य और रणनीति पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आना तय है। जब सीजन खत्म हो जाएगा, तब सही समय होगा कि क्या गलत हुआ, इसका सही आकलन किया जाए। लेकिन इस समय मेरी राय है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपनी पूरी कोशिश की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाला यह मैच मुंबई इंडियंस के लिए अंक तालिका में केवल एक औपचारिकता है। मुंबई का लक्ष्य अब सम्मानजनक प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान का अंत करना होगा, जिससे अगले सीजन के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके। दूसरी ओर, चार लगातार हार झेल चुकी सैम कुरेन की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। पंजाब को अपनी स्थिति सुधारने और टूर्नामेंट में कुछ सकारात्मक हासिल करने के लिए जीत की सख्त जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीकी महिला तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल संन्यास से वापसी कर रहीं

जोहांसबर्ग । इग्लैंड में होने वाले आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप महिला विश्वकप क्रिकेट से ठीक पहले दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल ने खेल में वापसी की घोषणा कर दी है। शबनम की वापसी से दक्षिण अफ्रीकी टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार शबनम ने दक्षिण अफ्रीका के निदेशक एनोक न्कवे और मुख्य कोच मंडला माशिम्बी के साथ बातचीत के बाद वापसी की बात कही है। कोच माशिम्बी ने कहा, सच कहूं तो, हमारी गेंदबाजी में इस्माइल जैसी बेहतरीन खिलाड़ी का होना बहुत अच्छा होगा। गौरतलब है कि शबनम इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को अपने ही धरती पर टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचाया था। वहीं उनके जाने के बाद से ही टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। टीम तभी से उनकी जैसी गेंदबाज को शामिल करना चाह रही थी पर सफल नहीं हो रही थी। माशिम्बी ने हाल के महीनों में माना था कि टीम के पास तेज गेंदबाजी के अच्छे विकल्प नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के दौरे के बाद उन्होंने फिर से दोहराया था कि टीम की गेंदबाजी में और ज्यादा तेजी की जरूरत है। उन्होंने इशारों-इशारों में यह भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस्माइल अपने संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेंगी। उनकी यह उम्मीद अब एक वास्तविकता में बदल गई है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया जाना चाहिये : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसे हटा दिया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार इस नियम से खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास में बाधा आ रही है क्योंकि खिलाड़ी एक ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम के तहत ज्यादातर खिलाड़ियों को बल्लेबाज के रूप में रखा जाता है। जिससे उनको केवल बल्लेबाजी का ही अनुभव होता है जबकि खेल में सभी क्षेत्रों का अनुभव होना जरुरी है। इससे पहले भी कई दिग्गजों ने स नियम पर सवाल उठाये थे। अधिक लोगों का मानना है कि यह नियम मुख्य रूप से बल्लेबाजों को ही फायदा पहुंचा रहा है और खेल में संतुलन बिगाड़ रहा है। मांजरेकर ने कहा, मैं अब यह सोचने लगा हूं कि हमें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे किसी भी बल्लेबाज का एक ही पक्ष सामने आता है। वहीं एक क्रिकेटर केवल बल्लेबाजी नहीं क्योंकिं उसे फील्डिंग भी करनी होती है। मांजरेकर ने कहा कि खेल का असली दबाव और उसकी समझ मैदान पर फील्डिंग करने से ही आती है। उन्होंने कहा, अगर वह (वैभव) शानदार बल्लेबाज है, लेकिन फील्डिंग में कमजोर है, तो मैं देखना चाहूंगा कि विरोधी टीम उस कमजोरी का फायदा कैसे उठाती है। कैच छोड़ने का दबाव क्या होता है, यह हर खिलाड़ी को महसूस करना चाहिए। सिर्फ बल्लेबाजी करके आराम करना क्रिकेट के सबसे बड़े स्तर पर सही नहीं है। उनका मानना है कि यह नियम खिलाड़ियों को खेल के हर विभाग में अपने को परखने और सुधारने का मौका नहीं देता।

अच्छे प्रदर्शन के बावजूद विदेशी कोच के लिये हॉकी इंडिया ने मुझे हटाया : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने विदेशी कोचों को तरजीह देने के हॉकी इंडिया के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद जूनियर टीम के कोच के पद से उन्हें हटा दिया गया । सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक पोस्ट में दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता श्रीजेश ने लिखा कि अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें हटाया गया क्योंकि हॉकी इंडिया जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहता है।

श्रीजेश ने 'एक्स'' पर लिखा, ''लगता है कि मेरा कोचिंग कैरियर डेढ साल के बाद ही खत्म हो गया है जिसमें हमने पांच टूर्नामेंट खेले और जूनियर विश्व कप समेत पांच बार पोडियम पर रहे।' उन्होंने कहा, 'मैने सुना है कि खराब प्रदर्शन के बाद कोचों को हटाया जाता है लेकिन पहली बार विदेशी कोच की नियुक्ति के लिये मुझे हटाया जा रहा है।' श्रीजेश ने कहा, 'हॉकी इंडिया अध्यक्ष का कहना है कि सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच जूनियर स्तर पर भी विदेशी कोच चाहते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इससे जूनियर स्तर से सीनियर स्तर पर भारतीय हॉकी के विकास में मदद मिलेगी।'

भारत की जूनियर टीम के कोच के रूप में श्रीजेश का कार्यकाल दिसंबर 2025 में खत्म हो गया था और उन्होंने इस पद के लिए पुनः आवेदन किया था। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के मुख्य कोच दक्षिण अफ्रीका के क्रेग फुल्टोन हैं जबकि महिला टीम के कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन हैं। श्रीजेश पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद अंडर 21 पुरूष टीम के मुख्य कोच बने थे जिनके कार्यकाल में टीम ने जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जूनियर विश्व कप और जोहोर कप में कांस्य पदक जीता था। श्रीजेश ने आगे लिखा, 'क्या भारतीय कोच भारतीय हॉकी का विकास नहीं कर सकते।'

उन्होंने कहा कि खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी कहा था कि देश को उनके जैसे कोचों की जरूरत है लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा सिर्फ विदेशी कोचों पर है। उन्होंने कहा, 'सात मार्च 2026 को माननीय खेलमंत्री श्री मनसुख मांडविया के साथ एक मुलाकात में मुझे कहा गया था कि 2036 ओलंपिक की तैयारी के लिये श्रीजेश हमें तुम्हारे जैसे कोचों की जरूरत है।' श्रीजेश ने कहा, 'लेकिन हॉकी इंडिया का भरोसा चारों टीमों के लिये भारतीय कोचों की बजाय विदेशी कोचों पर है।' उन्होंने इस पोस्ट में खेलमंत्री, पीएमओ, हॉकी इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की को टैग किया है।

टेनिस खिलाड़ी पुरस्कार राशि के मामले में अब पीछे नहीं हटेंगे : पेगुला

खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व का बड़ा हिस्सा मिले

रोम । टेनिस जगत में खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। अब इस अभियान का नेतृत्व कर रही अमेरिकी महिला टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने कहा है कि खिलाड़ी अब अपनी इस मांग से पीछे नहीं हटेंगे। पेगुला ने कहा कि यह सही समय है जब खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के कुल राजस्व में एक बड़ा मिलना चाहिए। वहीं इससे पहले विश्व नंबर-1 पुरुष टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर और महिला वर्ग की नंबर-1 खिलाड़ी एरीना सबालेंका ने भी कहा था कि पुरस्कार राशि बढ़ायी जानी चाहिये। पेगुला खिलाड़ियों को इस मामले को लेकर एक मंच पर लाने का प्रयास भी कर रही हैं। । उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों से इस मामले में सीधे बात करने और उन्हें एकसाथ लाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं है। पेगुला ने कहा, मैं किसी भी खिलाड़ी के पास जाकर पूछ सकती हूं कि क्या वह इस मामले में हमसे सहमत है या नहीं । साथ ही कहा कि कुछ खिलाड़ी शायद इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी पूरी तरह से समर्थन में हैं। वह पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों से लगातार संपर्क कर रही हैं और उन्हें इस अभियान में शामिल कर रही हैं। पेगुला ने संकेत दिया कि अन्य प्रमुख पेशेवर खेलों की तुलना में टेनिस खिलाड़ियों को उनके योगदान के बदले काफी कम हिस्सा मिलता है।

बेबाक अंदाज पर उर्वशी रौतेला अब नहीं देतीं सफाई

किस कारण से बदली सोच

उर्वशी रौतेला अपनी बोल्ड और उल्टी-सीधी बातों के किए हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। फिल्मों में उनके अभिनय को लेकर कम ही चर्चा होती है। हाल ही में इस पूरी कंडीशन पर उर्वशी रौतेला ने एक इंटरव्यू में बातचीत की है। उनका कहना है कि वह दूसरों के सामने अब खुद को सही साबित करने की कोशिश नहीं करती है, अपनी बातों पर कोई सफाई नहीं देती है।

उर्वशी की नजर में महत्वकांक्षा को दिखावा समझा जाता है

जब उर्वशी से पूछा गया कि उनकी कही बातों और दावों का लोग मजाक बनाते हैं। उनके बारे में गलतफहमी पैदा होती है? तो वह क्या करती हैं? इस पर की गई बातचीत में उर्वशी रौतेला कहती हैं, 'मुझे लगता है कि लोग कभी-कभी महत्वाकांक्षा को दिखावा समझ लेते हैं। खासकर तब जब कोई महिला पब्लिक स्पेस में बहुत ज्यादा नजर आती है।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'अक्सर यह मान लिया जाता है कि अगर कोई ग्लैमर को अपनाता है या फैशन का शौकीन है, तो वह बहुत ज्यादा फोकस्ड होगा।'

लोगों की सोच पर क्या बोलीं उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला का कहना है कि वह अब खुद को साबित करने पर जोर नहीं देती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'पहले मुझे यह साबित करने की जरूरत महसूस होती थी कि मैं उस इमेज से कहीं ज्यादा हूं जो लोग देखते हैं। लेकिन अब मुझे समझ आ गया है कि आप अपनी जिंदगी सिर्फ लोगों की सोच को लगातार ठीक करने में नहीं गुजार सकते हैं।' उर्वशी आगे कहती हैं, 'मैंने खुद को ज्यादा समझाने की कोशिश करना छोड़ दिया है। मैं तो बस आगे बढ़ती रहूंगी और समय को ही यह बताने दूंगी कि मैं असल में कौन हूं।'

उर्वशी रौतेला का करियर फ्रंट

जल्द ही उर्वशी रौतेला सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आएंगी। इस सीरीज में लीड रोल में रणदीप हुड्डा हैं। यह सीरीज अपराध और राजनीति की कहानी को कहती है। यह सीरीज का दूसरा सीजन है। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं।

प्रियदर्शन के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे शानदार अनुभव

मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर इन दिनों हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करने के अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। एकता ने इंस्टाग्राम पर प्रियदर्शन के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रोड्यूसर ने अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे दो अलग और मजबूत विचारधारा वाले लोगों ने आपसी सम्मान के साथ एक बेहतरीन प्रोजेक्ट पर काम किया। एकता ने लिखा, 'मैं एक ऐसे इंसान के साथ काम कर रही थी, जो अपनी 100वीं फिल्म बना रहे थे। लोगों को लगा था कि हम दोनों जैसे मजबूत सोच वाले लोग साथ आएंगे तो शायद टकराव होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं देखा कि हमारे बीच कितना गहरा सम्मान था। मुझे नहीं लगता कि मैंने प्रियदर्शन के साथ काम करने जितना मजा किसी और के साथ किया है।' एकता ने एक दिलचस्प वाक्य शेयर करते हुए बताया कि काम शुरू करने से पहले ही प्रियदर्शन ने उनसे एक बेहद खास सवाल पूछा था। प्रियदर्शन ने उनसे पूछा, 'एकता, क्या तुम इस फिल्म से पैसा कमा रही हो? मैं उस फिल्म पर काम नहीं करता जिसमें प्रोड्यूसर को फायदा न हो।'

एकता ने लिखा, 'उनकी सोच और काम करने का तरीका बहुत खास है। वह हमेशा यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रोड्यूसर सुरक्षित रहे। तभी मुझे भरोसा हो गया था कि फिल्म और कंपनी का पैसा दोनों सही हाथों में हैं।' एकता ने उनके अनुशासन और विजन की तारीफ करते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए लिखा, 'ऐसा नहीं है कि हमारे बीच कभी मतभेद नहीं हुए लेकिन हर बार बात सम्मान के साथ हुई।

धमाल मचाने को तैयार सूर्या और तृषा कृष्णन

फिल्म 'करुप्पु' को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

सूर्या की आगामी फिल्म 'करुप्पु' ने अपनी सेंसर प्रक्रिया पास कर ली है और इसे पास कर दिया गया है। यह फिल्म 14 मई को रिलीज होने जा रही है। सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद यह फिल्म अपने तय समय पर रिलीज को तैयार है। इसमें सूर्या के साथ तृषा की जोड़ी जमेगी।

वर्ल्डवाइड रिलीज होगी फिल्म

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित एक्टर सूर्या की फिल्म 'करुप्पु' एक एक्शन ड्रामा मूवी है। यह वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। सेंसर प्रक्रिया से गुजरने के बाद फिल्म को '/' सर्टिफिकेट मिल गया है। फिल्म के टीजर और अन्य प्रमोशनल वीडियो ऑनलाइन रिलीज होने के बाद से ही इसने लोगों में काफी दिलचस्पी जगाई है। इस फिल्म में अभिनेत्री तृषा फीमेल लीड रोल कर रही हैं। वे एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। इसमें उनका नाम प्रीति है।

प्रमोशन में व्यस्त हैं मेकर्स

इस फिल्म में कई वर्षों बाद सूर्या और तृषा की रीयूनियन भी होने जा रही है। इससे इसकी रिलीज को लेकर लोगों का ध्यान और भी ज्यादा बढ़ गया है। सर्टिफिकेशन से जुड़ा अपडेट ऑनलाइन शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'फिल्म 'करुप्पु' को UA सर्टिफिकेट मिला है और यह 14 मई से दुनियाभर के सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है'। फिलहाल मेकर्स इसके प्रमोशन में जुटे हैं।

ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

सूर्या के साथ-साथ, फिल्म में इंद्रन्स, नैटी, योगी बाबू, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर ने तैयार किया है। सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है। फिल्म के स्टंट सीक्वेंस विक्रम मोर ने कोरियोग्राफ किए हैं। एक्शन, ड्रामा और आध्यात्मिकता से भरपूर इस फिल्म को लेकर दर्शक उत्साहित हैं।

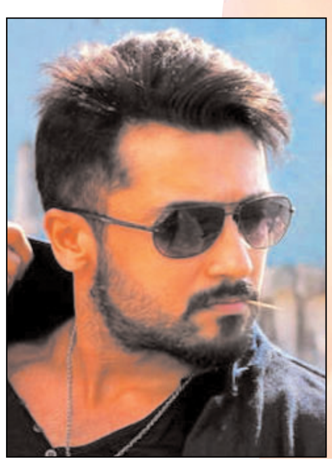

बॉक्स ऑफिस नंबर और लोगों की राय अस्थायी

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए यह मायने रखता है कि वह अपने अभिनय से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ पा रही हैं।

जब अदा शर्मा से पूछा गया कि करियर के इस पड़ाव पर वह सफलता को कैसे मापती हैं, तो उन्होंने जवाब में बताया, 'बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह है जो चिल्लाता है 'द केरल स्टोरी ने 375 करोड़ कमाए, यह फिल्म महिला प्रधान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है', और निश्चित रूप से जब ऐसा होता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार भी महसूस करती हूं, लेकिन आपके काम की आलोचनात्मक समीक्षा उस बुद्धिमान मित्र की तरह है जो ज्यादा नहीं बोलता, लेकिन जब वह तारीफ करता है तो आपको ऐसा लगता है जैसे आपने कोई परीक्षा पास कर ली है।' 2008 में हिंदी हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस किया था। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'संख्याएं और राय आती-जाती रहती हैं; मेरे लिए जो मायने रखता है वह यह है कि दर्शक दृश्यों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, प्रदर्शन और संवादों को कैसे याद रखते हैं।'

'द केरल स्टोरी' से अपार सफलता हासिल करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि उनके प्रशंसक आज भी 1920 और सनफ्लावर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझसे मिलने वाले बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि 1920 ने उन्हें कैसे डरा दिया, सनफ्लावर ने उन्हें कैसे हंसाया और द केरल स्टोरी ने उन्हें कैसे रुलाया। अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। खबरों के मुताबिक, यह फिल्म एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने भारत के 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया और देश के वित्तीय बचाव काल से उनका गहरा संबंध था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म वाकई उन्हीं पर आधारित है या नहीं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। उन्हें आखिरी बार विक्रम भट्ट की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में अनुपम खेर, इश्वक सिंह, अदा शर्मा और ईशा देओल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

कृति सेनन ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

रश्मिका बहुत अच्छी हैं

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

यह सीक्वल नहीं है

कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है। इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं।

2021 में आई थी 'कॉकटेल'

साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था।

19 जून को रिलीज होगी

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा

दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हों। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नहीं करती। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायटिक्स से बचें

एंटीबायटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायटिक देने पर भी फायदा होता है। अधिक समय तक एंटीबायटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...

पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूट्रस में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिर्फ दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

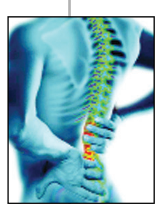

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनट ही होता है और कभी-कभी यह घंटों तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरीन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकि न मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोन डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रुमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोका जरूर जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

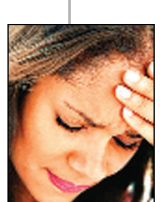

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

गर्मियों के मौसम मे चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियो मे पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें। बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।

शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।

जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें।

वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है।

सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहने तो ज्यादा ठीक रहेगा।

तली-भुनी व मसालायुक्त चीजें न खाएँ।

मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रूक-रूक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अडूसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

विटामिन डी की कमी घातक

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बूस्टर डोज को वैरिसैला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी

जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है।

चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबंधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स ? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइंडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

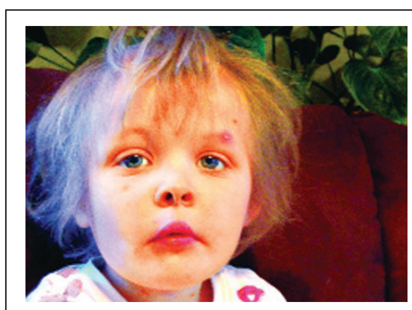

टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!

सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दागों पर बार-बार नाखून न लगें।

मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।

सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नहीं रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।

मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।

सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोछें, वरना संक्रमण हो सकता है।

मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।

सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।

मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नहीं चाहिए।

सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते मे अंकुरित अनाज तथा फलों में केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही लें तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।

अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ड (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नींबू डालकर मिक्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नींबू निचोड़ दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।